यूसीसी के नाम पर नीतीश को.. 02

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

टेलीविजन से बॉलीवुड तक... 11

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

वर्ष - 02, अंक - 166 | गाजियाबाद / शुक्रवार 18 सितंबर 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ -12, मूल्य - 04 रूपए

संक्षिप्त समाचार

महाराष्ट्र सरकार की सीक्रेट डिप्लोमेसी और 20 दिन बाद खत्म हुआ मनोज जारांगे का अनशन

मुंबई (एजेंसी)। मराठा आरक्षण एक्टिविस्ट मनोज जारांगे पाटिल ने आज गुरुवार, 17 सितंबर को अपना 20 दिन का अनशन खत्म कर दिया है। मनोज जारांगे ने महाराष्ट्र सरकार से कहा है कि अगर तीन महीने में मराठा आरक्षण पर उनकी मांगों पर विचार नहीं किया गया, तो वे अपना विरोध प्रदर्शन राजधानी मुंबई तक ले जाएंगे।

पेरिस में इंटरनेशनल स्पेस कॉन्फ्रेंस में शामिल होने गए महाराष्ट्र के उद्योग मंत्री उदय सामंत ने मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री और जारांगे पाटिल के सहयोगियों के बीच बातचीत कराने में मदद की। मनोज जारांगे पाटिल के अनशन को लेकर कई दौर की बातचीत हुई, जिसमें उदय सामंत ने पेरिस से ही तालमेल बैठाया। उद्योग मंत्री ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे से कई बार बात की। सूत्रों के मुताबिक, कुल सात बार बातचीत हुई।उद्योग मंत्री उदय सामंत ने एक कॉन्फ्रेंस कॉल की, जिसमें वे खुद, मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री, मंत्री राधाकृष्ण विखे पाटिल और बीजेपी नेता प्रसाद लाड शामिल रहे।

नासिक में अफसर की टेबल पर कुत्ते छोड़ गए प्रदर्शनकारी

बोरियों में भरकर लाए थे,आवारा कुत्तों को लेकर प्रशासन पर लापरवाही का आरोप

नासिक (एजेंसी)। महाराष्ट्र के नासिक जिले में आवारा कुत्तों की समस्या को लेकर प्रदर्शनकारियों ने अनोखा विरोध किया। युवा सेना (यूबीटी) के कार्यकर्ता बोरियों में कुत्तों को भरकर निफाड़ नगर पंचायत के मुख्य अधिकारी धीरज भामरे के ऑफिस पहुंचे।

यहां उन्होंने बोरियां खोलकर कुत्तों को अफसर की टेबल पर छोड़ दिया। कुत्तों को टेबल पर देखकर अफसर भी चौंक गए।

प्रदर्शनकारियों ने प्रशासन पर शिकायतों के बावजूद आवारा कुत्तों की समस्या को लेकर कार्रवाई नहीं करने का आरोप लगाया और हंगामा भी किया।

लोगों का आरोप- कुत्तों ने कई लोगों को काटा लेकिन एक्शन नहीं- यह प्रदर्शन निफाड़ शहर और आसपास के इलाकों में बढ़ती आवारा कुत्तों की समस्या को लेकर किया गया। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि कुत्तों की बढ़ती संख्या से बच्चे, बुजुर्ग और महिलाएं परेशान हैं। उनका दावा है कि कई लोगों को कुत्ते काट चुके हैं। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि बार-बार शिकायत और ज्ञापन देने के बावजूद प्रशासन ने कोई ठोस कार्रवाई नहीं की। उन्होंने कुत्तों की नसबंदी, उन्हें पकड़ने की उचित व्यवस्था और उनकी संख्या नियंत्रित करने की मांग की।

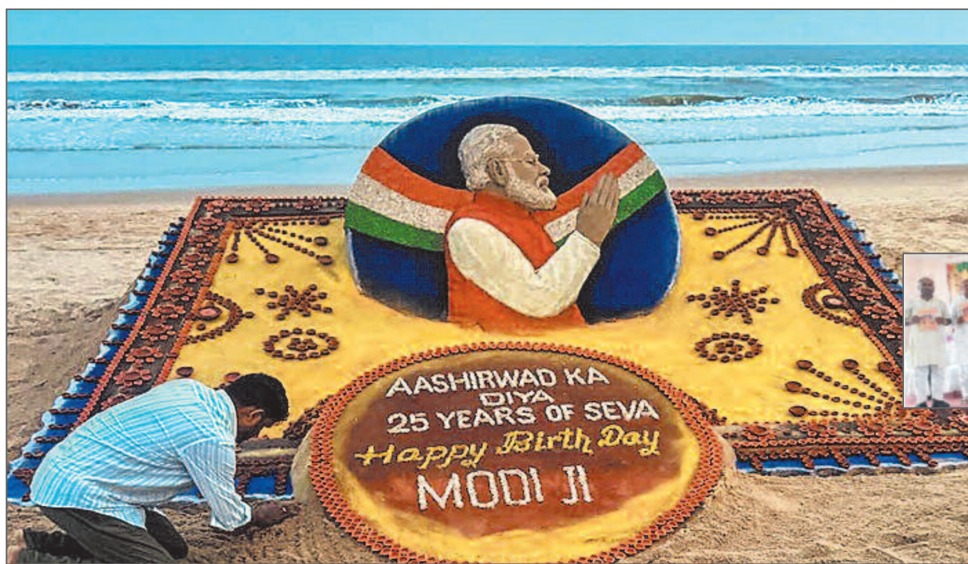

भगवान विश्वकर्मा राष्ट्र शिल्पी तो पीएम मोदी आधुनिक भारत के शिल्पकार : सीएम योगी

विश्वकर्मा जयंती पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर के जटाशंकर स्थित विश्वकर्मा मंदिर में भगवान विश्वकर्मा की पूजा-अर्चना किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि एक ओर भगवान विश्वकर्मा की जयंती है तो दूसरे और देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जन्म दिन है। उन्होंने कहा कि भगवान विश्वकर्मा सृष्टि के शिल्पी थे तो नए भारत के शिल्पी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हैं। योगी ने कहा कि भगवान विश्वकर्मा के नाम पर चलाई जा रही विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के तहत प्रदेश में अब तक 3 करोड़ से अधिक लोग अलग-अलग करीगारी और हस्तशिल्प के जरिए रोजगार कर जीवन यापन कर रहे हैं।

पीएम मोदी का 76वां जन्मदिन

● बंगाल में अन्नपूर्णा योजना की किश्त जारी ● शाह बोले- मोदी दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेता

भोपाल/जयपुर/लखनऊ/पटना/अहमदाबाद (एजेंसी)। पीएम मोदी का गुरुवार को 76वां जन्मदिन है। इस मौके पर देशभर में सेवा-संकल्प अभियान के तहत कार्यक्रम हो रहे हैं। उन्होंने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से पश्चिम बंगाल में अन्नपूर्णा योजना की किश्त जारी की। मोदी ने कहा कि बंगाल के लोगों को लंबे समय तक केंद्र की योजनाओं को लाभ नहीं मिल पाया, जिससे उन्हें नुकसान हुआ।

वहीं, गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि पीएम मोदी दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेताओं में हैं। उन्होंने मोदी के जन्मस्थान वडनगर से वाराणसी तक करीब 1300 किमी की बाइक रैली रवाना की। वाराणसी से भी वडनगर के लिए बाइक रैली शुरू हुई। इसमें करीब 600 बाइकर्स, 10 राज्य और 193 जिले शामिल होंगे। इसका समापन 7 अक्टूबर को होगा।

मप्र उज्जैन में आशीर्वाद के दिए जगमगाए- मप्र उज्जैन में आशीर्वाद के दीये जगमगाए। भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने सोशल मीडिया के जरिए देशवासियों से घर के बाहर दीये जलाने की अपील की थी।

वाराणसी में बाइकर्स को लड्डू बांटे गए- उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, आंध्र प्रदेश के सीएम चंद्रबाबू नायडू, केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान और एमओएस पंकज चौधरी ने वाराणसी में बाइकर्स को लड्डू बांटे। ये वाराणसी से वडनगर जाएंगे और पीएम की 25 साल की सेवा का संदेश फैलाएंगे।

पश्चिम बंगाल: हुगली नदी किनारे 8.5 लाख दीये जलाए - 17 सितंबर की शाम हुगली नदी के किनारे 10 से अधिक घाटों को रोशन किया। कदमताल घाट पर अकेले एक लाख दीये रोशन हुए।

सीएम रेखा ने दान किए शरीर के 14 अंग

पीएम मोदी के जन्मदिन पर पेश की अनूठी मिसाल, मरणोपरांत भी धड़केगा दिल

नईदिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मानवता और परोपकार की एक प्रेरणादायक मिसाल पेश की है। मुख्यमंत्री ने इस खास मौके पर अपने शरीर के विभिन्न अंगों और ऊतकों के महादान का संकल्प लिया है, जो चिकित्सा जगत और जरूरतमंदों के जीवन में एक नई उम्मीद की किरण जगाएगा।

सेमीकॉन इंडिया 2026 का पीएम मोदी ने किया उद्घाटन, बोले-

भारत पर बढ़ रहा भरोसा

नई दिल्ली(एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज गुरुवार को दिल्ली के यशोभूमि कन्वेंशन सेंटर में सेमीकॉन इंडिया 2026 प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। इससे पहले उन्होंने वहां का दौरा किया और प्रतिभागियों से बातचीत भी की। नई दिल्ली में आयोजित दो दिवसीय 17 से 19 सितंबर तक होने वाला यह इवेंट इंडस्ट्री की भागीदारी, पॉलिसी की दिशा और इंटरनेशनल पार्टनरशिप पर केंद्रित है। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अनुसार, यह कॉन्फ्रेंस सिलिकॉन टू सिस्टम्स: बिल्डिंग द इकोसिस्टम थीम के तहत इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन (आईएसएम), मेटी बाय और ग्लोबल इंडस्ट्री बॉडी एमईएमआई द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित की जा रही है।

पीएम मोदी के 76वें जन्मदिन पर शुभकामनाओं का तांता, भाजपा सेवा संकल्प अभियान शुरू करेगी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का गुरुवार को 76वां जन्मदिन है। 17 सितंबर, 1950 को गुजरात के वडनगर में उनका जन्म हुआ था। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री, मुख्यमंत्री और भारतीय जनता पार्टी की अगुवाई वाली एनडीए के नेताओं उन्हें जन्मदिन की बधाई दी। इस मौके पर नेताओं ने उनके नेतृत्व, जनसेवा के प्रति समर्पण और देश के विकास में योगदान की तारीफ की। बीजेपी पीएम मोदी के जन्मदिन के मौके पर एक महीने का 'सेवा संकल्प अभियान' भी शुरू कर रही है। यह अभियान 17 अक्टूबर तक चलेगा, जिसमें पूरे देश में सेवा गतिविधियां और आउटरीच प्रोग्राम होंगे। यह अभियान पीएम मोदी के पब्लिक सर्विस में 25 साल पूरे होने का भी प्रतीक है।

बीजेपी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष लाल सिंह आर्य ने पीएम मोदी को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं।

- बीजेपी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष लाल सिंह आर्य ने पीएम मोदी को जन्मदिन की बधाई देते हुए कहा कि वह एक ऐसे प्रधानमंत्री हैं जो देश में सामाजिक समरसता का मंत्र फूंकते हैं।
- **खड़गे और राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री मोदी को बधाई दी-** कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को उनके 76वें जन्मदिन पर अच्छी सेहत और लंबी उम्र की शुभकामनाएं दीं।
- **राजनाथ सिंह ने पीएम मोदी को उनके जन्मदिन की शुभकामनाएं दी-** रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पीएम मोदी को उनके जन्मदिवस की शुभकामनाएं दी। उन्होंने एक्स पर लिखा, मोदी जी के नेतृत्व में भारत 'विकसित भारत' के लक्ष्य की ओर पूरे आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रहा है।
- **अमित शाह ने पीएम को जन्मदिन की बधाई दी-** केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जन्मदिन की बधाई दी, उनकी 25 साल की जनसेवा की तारीफ की और उनके राजनीतिक सफर को त्याग, देश सेवा और पक्के इरादे की मिसाल बताया।
- **निर्मला सीतारमण ने पीएम मोदी को शुभकामनाएं दीं-** केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को उनके 76वें जन्मदिन पर शुभकामनाएं दीं और कहा कि वह अशांत समय के बीच देश को विकसित भारत की ओर ले जा रहे हैं।
- **बीजेपी चीफ नबीन ने जन्मदिन पर पीएम मोदी की लंबी उम्र की कामना की-** भाजपा अध्यक्ष नितिन नबीन ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जन्मदिन की बधाई देते हुए उनके अच्छे स्वास्थ्य और लंबी उम्र की कामना करते हुए कहा कि उनके मार्गदर्शन में भारत विकास और आत्मनिर्भरता की नई ऊंचाइयों को छू रहा।
- **उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन ने पीएम मोदी के विजन की तारीफ की-**उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को उनके 76वें जन्मदिन पर दिल से बधाई दी। उन्होंने पीएम मोदी के शासन में भारत की आर्थिक मजबूती, गरीबी कम करने और सबको साथ लेकर चलने वाले विकास के कामों पर जोर दिया।
- **केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने जन्मदिन की बधाई दी-**रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को उनके 76वें जन्मदिन पर हार्दिक बधाई दी, और जनसेवा के प्रति उनके अटूट समर्पण को देश के लिए प्रेरणा बताया।

रांची आरएसएस कार्यालय पेट्रोल बम हमला कांड

● ईडी ने शुरू की फंडिंग की जांच, चार राज्यों में छापेमारी

रांची (एजेंसी)। राजधानी रांची के निवारणपुर स्थित आरएसएस कार्यालय पर हुए पेट्रोल बम हमले की जांच अब वित्तीय लेन-देन तक पहुंच गई है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) गुरुवार को इस मामले से जुड़े कथित फंडिंग एंगल की जांच कर रही है। एजेंसी ने दिल्ली, बिहार, झारखंड और कर्नाटक में चार ठिकानों पर एक साथ तलाशी अभियान शुरू किया है। मामले में प्रेडिकेट ऑफेंस एनआईए की ओर से दर्ज किया गया है। जानकारी के अनुसार छापेमारी ईडी की दिल्ली टीम द्वारा की जा रही है।

चार राज्यों में एक साथ तलाशी अभियान- ईडी की कार्रवाई दिल्ली, बिहार, झारखंड और कर्नाटक में चल रही है। एजेंसी की जांच का मुख्य फोकस एनआईए के मामले से जुड़े कथित वित्तीय लेन-देन और मनी ट्रेल पर है।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा

तमिलनाडु में हिंदी पढ़ाने से नहीं रोक सकते

● दिल्ली से अलग-थलग नहीं चेन्नई, राज्य सरकार भाषा पर अपनी सोच बदले

नईदिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को तमिलनाडु सरकार से कहा कि हिंदी को लेकर आपको अपनी सोच बदलने की जरूरत है। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की बेंच ने कहा कि ऐसा नहीं हो सकता कि तमिलनाडु की धरती पर हिंदी नहीं पढ़ाई जाएगी।

कोर्ट ने चेन्नई और दिल्ली को एक-दूसरे से अलग-थलग करने की सोच पर भी सवाल उठाया। कोर्ट ने कहा कि चेन्नई में बैठे लोगों को दिल्ली में बैठे लोगों से अलग नहीं होना चाहिए और न ही दिल्ली को चेन्नई से।

कोर्ट की यह टिप्पणी तमिलनाडु सरकार की एक याचिका पर सुनवाई के दौरान आई। राज्य ने मद्रास हाईकोर्ट के उस फैसले को चुनौती दी है, जिसमें हर जिले में नवोदय विद्यालय शुरू करने का आदेश दिया गया था। राज्य सरकार का कहना है कि नवोदय विद्यालयों की व्यवस्था उसकी शिक्षा और भाषा नीति से मेल नहीं खाती।

नवोदय विद्यालयों की स्थापना को लेकर राज्य और केंद्र में विवाद- पूरा मामला तमिलनाडु में नवोदय विद्यालय खोलने को लेकर है। ये केंद्र सरकार की मदद से चलने वाले आवासीय स्कूल हैं। यहां लड़के और लड़कियां दोनों पढ़ते हैं और छात्रों के रहने की भी व्यवस्था होती है।

यूपीआई पर शुल्क लगा तो बंद हो सकते हैं 2000 रुपये से ऊपर के ऑनलाइन भुगतान

● सीटीआई ने दी आंदोलन की चेतावनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। सरकार द्वारा 2000 रुपये से अधिक के डिजिटल यूपीआई ट्रांजैक्शन पर मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) यानी शुल्क लगाने की संभावनाओं के बीच व्यापारियों और पेट्रोल पंप संचालकों में भारी रोष है। दिल्ली के प्रमुख व्यापारिक संगठन चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (सीटीआई) ने इसका कड़ा विरोध करते हुए चेतावनी दी है कि यदि यह शुल्क थोपा गया तो व्यापारी सड़कों पर उतरकर आंदोलन करेंगे।

पेट्रोल पंप संचालकों की बढ़ेगी मुश्किल

सीटीआई के चेयरमैन बृजेश गोयल ने बताया कि देश के कई पेट्रोल पंप संचालकों ने संगठन से संपर्क कर अपनी चिंता जताई है। संचालकों का कहना है कि अगर 2000 रुपये से ऊपर के यूपीआई पेमेंट पर शुल्क लगता है, तो वे ऑनलाइन भुगतान लेना बंद कर सकते हैं।

हिमाचल-उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर में बर्फबारी

नईदिल्ली/भोपाल/पटना/जयपुर/लखनऊ (एजेंसी)। देश के कई राज्यों में मानसून सक्रिय है। उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश समेत छह राज्यों में गुरुवार को बारिश का अलर्ट है। हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर में सीजन की पहली बर्फबारी हुई।

हिमाचल में गुरुवार सुबह रोहतांग, भरमौर और मनाली के पहाड़ों पर एक से डेढ़ इंच बर्फ गिरी। इन क्षेत्रों में 15 अक्टूबर के आसपास हिमपात होता है, लेकिन इस बार करीब एक महीना पहले बर्फ देखने को मिली है।

जम्मू-कश्मीर के बांदीपोरा जिले की गुरेज घाटी में बर्फबारी हुई है। उत्तराखंड के केदारनाथ, हेमकुंड साहिब और चमोली में भी ओलों के साथ हल्की बर्फ गिरी है।

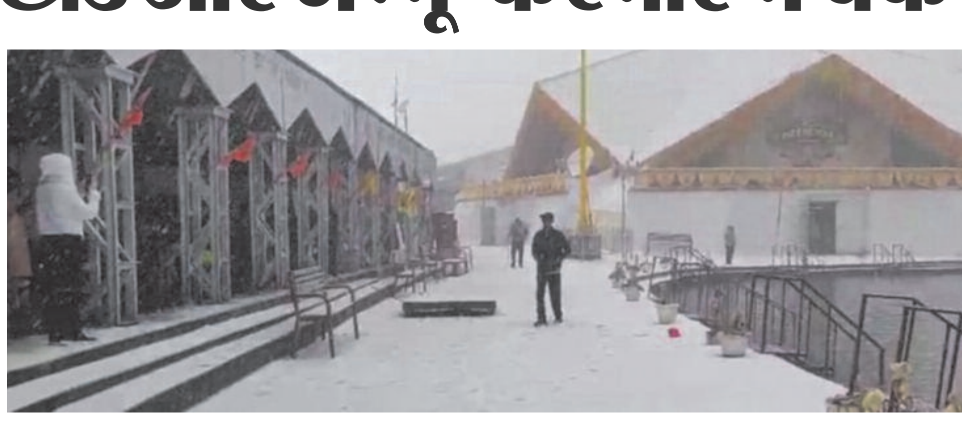

बिहार में बाढ़ से 100 से ज्यादा सड़कें बहीं

देहरादून में गुरुवार सुबह तेज बारिश हुई। पिथौरागढ़ में आदि कैलाश यात्रा मार्ग पर दोबारा लैंडस्लाइड हुई।

बिहार के 15 जिलों में करीब 50 लाख की आबादी अभी भी बाढ़ से प्रभावित है। 26 जिलों में बारिश का यलो अलर्ट है। राज्य में 700 से ज्यादा ग्रामीण सड़कें डूबी थीं, जिनमें 100 से ज्यादा पूरी तरह बह गईं, 400 सड़कें 50 प्रतिशत से ज्यादा टूटीं और 200 क्षतिग्रस्त हैं।

हेमकुंड साहिब में हुई सीजन की पहली बर्फबारी, केदारनाथ धाम में हो रही हल्की बारिश- सिखों के पवित्र धार्मिक स्थल श्री हेमकुंड साहिब में सीजन की पहली बर्फबारी से रौनक लौट आई है. गुरुवार 17 सितंबर सुबह बारिश के साथ हेमकुंड साहिब में ताजा बर्फबारी हुई।

यूसीसी के नाम पर नीतीश को भगवामय करने की तैयारी में राजद !

पटना, एजेंसी।
बिहार की सियासत में फिर यूनिफॉर्म सिविल कोड (यूसीसी) को लेकर सरगर्मी तेज हो गई है। जनता दल (यूनाइटेड) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को लेकर राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने एक बड़ी सियासी चाल चली है। पार्टी के अंदरूनी सूत्रों के अनुसार, आरजेडी यूसीसी के मुद्दे पर नीतीश को लगातार कठघरे में खड़ा कर रही है और उन पर बीजेपी के दबाव में होने का आरोप लगा रही है। आरजेडी का मुख्य मकसद नीतीश के सेक्युलर छवि के आवरण को हटाकर उन्हें राजनीतिक रूप से भगवामय साबित करना है, ताकि मुस्लिम मतदाताओं का पूरी तरह से ध्रुवीकरण उनकी अपनी पार्टी के पक्ष में हो जाएं।

भले ही अभी तक यूसीसी का कोई आधिकारिक ड्राफ्ट सामने नहीं आया है, लेकिन आरजेडी ने मुद्दे पर आक्रामक तेवर अपना लिए हैं। पार्टी नेताओं, जैसे भाई वीरेंद्र के बयानों का लब्बोलुआब यही रहा है कि यदि नीतीश वास्तव में धर्मनिरपेक्ष हैं, तब उन्हें सरकार से समर्थन वापस लेकर राज्य में महागठबंधन की सरकार बनानी चाहिए। आरजेडी अच्छी तरह जानती है कि जेडीयू विधायक दल में टूट की संभावना फिलहाल नहीं है, लेकिन इस बहस के जरिए वे अल्पसंख्यक समुदाय के मन में नीतीश कुमार के प्रति अविश्वास पैदा करना चाहते हैं। बिहार के चुनावी समीकरणों में मुस्लिम वोट बैंक हमेशा से निर्णायक रहा है। बांकीपुर उपचुनाव में तगड़ा झटका खाने के बाद आरजेडी अब किसी भी हाल में वोट बैंक को अपने पाले में एकजुट करना चाहती है। पार्टी यह रणनीतिक खेल खेल रही है कि जितना अधिक वे यूसीसी का विरोध करेगी और नीतीश-बीजेपी गठबंधन पर हमलावार रहेगी, मुस्लिम वोटर उतने ही मजबूती से आरजेडी के साथ गोलबंद हो जाएंगे। आगामी विधान परिषद (एमएलसी) चुनावों और अन्य राजनीतिक भविष्य की लड़ाइयों को ध्यान में रखते हुए आरजेडी का यह कदम उनकी सोची-समझी राजनीतिक प्लानिंग का हिस्सा है, जिससे वे राज्य के सत्ता समीकरण में अपनी स्थिति मजबूत करना चाहते हैं।

पीएम के जन्मदिन पर सीजेपी ने कहा- स्कूल ठीक करो...

नई दिल्ली (एजेंसी)। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी), जो हाल ही में दिल्ली में हुए प्रदर्शनों के बाद से लगातार चर्चा में है, ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के मौके पर एक महत्वपूर्ण प्रतिक्रिया दी है। सीजेपी नेता आशुतोष रांका ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट के माध्यम से जन्मदिन पर दीया जलाने के अभियान पर सवाल उठाया है। रांका ने अपनी पोस्ट में लिखा, बताओ कल देशभर के कॉलेज को सुबह सुबह आशीर्वाद का दीया जलाने के लिए क्यों बोला गया है गाइज? बताओ कल किसका जन्मदिन है गाइज? उनके इस बयान ने सोशल मीडिया पर बहस छेड़ दी है। इस बीच, सीजेपी अपने स्कूल ठीक करो अभियान को भी गति दे रही है। पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने बुधवार को आरोप लगाया कि भारत में आदिवासी स्कूलों को पिछले 80 वर्षों से सरकार की उपेक्षा का सामना करना पड़ा है। इस मुद्दे को उजागर करने के लिए, सीजेपी 17 सितंबर से महाराष्ट्र के गढ़चिरौली से अपने 'आदिवासी स्कूल ठीक करो' अभियान की शुरुआत करेगी।इसका उद्देश्य आदिवासी विद्यार्थियों के सामने आने वाली समस्याओं और भेदभाव की ओर सरकार का ध्यान आकर्षित करना है। यह अभियान सीजेपी के व्यापक स्कूल ठीक करो मुहिम का हिस्सा है, जिसे एक महीने पहले ग्रामीण और शहरी सरकारी स्कूलों की स्थिति सुधारने के लिए शुरू किया गया था। इस पहल के तहत, सीजेपी प्रतिनिधि स्कूलों का दौरा कर बुनियादी सुविधाओं और बुनियादी ढांचे का निरीक्षण करेंगे।

द्वारका एक्सप्रेसवे पर तेज रफ्तार कार ने चार लोगों को कुचला, दो की मौत, दो गंभीर

गुरुग्राम(एजेंसी)। हरियाणा के गुरुग्राम में बुधवार देर रात द्वारका एक्सप्रेसवे पर एक कार ने चार लोगों को कुचल दिया। इस घटना में दो की मौत हो गई, जबकि दो अन्य की हालत गंभीर है। घायलों निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। गुरुग्राम पुलिस ने गुरुवार को बताया कि न्यू पालम विहार में द्वारका एक्सप्रेसवे पर बुधवार रात करीब 2-30 बजे हादसा हुआ। दिल्ली की तरफ से आ रही तेज रफ्तार कार ने एक्सप्रेसवे पर ग्रिल लगा रहे चार लोगों को टक्कर मार दी। घायलों में से दो की मौत हो गई, जबकि दो की हालत गंभीर है। मृतकों की पहचान नहीं हो पाई है। रिपोर्ट के मुताबिक इससे पहले, हरियाणा के करनाल में नेशनल हाईवे पर बसताड़ा टोल प्लाजा के पास सड़क दुर्घटना में पिता-पुत्र की मौत हो गई। सब इंस्पेक्टर ने बताया कि सभी लोग करनाल की तरफ जा रहे थे। ये लोग बाइक पर सवार थे, जिन्हें कार ने टक्कर मार दी। मृतकों की पहचान मोहम्मद अर्श और मोहम्मद जफर के रूप में हुई। मृतकों के एक रिश्तेदार ने बताया कि वह मेरठ के रहने वाले थे। यहां मजदूरी करते थे। उन्होंने बताया कि बेटे की घटनास्थल पर ही मौत हो गई थी, जबकि पिता ने अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। उन्होंने बताया कि ग्रुप में फोटो शेयर हुए थे, जहां से हमने मृतकों की पहचान की, जिस गाड़ी ने टक्कर मारी थी, पुलिस ने उसे जब्त कर लिया। अभी तक इस मामले में किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। पुलिस घटना की जांच कर रही है।

कर्नाटक के भटकल में गणेश विसर्जन जुलूस पर पथराव, मस्जिद-मदरसे को निशाना

भटकल (एजेंसी)। (ईएमएस)। कर्नाटक के भटकल में गणेश विसर्जन जुलूस के दौरान पथराव से इलाके में तनाव फैल गया है। यह घटना तालांद से शुरू हुए जुलूस के रेलवे स्टेशन रोड स्थित इस्माइल सुन्नी जामिया मस्जिद और ताजुल सुन्ना अरबी मदरसे के पास पहुंचने पर हुई। अज्ञात असामाजिक तत्वों पर इन धार्मिक स्थलों पर पत्थर फेंकने का आरोप है। जानकारी के मुताबिक, गुल्मी रेलवे ब्रिज पार करने के बाद जुलूस जैसे ही मस्जिद और मदरसे के करीब पहुंचा, अचानक पथराव शुरू हुआ। इस हमले में मस्जिद और मदरसे की खिड़कियों के शीशे टूट गए, जिससे एक समुदाय में भारी आक्रोश देखा गया। बड़ी संख्या में लोग आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग को लेकर देर रात भटकल टाउन थाने के बाहर जमा होकर जोरदार प्रदर्शन करने लगे। अब्दुल अलीम और शाहुल अमीन गवाई की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज किया है। स्थिति की गंभीरता को देखकर उत्तर कन्नड़ के पुलिस अधीक्षक (एसपी) दीपन स्वयं भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने प्रदर्शनकारियों को शांत करके निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का भरोसा दिया। एसपी दीपन ने लोगों से सहयोग की अपील कर कहा कि पुलिस अपनी जांच जल्द शुरू करेगी और जिसने भी यह गलत काम किया है, उस पर निश्चित रूप से कार्रवाई की जाएगी। कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पूरे भटकल में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज और चश्मदीदों की मदद से पथराव करने वाले आरोपियों की पहचान करने में जुटी है।

लखनऊ में रिकवरी एजेंटों का आतंक ! पिस्टल की नोक पर परिवार से छीनी कार

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में फाइनेंस रिकवरी एजेंटों की दबंगई और गुंडई के मामले थम नहीं रहे हैं। ताजा मामला पीजीआई थाना क्षेत्र का है, जहां बीमार बच्चे का इलाज कराने पहुंचे एक परिवार को अज्ञात रिकवरी एजेंटों ने बीच सड़क पर बंधक बना लिया। पीड़ित जुबैर खान ने आरोप लगाया है कि एजेंटों ने उनकी कमर पर पिस्टल सटाकर परिवार को जबरन गाड़ी से नीचे उतारा और कार लूटकर फरार हो गए। जुबैर खान के मुताबिक, वे अपने बीमार बच्चे को दिखाने अस्पताल गए थे। ओपीडी में समय होने के कारण वे बच्चे को बाहर कुछ खिलाने निकले, तभी कुछ लोगों ने गाड़ी रोककर दो-तीन किश्तें बकाया होने की बात कह दी। पीड़ित द्वारा भाई से फोन पर बात करने के बावजूद आरोपी उन्हें रिसीविंग देने के बहाने आगे ले जाने लगे। जब उन्होंने गाड़ी रोकी, तब करीब 12 अज्ञात लोगों ने उनकी कार को घेरा और पिस्टल की नोक पर धमकाते हुए पत्नी और मासूम बच्चों सहित उन्हें बीच सड़क पर उतार दिया।

आदित्य ठाकरे को 500 करोड़ का मानहानि नोटिस

मुंबई(एजेंसी)। दिशा सालियान के पिता सतीश सालियान ने शिवसेना (यूबीटी) नेता आदित्य ठाकरे और महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री एनसीपी(एसपी) नेता अनिल देशमुख को 500 करोड़ रुपए का मानहानि नोटिस भेजा है। बार एंड बेंच के मुताबिक, नोटिस में दोनों नेताओं से उनके बयानों को वापस लेने, सार्वजनिक रूप से माफी मांगने और 500 करोड़ का हर्जाना देने की मांग की गई है। दोनों को इसके लिए 7 दिन का समय दिया गया है। आदित्य ठाकरे ने जांच में उनका नाम आने पर कहा था कि ये राजनीति से प्रेरित है। वहीं, अनिल देशमुख ने कहा था कि आदित्य को बदनाम किया जा रहा है।

मनोज जरांगे ने खत्म की भूख हड़ताल, दिया 90 दिन का अल्टीमेटम

मुंबई, एजेंसी।
महाराष्ट्र के बीड जिले में चल रहा मराठा आरक्षण आंदोलन, जो पिछले 20 दिनों से मनोज जरांगे पाटिल की भूख हड़ताल के चलते चर्चा में था, अब एक नए मोड़ पर आ गया है। मंत्रियों और अधिकारियों से मुलाकात के बाद मनोज जरांगे पाटिल ने अपनी भूख हड़ताल समाप्त कर दी है। उन्होंने सरकार को अपनी मांगों पर कार्रवाई के लिए 90 दिनों का स्पष्ट अल्टीमेटम दिया है, जिसके बाद मराठा समुदाय द्वारा प्रस्तावित मुंबई मार्च को भी फिलहाल के लिए टाल दिया गया है। डॉक्टरों ने जरांगे पाटिल की बिगड़ती सेहत पर चिंता जताई थी और कहा था कि अगर जल्द इलाज नहीं हुआ तो स्थिति गंभीर हो सकती है। इसी बीच, बीजेपी विधायक प्रसाद लाड मुंबई से अहिल्यानगर के लिए रवाना हुए और मंत्री राधाकृष्ण विखे पाटिल के साथ पाटोदा पहुंचे, जहां यह महत्वपूर्ण बैठक हुई। इस बैठक में मंत्री राधाकृष्ण विखे पाटिल, मंत्री दादा भुसे, विधायक प्रसाद लाड, विधायक सुरेश धस और बीड के जिला कलेक्टर सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए जरांगे पाटिल ने अपनी प्रमुख मांगें दोहराईं। उन्होंने कहा कि शिंदे समिति द्वारा खोजे गए 58 लाख रिकॉर्ड में एक भी रिकॉर्ड कम नहीं होना चाहिए। उन्होंने इन रिकॉर्डों के आधार पर प्रमाणपत्र और उनकी वैधता देने के लिए एक लिखित गारंटी और समयबद्ध कार्यक्रम की मांग की। जरांगे पाटिल ने यह भी कहा कि वे रिकॉर्ड खोजने के काम में अपने लोगों को भी लगाने के लिए तैयार हैं, और आरोप लगाया कि शिंदे समिति तथा सरकार इस मामले पर ठीक से ध्यान नहीं दे रही हैं। सरकार की ओर से भी कई आश्वासन दिए गए। मंत्री राधाकृष्ण विखे पाटिल ने कहा कि सातारा, कोल्हापुर, पुणे और औंध के गजट से संबंधित रिपोर्टों के आधार पर तीन महीने में जीआर (सरकारी प्रस्ताव) जारी कर लागू किया जाएगा। इसके अलावा, हैदराबाद गजट के आधार पर कुनबी प्रमाणपत्र जारी करने के लिए एक संशोधित जीआर लाने और इन प्रमाणपत्रों को वैधता देने की प्रक्रिया जारी रखने का आश्वासन दिया गया। सरकार ने यह भी सुनिश्चित किया कि शिंदे समिति को मिले 58 लाख रिकॉर्ड कम नहीं किए जाएंगे। साथ ही, मराठवाड़ा के चार जनप्रतिनिधियों के रद्द किए गए कुनबी प्रमाणपत्रों को वैध करने की बात भी कही गई।

महाराष्ट्र के आदिवासी छात्रावासों में यौन शोषण का आरोप

छात्राओं ने प्रेग्नेंसी टेस्ट की भी शिकायत की

नागपुर, एजेंसी।
महाराष्ट्र के नागपुर में कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने आदिवासी छात्र-छात्राओं से बातचीत की। इस दौरान छात्राओं ने आदिवासी छात्रावासों से जुड़ी कई गंभीर परेशानियां बताईं, जिसमें यौन शोषण की शिकायतें भी शामिल हैं। छात्राओं ने कई मामलों में जबरन प्रेग्नेंसी टेस्ट कराए जाने का भी आरोप लगाया है। अभिजीत दीपके 17 सितंबर से आदिवासी स्कूलों का दौरा करने की एक नई मुहिम शुरू कर रहे हैं। इसी क्रम में उन्होंने बुधवार को आदिवासी छात्राओं से भी बात की, जिन्होंने खुलकर अपनी परेशानियां बताईं। कई छात्राओं ने बताया कि अधिकांश आदिवासी आश्रम स्कूलों में बच्चियों के साथ यौन शोषण हो रहा है।
दीपके के साथ बुधवार को हुई बातचीत में विदर्भ और मराठवाड़ा जिलों की कई छात्राएं शामिल हुईं थीं। छात्राओं ने आरोप लगाया कि मुख्य आरोपियों को बचाने के लिए आदिवासी समुदाय के बच्चों को आरोपी बना दिया जा रहा है। साथ ही उन्होंने सरकारी आदिवासी स्कूलों में सुविधाओं की कमी भी बताई। इस दौरान एक छात्रा ने खासतौर पर भंडारा के हॉस्टल का जिक्र किया, जहां 15 लड़कियों को एक ही कमरे में रखा जाता है। कई छात्राओं ने यह भी आरोप लगाया कि आश्रम स्कूलों में बच्चियों को जबरन प्रेग्नेंसी टेस्ट से गुजरना पड़ता है। इसके अलावा, वॉशरूम के इस्तेमाल और स्कॉलरशिप सहित अन्य परेशानियां भी गिनाईं। नागपुर स्थित आदिवासी विकास भवन में कई छात्र विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। दीपके ने आदिवासी छात्रों के आंदोलन को समर्थन देने का ऐलान किया है और कहा है कि वह राज्य सरकार के खिलाफ प्रदर्शन में उतरेंगे। उन्होंने बच्चों को अपनी परेशानियों की जानकारी फैलाने और इसके लिए व्हाट्सऐप ग्रुप बनाने की सलाह दी। दीपके ने बुधवार को आदिवासी स्कूल ठीक करो अभियान की 17 सितंबर से शुरुआत का ऐलान किया है। इससे पहले उनकी पार्टी स्कूल ठीक करो अभियान चला रही थी। उन्होंने कहा कि पिछले 80 वर्षों में सभी सरकारों ने देशभर के आदिवासी क्षेत्रों के स्कूलों की उपेक्षा की है। इसलिए वे महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले से इस अभियान को शुरू कर रहे हैं। दीपके ने सरकारों पर आदिवासी छात्रों की अनदेखी का आरोप लगाते हुए कहा कि राजनीतिक दल अपने

मुख्यालयों पर करोड़ों खर्च करते हैं, लेकिन आदिवासी आवासीय विद्यालयों के लिए धन नहीं है, जो अक्सर किराये की इमारतों से चलते हैं। उन्होंने सरकार से आदिवासी समुदाय को प्राथमिकता देने की अपील की, क्योंकि केवल जीडीपी वृद्धि या अर्थव्यवस्था के आकार की बात करना पर्याप्त नहीं है।

नवोदय विद्यालयों की स्थापना को लेकर विवाद, सुप्रीम कोर्ट बोला-हिंदी को लेकर सोच बदलनी होगी

नई दिल्ली(एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को तमिलनाडु सरकार से कहा कि हिंदी को लेकर आपको अपनी सोच बदलने की जरूरत है। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की बेंच ने कहा कि ऐसा नहीं हो सकता कि तमिलनाडु की धरती पर हिंदी नहीं पढ़ाई जाएगी। कोर्ट ने सुनवाई के दौरान चेन्नई और दिल्ली को एक-दूसरे से अलग-थलग करने की सोच पर भी सवाल उठाया। कोर्ट ने कहा कि चेन्नई में बैठे लोगों को दिल्ली में बैठे लोगों से अलग नहीं होना चाहिए और न ही दिल्ली को चेन्नई से। पूरा मामला तमिलनाडु में नवोदय विद्यालय खोलने को लेकर है। ये केंद्र सरकार की मदद से चलने वाले स्कूल हैं। यहां लडक़े और लड़कियां दोनों पढ़ते हैं और छात्रों के रहने की भी व्यवस्था होती है। इन स्कूलों को नवोदय विद्यालय समिति चलाती है। यह केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के तहत काम करती है। रा'य सरकार इन स्कूलों को खोलने का विरोध करती रही है। इसकी मुख्य वजह स्कूलों में पढ़ाई जाने वाली भाषाएं हैं। नवोदय विद्यालयों में तीन भाषाएं पढ़ाई जाती हैं। इनमें हिंदी भी शामिल है।

हमें अमेरिकन पुलिस की तरह काम करना होगा: किरण बेदी

गुरुग्राम हिट-एंड-रन जैसे मामलों पर पूर्व आईपीएस की राय

नई दिल्ली, एजेंसी।
गुरुग्राम में हुए हालिया हिट-एंड-रन मामले पर अपनी राय रखते हुए पूर्व आईपीएस अधिकारी किरण बेदी ने कहा है कि ऐसे लोगों के मन में डर पैदा करना बेहद ज़रूरी है। उनका मानना है कि जब लोग गाड़ी चलाते समय लापरवाही या जानबूझकर ऐसी खतरनाक हरकतें करते हैं, तो उन्हें इसके गंभीर नतीजों से डरना चाहिए, जैसे गाड़ी और लाइसेंस छिन जाना, हथकड़ी लगना, जेल जाना, सज़ा भुगतना, भारी जुर्माना भरना और सबके सामने बेइज़्ज़ती होना। यह घटना साफ तौर पर दिखाती है कि आरोपी आदमी एक महिला को अपने साथ तेज रफ्तार में चलते हुए बर्दाश्त नहीं कर सका। उसे यह बात पसंद नहीं आई कि एक महिला उसके साथ बराबरी कर रही है, और अपना दबदबा दिखाने के लिए उसने महिला का रास्ता काटा। अगर लड़की की मोटरसाइकिल पर कैमरा नहीं होता, तो शायद हमें इस घटना के बारे में कभी पता ही नहीं चलता।

किरण बेदी ने इस बात पर ज़ोर दिया कि ऐसी हरकतें होती रही हैं और होती रहेंगी, जब तक कि हम डर को नहीं बढ़ाते। उन्होंने कहा कि इन लोगों में डर की कमी है, और हमें यह डर पैदा करना पड़ेगा। लेकिन सवाल यह है कि डर पैदा कैसे करें? बेदी के अनुसार, हमें ऐसे लोगों को पकड़ने की संभावनाओं को बढ़ाना होगा, जिसका मतलब है कि अब हमें तकनीक का अधिक से अधिक उपयोग करना पड़ेगा। जैसे आजकल कैमरे हमें अपराधों को सुलझाने में मदद कर रहे हैं। अभी सामान्य अपराध के लिए ट्रैफिक पुलिस कैमरे का उपयोग कर रही है, नंबर नोट करती है और घर पर ई-चालान आ रहा है। लोगों को डर हो रहा है कि कैमरा पकड़ लेगा। हाईवे पर स्पीड की समस्या है, हमें यहां भी कैमरे लगाने होंगे। किरण बेदी ने बताया कि अमेरिकन पुलिस यही करती है; उनके पास इंटरसेप्टर्स होते हैं जो पीछे से आते हैं और पता भी नहीं चलता। वे तुरंत हथकड़ी लगाते हैं ताकि अपराधी कोई हरकत न कर पाए। उसके बाद उसकी गाड़ी, उसकी चाबी, उसका लाइसेंस सब ले जाते हैं। फिर पूछते हैं कि अब बताओ, तुम कैसे कर रहे हो ये हरकत? उन्होंने कहा कि जब तक हम डर नहीं बढ़ाएंगे, ऐसी हरकतें होती रहेंगी। ये डरे हुए नहीं हैं, इसीलिए तो अपनी मनमर्जी करते हैं। गुरुग्राम वाले मामले में एक बात तो साफ है कि वह आदमी औरत को बर्दाश्त नहीं कर सका। उसे पसंद नहीं आया कि एक औरत उसके साथ बराबरी करे, उसे लगा मैं आदमी हूं, तू कौन है। यहां मानसिकता वाली बात है। उसे लगा कि एक औरत कैसे उसकी बराबरी कर सकती है।

विश्वकर्मा दिवस पर पुलिस लाइन में विधि-विधान से अस्त्र-शस्त्र और उपकरणों की पूजा

हरिद्वार (शिखर समाचार)। भगवान विश्वकर्मा जयंती के अवसर पर बुधवार को पुलिस लाइन रोशनाबाद स्थित क्वार्टर गार्द में पुलिस परिवार एकत्रित हुआ। यहां पुलिस अधीक्षक अपराध एवं यातायात निशा यादव ने जनपद के अन्य पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ विधि-विधान एवं मंत्रोच्चार के बीच भगवान विश्वकर्मा की पूजा-अर्चना की। इस दौरान पुलिस विभाग में उपयोग किए जाने वाले अस्त्र-शस्त्र, औजार, मशीनों, उपकरणों और अन्य सामान की भी विधिवत पूजा की गई। पूजा के बाद अधिकारियों ने जनपद में सुख, शांति और समृद्धि की मंगलकामना की।
कार्यक्रम में क्षेत्राधिकारी सदर/लाइन एसपी बलूनी, क्षेत्राधिकारी ज्वालापुर संजय चौहान, क्षेत्राधिकारी यातायात विपेंद्र सिंह, प्रतिसार निरीक्षक प्रवीण

आलोक सहित अन्य पुलिस अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे। पुलिस अधिकारियों ने भगवान विश्वकर्मा के महत्व को स्मरण करते हुए विभागीय कार्यों में उपयोग होने वाले उपकरणों की देखभाल और रखरखाव पर भी ध्यान देने का संदेश दिया।
विश्वकर्मा दिवस के अवसर पर पुलिस लाइन के साथ-साथ जनपद के सभी थाना कार्यालयों में भी धार्मिक अनुष्ठान आयोजित किए गए। संबंधित पुलिसकर्मियों ने भगवान विश्वकर्मा की पूजा-अर्चना कर अस्त्र-शस्त्र, औजार और विभिन्न उपकरणों के प्रति श्रद्धा व्यक्त की। पुलिस कर्मियों ने पूजा-अर्चना के दौरान जनपद में शांति व्यवस्था बनाए रखने तथा सभी के सुख-समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर पुलिस परिवार में धार्मिक एवं भक्तिमय वातावरण बना रहा।

भतीजे-समधी को पार्टी से निकालने के बाद परिवारवाद को लेकर मायावती कंफ्यूज?

-पहले भतीजे को बसपा में सेट करने में लगी रहीं, अब भतीजी की कराना चाहती हैं एंट्री

नई दिल्ली,, एजेंसी।
बहुजन समाज पार्टी की सुप्रीमो मायावती ने भतीजे आकाश आनंद और समधी अशोक सिद्धार्थ को पार्टी से निकालने के बाद राजनीति में परिवारवाद पर बड़े दावे किए हैं। उन्होंने पिछले सप्ताह सोशल मीडिया पर दावा किया कि वह बसपा संस्थापक कांशीराम की तरह परिवारवाद के खिलाफ हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि वह कांशीराम की शिष्या होने के नाते परिवारवाद पर उनकी तरह ही डंटी हुई हैं।
गौरतलब है कि 2024 के लोकसभा चुनाव से कुछ महीने पहले मायावती ने भतीजे आकाश आनंद को बीएसपी में लेकर आईं। आकाश को पार्टी में नेशनल कोऑर्डिनेटर बनाया गया। इसके साथ ही पार्टी को मैसेज चला गया कि मायावती बसपा की कमान आकाश आनंद को ही सौंपेंगी। हालांकि उन्हें लोकसभा चुनाव में ही पार्टी की बड़ी जिम्मेदारियों से हटा दिया गया। 2026 अगस्त में एक बार फिर से यूपी विधानसभा चुनाव को देखते हुए आकाश आनंद को लॉन्च किया गया, लेकिन उनकी दो रैलियों के बाद ही उन्हें पार्टी से पूरी तरह बाहर कर दिया गया। इससे मैसेज मिलता है कि मायावती अपने भतीजे आकाश को पार्टी में सेट करने का प्रयास करती रहीं, लेकिन अब जब वह उन्हें बाहर कर चुकी हैं, तो पार्टी में परिवारवाद नहीं होने की बात कह रही हैं।
मायावती एक तरफ जहां कहा है कि उनके छोटे भाई आनंद कुमार के दोनों बेटों आकाश आनंद और ईशान आनंद को अब बीएसपी में कोई भी पद नहीं दिया जाएगा। वहीं दूसरी तरफ मायावती यह भी कह रही हैं कि आनंद कुमार चाहे तो अपनी इकलौती बेटी कुमारी दीपिका आनंद को पार्टी में जिम्मेवारी सौंप सकते हैं। हालांकि वह यह भी कह रही हैं कि लॉ की पढ़ाई कर रहीं दीपिका की ईमानदारी की परख की जाएगी।
मायावती खुद के महिला होने की बात को आगे कर परिवारवाद पर रियायत मांग रही हैं। कह रही हैं कि उन्होंने शादी नहीं की इसलिए उन्होंने अपने छोटे भाई आनंद कुमार को अपने साथ रखा, जो कि उनकी देखभाल के साथ पार्टी का भी काम देखते हैं। अब सवाल यह उठता है कि जब मायावती जैसी ताकतवर नेता खुद स्वीकार कर रही हैं तो सवाल यह है कि वह फिर किस हैसियत से नारियों को आत्मनिर्भर बनने का संदेश दे पाएंगी। एक सवाल यह भी उठता है कि अगर मायावती परिवारवाद के खिलाफ रहीं तो उन्होंने भतीजे आकाश आनंद की शादी के लिए पार्टी के सांसद अशोक सिद्धार्थ की बेटी को क्यों चुना।
हाल ही में यूपी बसपा के इकलौते विधायक उमाशंकर सिंह का असामयिक निधन हो गया था। उनके अंतिम दर्शन करने पहुंची मायावती ने कहा था कि उनके इकलौते बेटे को राजनीति में लॉन्च करेंगी। इसके बाद लखनऊ में हुई बैठक में उमाशंकर सिंह के बेटे प्रिंस युकेश अग्रिम पंक्ति में बैठे दिखे। अब सवाल उठता है कि जब मायावती पार्टी में किसी भी स्तर पर परिवारवाद के खिलाफ हैं तो भला वह प्रिंस युकेश को किस हैसियत से चुनाव में टिकट देने का मन बना रही हैं, जबकि युकेश अब तक किसी भी राजनीतिक कार्यों में खास सक्रिय नहीं रहे हैं।

परिवारवाद को लेकर मायावती के इन फैसलों को देखने के बाद कई तरह के सवाल उठ रहे हैं, जो मायावती पिछले दो साल से भतीजे को पार्टी की कमान सौंपने की पूरी प्लानिंग कर रही थीं, उन्हें अचानक से कांशीराम के सिद्धांत कहां से याद आ गए। अगर वाकई वह परिवारवाद के खिलाफ हैं तो उनके भाई आनंद कुमार अभी भी पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष कैसे हैं। इसके अलावा मायावती की भतीजी कुमारी दीपिका को पार्टी में अभी से लाने की इजाजत अभी से क्यों दे रहे हैं।

70 स्थानों पर 51 हजार दीपों से जगमगाया गाजियाबाद, सेवा संकल्प अभियान का भव्य शुभारंभ

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। प्रधानमंत्री के जन्मदिवस के अवसर पर गाजियाबाद नगर निगम ने सेवा संकल्प अभियान की शुरूआत भव्य दीपोत्सव के साथ की। महापौर सुनीता दयाल तथा नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक के निर्देशन में 17 सितंबर से शुरू हुए अभियान के अंतर्गत शहर के 70 प्रमुख स्थानों पर एक साथ 51 हजार दीप प्रज्वलित किए गए। दीपों की रोशनी से शहर में दीपावली जैसा वातावरण दिखाई दिया। कार्यक्रम में नगर निगम के अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और पार्षदों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

आशीर्वाद का दिया कार्यक्रम में दिया स्वच्छता का संदेश

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आयोजित सेवा दिवस 'आशीर्वाद का दिया' कार्यक्रम के माध्यम से शहरवासियों को स्वच्छता, जनसेवा और सामाजिक सहभागिता का संदेश दिया गया। नगर निगम के स्वास्थ्य विभाग द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में विशेष सफाई अभियान चलाया गया। इसके साथ ही उद्यान, प्रकाश और निर्माण विभागों ने भी अभियान को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। शहर के प्रमुख स्थानों पर विशेष सजावट की गई तथा रंग-बिरंगी रोशनी से वातावरण को आकर्षक बनाया गया।

17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक होंगे विभिन्न कार्यक्रम

नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने बताया कि सेवा संकल्प अभियान 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चलेगा। अभियान के दौरान स्वच्छता और जनजागरूकता से जुड़े विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। नगर निगम द्वारा आगामी 12 कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की गई है। अभियान का उद्देश्य स्वच्छता के प्रति जन-जन को जागरूक करने के साथ ही शहरवासियों की सहभागिता बढ़ाना है। महापौर सुनीता दयाल ने दीपोत्सव के अवसर पर शहरवासियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सेवा दिवस का आयोजन लोगों को दीपावली जैसा सुखद अनुभव प्रदान कर रहा है। नगर निगम द्वारा अभियान को महोत्सव के रूप में आयोजित करते हुए स्वच्छ और सुंदर गाजियाबाद के लिए जनभागीदारी को बढ़ावा दिया जा रहा है।

बिजनौर रेलवे स्टेशन पर 2500 दीपों से जगमगाया परिसर, सेवा संकल्प अभियान का भव्य शुभारंभ

बिजनौर (शिखर समाचार)। जनसेवा से राष्ट्रसेवा के 25 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस पर 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत बिजनौर रेलवे स्टेशन परिसर में भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान नगर पालिका परिषद और जिला प्रशासन की ओर से रेलवे स्टेशन परिसर में ढाई हजार दीपक जलाए गए। दीपों की रोशनी से पूरा परिसर जगमगा उठा और कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने सेवा कार्यों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ बिजनौर की उप जिलाधिकारी स्मृति मिश्रा और नगर पालिका परिषद के अधिशासी अधिकारी रामपाल सिंह यादव ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। तहसीलदार आकाश सक्सेना भी कार्यक्रम में प्रमुख रूप से मौजूद रहे। दीप प्रज्वलन के बाद स्टेशन परिसर में ढाई हजार दीप जलाए गए, जिससे वहां आकर्षक और उत्सवपूर्ण वातावरण बन गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में भाजपा कार्यकताओं की बड़ी संख्या में सहभागिता रही। नगर पालिका परिषद के अधिकांश सभासदों और पार्टी कार्यकताओं ने कार्यक्रम में भाग लिया। इस दौरान सेवा, सामाजिक सहभागिता और जनकल्याण के कार्यों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया गया। जिले में प्रधानमंत्री के जन्मदिवस के अवसर पर सुबह से ही विभिन्न सामाजिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। नगर के कई स्थानों पर बच्चों को फल और मिठाइयां वितरित की गईं तथा उनके उत्तम स्वास्थ्य और दीघार्यु की कामना की गई। सेवा संकल्प अभियान को लेकर प्रशासन, समाजसेवियों और कार्यकताओं में उत्साह दिखाई दिया।

मौनी महादेव मंदिर में भक्तिमय वातावरण के बीच मूर्तियों की प्राण प्रतिष्ठा

नगीना/बिजनौर (शिखर समाचार)। प्राचीन सिद्धपीठ मौनी महादेव मंदिर में बृहस्पतिवार को भक्तिमय वातावरण और श्रद्धालुओं की प्रगाढ़ आस्था के बीच धार्मिक अनुष्ठान आयोजित किया गया। हवन-पूजन और वैदिक मंत्रोच्चार के साथ भगवान खाटू श्याम, राम दरबार तथा लक्ष्मी नारायण की मूर्तियों की विधि-विधान से प्राण प्रतिष्ठा संपन्न हुई। इस दौरान मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भीड़ रही और पूरा वातावरण भक्ति में डूबा नजर आया। पुजारी पंडित पवन कुमार शर्मा ने यजमान बने तीन दंपत्तियों के साथ विधि-विधान से पूजा-अर्चना और हवन-यज्ञ कराया। प्राण प्रतिष्ठा से पूर्व मूर्तियों का शाही जल स्नान, चरणामृत स्नान, अन्न स्नान, फल स्नान, पुष्प स्नान और घृत स्नान कराया गया। इसके बाद पंचामृत से जलाभिषेक कर वैदिक मंत्रोच्चार के बीच मूर्तियों की प्राण प्रतिष्ठा की गई। सर्वप्रथम लक्ष्मी नारायण, इसके बाद राम दरबार तथा हारे के सहारे खाटू श्याम की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा संपन्न हुई। धार्मिक अनुष्ठान में यजमान गौरव अग्रवाल और उनकी पत्नी कीर्ति अग्रवाल तथा पुत्र एकांश अग्रवाल, आशीष जैन और उनकी पत्नी सहित मंदिर समिति से जुड़े लक्ष्मण सैनी, अजय कुमार, रोहन भारद्वाज, अपील जैन, राजेंद्र सैनी, मनोज सैनी, मनोज जैन, अरुण कुमार वर्मा और जितेंद्र सैनी ने विशेष पूजा-अर्चना में भाग लिया। प्राण प्रतिष्ठा के बाद विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें सैकड़ों महिला-पुरुषों, बच्चों और श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। मंदिर समिति के कार्यकताओं ने आयोजन की व्यवस्थाओं में सहयोग किया।

सेवा संकल्प अभियान के तहत रक्तदान शिविर में 135 रक्तदाताओं ने किया रक्तदान

शाहपुर/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस 17 सितंबर के अवसर पर आयोजित सेवा संकल्प अभियान के तहत भाजपा मंडल चिकित्सा प्रकोष्ठ शाहपुर के संयोजक डॉ. गौरव सैनी की ओर से गौरव अस्पताल में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ भाजपा के क्षेत्रीय महामंत्री रुपेंद्र सैनी और पूर्व विधायक उमेश मलिक ने फीता काटकर किया। शिविर में 135 रक्तदाताओं ने उत्साहपूर्वक रक्तदान किया। इस अवसर पर रुपेंद्र सैनी ने कहा कि रक्तदान को महादान माना जाता है। रक्तदान के माध्यम से जरूरतमंद मरीजों की जान बचाने में महत्वपूर्ण मदद मिलती है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर रक्तदान शिविर आयोजित करने के लिए आयोजकों की सराहना की और रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन किया। शिविर में पूर्व चेयरमैन राजेश सिंघल, परमेश सैनी, अमित त्यागी, कुलदीप त्यागी, अरविंद पाल, डॉ. प्रदीप चौहान, मंडल अध्यक्ष डॉ. मुनीश त्यागी, मंडल महामंत्री नीटू सैनी और अमित पाल सहित अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे। शिविर के आयोजक गौरव अस्पताल के प्रबंध निदेशक डॉ. तेजपाल सैनी और डॉ. गौरव सैनी ने अतिथियों एवं रक्तदाताओं का आभार व्यक्त किया। आयोजन को सफल बनाने में नवीन राणा, मनोज सिंघल, नंदकिशोर सैनी, दीपक पंघाल, कुलदीप कश्यप, जोनी सैनी, नीरज सैनी सहित अन्य कार्यकताओं ने सहयोग किया। शिविर के दौरान रक्तदाताओं में उत्साह दिखाई दिया और आयोजकों ने सेवा भावना के साथ अधिक से अधिक लोगों को रक्तदान के लिए प्रेरित करने का संदेश दिया।

जिला अस्पताल में ब्लड बैंक का शुभारंभ, रक्तदान शिविर में बढ़-चढ़कर पहुंचे रक्तदाता

शामली (शिखर समाचार)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर सेवा संकल्प अभियान के तहत बुधवार को जिला संयुक्त चिकित्सालय शामली में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। विधान परिषद सदस्य मोहित बेनीवाल और सदर विधायक प्रसन्न चौधरी ने फीता काटकर ब्लड बैंक का शुभारंभ किया। इसके बाद दोनों ने रक्तदान शिविर में पहुंचकर रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन किया तथा अस्पताल में भर्ती मरीजों को फल वितरित कर उनका हालचाल जाना।

इस अवसर पर मोहित बेनीवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री का जन्मदिवस सेवा, समर्पण और जनकल्याण की भावना के साथ मनाया जा रहा है। ब्लड बैंक का शुभारंभ जिले की स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि रक्तदान महादान है और एक यूनिट रक्त जरूरतमंद व्यक्ति का जीवन बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

सदर विधायक प्रसन्न चौधरी ने कहा कि जिला अस्पताल में ब्लड बैंक की सुविधा शुरू होने से जनपद के मरीजों को लाभ मिलेगा। आपात स्थिति में जरूरतमंद मरीजों को रक्त उपलब्ध कराने में यह सुविधा सहायक होगी। उन्होंने कहा कि रक्तदान शिविर और मरीजों को फल वितरण जैसे कार्यक्रम सेवा तथा मानवता की भावना को मजबूत करते हैं। मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. मनोज कुमार अखौरी ने ब्लड बैंक के शुभारंभ को जिले की स्वास्थ्य सेवाओं के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि ब्लड बैंक के माध्यम से जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध कराने में सुविधा होगी। उन्होंने लोगों से स्वैच्छिक रक्तदान के लिए आगे आने की अपील की।

कार्यक्रम में डॉ. सचिन मलिक, डॉ. रामनिवास, डॉ. राघव अग्रवाल, डॉ. लविश, उद्यमी अंकित गोयल, मोहम्मद नाजिम बाबू, अनुराग शर्मा, शिवम कुमार, संजीव शर्मा, मनोज वर्मा सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

शिक्षा और सुसंस्कार के मार्ग से ही विश्वकर्मा समाज पहुंचेगा उन्नति के शिखर पर: सत्यपाल धीमान

रामपुर मनिहारान/सहारनपुर (शिखर समाचार)। श्री विश्वकर्मा समाज सुधार ट्रस्ट की ओर से शिल्प और विज्ञान के जनक भगवान विश्वकर्मा का अवतरण दिवस धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर आयोजित विचार गोष्ठी को संबोधित करते हुए सत्यपाल धीमान ने कहा कि भगवान विश्वकर्मा ने पूरे विश्व को शिल्पकला और विज्ञान के ज्ञान से आलोकित किया। मानवता के प्रति उनके योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। उन्होंने कहा कि विश्वकर्मा समाज के युवाओं को शिक्षा और सुसंस्कार का मार्ग अपनाकर समाज को उन्नति के शिखर पर पहुंचाने में योगदान देना चाहिए।

विचार गोष्ठी की अध्यक्षता मांगे राम पांचाल ने की, जबकि संचालन ट्रस्ट मंडल अध्यक्ष राजू पांचाल ने किया। कार्यक्रम का शुभारंभ मांगे राम पांचाल, नगर पंचायत चेयरमैन प्रतिनिधि कुलदीप बालियान, रविन्द्र

चौधरी, डॉ. बलबीर सिंह सैनी और वार्ड सभासद अमित सैनी छोटू ने संयुक्त रूप से भगवान विश्वकर्मा के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। गोष्ठी में पूर्व नगर पंचायत चेयरमैन प्रदीप चौधरी, नरेंद्र धीमान और कुलबीर सैनी ने भी विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम के दौरान भगवान विश्वकर्मा के जीवन और उनके योगदान पर आधारित गीत, भजन सहित विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। इसके बाद आयोजक संस्था की ओर से विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

विश्वकर्मा जयंती समारोह में ट्रस्ट के उपाध्यक्ष हिमांशु धीमान, महामंत्री रवि धीमान, इशू धीमान, विनोद प्रजापति, डॉ. प्रवेश धीमान, महेंद्र पांचाल, नाथी राम पांचाल, गौरव धीमान, मोहित पांचाल, गौतम पंवार, पंकज धीमान, शिवकुमार धीमान, वेद प्रकाश धीमान, देवांश पांचाल और कुशल पांचाल सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

डीएम की जनसुनवाई में उमड़ा शिकायतों का सैलाब, अवैध कब्जे और जमीन के विवादों ने बढ़ाई चिंता

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। कलेक्ट्रेट में गुरुवार को आयोजित जिलाधिकारी की जनसुनवाई में बड़ी संख्या में नागरिक अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे। भूमि एवं संपत्ति पर अवैध कब्जे, राजस्व विवाद, जमीन संबंधी धोखाधड़ी और अवैध अतिक्रमण की शिकायतों ने प्रशासन का ध्यान खींचा। इसके अलावा पेंशन, राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड और विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने से जुड़ी समस्याएं भी नागरिकों ने जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मॉंदड़ के समक्ष रखीं।

जिलाधिकारी ने अपने कार्यालय कक्ष में प्रत्येक शिकायतकर्ता की समस्या को गंभीरता और संवेदनशीलता से सुना तथा संबंधित अधिकारियों को प्रकरणों का नियमानुसार परीक्षण कर निर्धारित समयावधि में गुणवत्तापूर्ण एवं प्रभावी निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि शिकायतों के समाधान में अनावश्यक देरी नहीं होनी चाहिए

और पात्र लोगों को सरकारी योजनाओं का लाभ प्राथमिकता के आधार पर दिलाया जाए।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संबंधित अधिकारियों को निर्देश देते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए प्रभावी जनजागरूकता अभियान चलाया जाए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि किसी व्यक्ति द्वारा एक योजना के लिए आवेदन किए जाने पर यह भी देखा जाए कि वह अन्य योजनाओं के लिए पात्र है अथवा नहीं। पात्रता होने पर उसे संबंधित योजनाओं की जानकारी देकर उनका लाभ दिलाना सुनिश्चित किया जाए। जनसुनवाई में अपर जिलाधिकारी भूमि एवं अध्याप्ति, अपर जिलाधिकारी नगर, अपर जिलाधिकारी प्रशासन, सिटी मजिस्ट्रेट सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

सेवा संकल्प अभियान के तहत थानाभवन में रक्तदान शिविर आयोजित

थानाभवन/शामली (शिखर समाचार)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 76वें जन्मदिवस के अवसर पर सेवा संकल्प अभियान के तहत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र थानाभवन में स्वास्थ्य विभाग और भाजपा युवा मोर्चा के संयुक्त तत्वावधान में रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। शिविर का शुभारंभ भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री सुरेश राणा ने किया। उन्होंने रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन करते हुए रक्तदान को जनकल्याण से जुड़ा महत्वपूर्ण कार्य बताया। सुरेश राणा ने कहा कि रक्तदान महादान है। एक व्यक्ति द्वारा किया गया रक्तदान किसी जरूरतमंद के जीवन को बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस को सेवा और जनकल्याण के संकल्प के रूप में मनाया जा रहा है। इसी क्रम में भाजपा कार्यकताओं की ओर से विभिन्न सेवा गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं और रक्तदान शिविर भी इसी सेवा भावना की महत्वपूर्ण कड़ी है। उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता केवल राजनीतिक गतिविधियों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि जरूरतमंद लोगों की सहायता के लिए भी निरंतर कार्य करते हैं। उन्होंने युवाओं से रक्तदान जैसे सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आह्वान किया। शिविर में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने रक्तदाताओं का पंजीकरण करने के साथ आवश्यक स्वास्थ्य जांच की। रक्तदान के लिए पहुंचे युवाओं और कार्यकताओं में उत्साह दिखाई दिया। आयोजकों ने लोगों से नियमित रूप से रक्तदान करने की अपील की। इस अवसर पर ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि दीपक कोरी, पूर्व ब्लॉक प्रमुख जसवीर रोड, डॉ. अथर जमील, डॉ. सुशील कुमार, डॉ. मंजीत कुमार बेदी, आशुतोष श्रीवास्तव सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता और स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी मौजूद रहे।

डीआईजी ने परतापुर थाने का किया वार्षिक निरीक्षण, व्यवस्थाओं में सुधार के दिए निर्देश

मेरठ (शिखर समाचार)। पुलिस उपमहानिरीक्षक मेरठ परिक्षेत्र कलानिधि नैथानी ने गुरुवार को जनपद मेरठ के परतापुर थाने का वार्षिक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने थाना परिसर, कार्यालय, भोजनालय, बैरक, मालखाना, शस्त्रागार, मिशन शक्ति केंद्र और साइबर सहायता डेस्क का निरीक्षण किया तथा विवेचकों के अनुसार लंबित मामलों की समीक्षा की। उन्होंने ग्राम प्रहरियों से संवाद कर छोटी से छोटी घटना की सूचना पुलिस तक पहुंचाने और पुलिस के साथ बेहतर समन्वय बनाए रखने के लिए प्रेरित किया। डीआईजी ने सभी बीट कर्मियों को अपने-अपने क्षेत्र में सक्रिय रहने तथा ग्राम चौकीदारों से नियमित संपर्क रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बीट आरक्षी अपने क्षेत्र में दर्ज होने वाले अभियोगों और जेल में निरुद्ध व्यक्तियों की जानकारी रखें। गैर-जमानती वारंटों के लंबित मामलों की प्रतिदिन थाना प्रभारी स्वयं

निगरानी करें और अधिक से अधिक गिरफ्तारी सुनिश्चित की जाए। पासपोर्ट एवं चरित्र सत्यापन के लिए लोगों को थाने न बुलाकर संबंधित उपनिरीक्षक और बीट आरक्षी मौके पर जाकर सत्यापन करें तथा निर्धारित अवधि में प्रक्रिया पूरी करें। मिशन शक्ति केंद्र के निरीक्षण के दौरान उन्होंने महिला संबंधी शिकायतों को प्राथमिकता से दर्ज करने, उत्तर प्रदेश-112 पर प्राप्त महिला संबंधी घटनाओं को केंद्र के रजिस्टर में दर्ज कर कार्रवाई और प्रतिक्रिया लेने के निर्देश दिए। क्षेत्राधिकारी एवं थाना प्रभारी को मिशन शक्ति केंद्र और एंटी रोमियो अभियान की नियमित समीक्षा करने को कहा गया। थानों के जर्जर भवनों की पत्रावली तैयार कर कार्रवाई, मालखाने के सामान का निस्तारण और अभिलेखों के डिजिटलीकरण में तेजी लाने के निर्देश भी दिए गए। शस्त्रों की साफ-सफाई और पुलिसकर्मियों को शस्त्र संचालन का अभ्यास कराने को कहा गया। निरीक्षण के दौरान वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बीबीजीटीएस मूर्ति सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। निरीक्षण में बेहतर कार्य के लिए उपनिरीक्षक विपिन मिश्रा को पुरस्कृत भी किया गया।

विश्वकर्मा जयंती पर 450 कारीगरों को मिली टूलकिट, स्वरोजगार के लिए किया प्रेरित

शामली (शिखर समाचार)। विश्वकर्मा जयंती और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर सेवा संकल्प अभियान के तहत गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के अंतर्गत कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में योजना के 450 लाभार्थी कारीगरों को जनप्रतिनिधियों ने टूलकिट वितरित की। जनप्रतिनिधियों ने कारीगरों से संवाद करते हुए उन्हें अपने हुनर को स्वरोजगार और उद्यमिता से जोड़कर आर्थिक रूप से सशक्त बनने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में विधान परिषद सदस्य एवं भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष मोहित बेनीवाल, सदर विधायक प्रसन्न चौधरी और थानाभवन विधायक अशरफ अली मौजूद रहे। इस दौरान बताया गया कि विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना का उद्देश्य पारंपरिक कारीगरों और शिल्पकारों के हुनर को पहचान दिलाते हुए उन्हें प्रशिक्षण, आवश्यक संसाधन

और अन्य सहयोग उपलब्ध कराकर स्वरोजगार के लिए सक्षम बनाना है। योजना के माध्यम से कारीगरों को पारंपरिक व्यवसाय को आधुनिक आवश्यकताओं के अनुरूप विकसित करने तथा कार्य की गुणवत्ता और उत्पादकता बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है।

पात्र कारीगरों को कौशल उन्नयन प्रशिक्षण के साथ काम में उपयोग होने वाली टूलकिट भी उपलब्ध कराई जाती है। उपायुक्त उद्योग रतिका गुप्ता ने बताया कि हाल ही में विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना 2.0 शुरू की गई है। इसके तहत 10 लाख रुपये तक का ऋण बिना ब्याज और बिना गारंटी के उपलब्ध कराने का प्रावधान है, जिसमें सरकार की ओर से 15 प्रतिशत अनुदान दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि योजना में शामिल ट्रेडों की संख्या 11 से बढ़ाकर 25 कर दी गई है। इनमें मोबाइल मरम्मत, इलेक्ट्रॉनिक मरम्मत, विद्युत मरम्मत और नलसाजी जैसी आधुनिक ट्रेड भी शामिल हैं। कार्यक्रम में जिलाधिकारी आलोक यादव, मुख्य विकास अधिकारी बृजेन्द्र शुक्ल, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व सत्येन्द्र सिंह सहित विभागीय अधिकारी-कर्मचारी और बड़ी संख्या में लाभार्थी मौजूद रहे।

राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

आवश्यकता है

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गाजियाबाद से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक समाचार पत्र को आवश्यकता है दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद व पश्चिमी उत्तर प्रदेश के प्रत्येक जिले और तहसीलों में संवाददाताओं और विज्ञापन प्रतिनिधियों की आकर्षक कमीशन, आवेदन पत्र के साथ मिले या संपर्क करें:-

राष्ट्रीय शिखर संपादकीय सिटी कार्यालय :-
64 नवयुग मार्केट, फर्स्ट फ्लोर, गाजियाबाद।
rashtriyashikhar@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

मुख्यमंत्री के सामने नाला निर्माण में लापरवाही से जलभराव का मुद्दा

गोरखपुर, एजेंसी। निरीक्षण के दौरान हड़हवा फाटक रोड पर सेतु निगम की ओर से बनाए जा रहे नाला निर्माण के दौरान जल निकासी व्यवस्था में लापरवाही का मुद्दा उठा। पूर्व उपसभापति, पार्षद ऋषि मोहन वर्मा ने मुख्यमंत्री से बताया कि मोहल्लों के नाली का पानी मुख्य न्यायालय में जाने के लिए आंशिक रूप से नलों में होल किया गया है जो पर्याप्त नहीं है। बरसात होते ही आसपास के क्षेत्र में देर तक भीषण जल भरा हो जाता है जिससे नागरिकों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। मुख्यमंत्री ने सेतु निगम के अधिकारियों को तत्काल व्यवस्था ठीक करने के निर्देश दिए।

पोखरे की सफाई करने वाले युवकों से मिले सीएम योगी, की सराहना

गोरखपुर , एजेंसी। पूर्वांचल के प्रमुख शक्तिपीठ मां तरकुलहा देवी धाम परिसर स्थित ऐतिहासिक पोखरे की श्रमदान के जरिये सफाई करने वाले दो युवकों को बुलाकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उनसे मुलाकात की। उनके काम की सराहना करते हुए आश्वासन दिया कि मां तरकुलहा देवी धाम के सामने स्थित प्राचीन पोखरे का सुंदरीकरण और स्थायी जीर्णोद्धार जल्द कराया जाएगा। मां तरकुलहा देवी के मंदिर के सामने ऐतिहासिक पोखरे को जलकुंभी और गंदगी से मुक्त करने के लिए चौरीचौरा क्षेत्र के भाऊपुर गांव के दो युवकों अनुपम गुप्ता और करन निषाद ने पांच सितंबर से प्रतिदिन श्रमदान का कार्य शुरू किया। श्रद्धा और सेवा भाव से किए जा रहे इस कार्य को देखकर मंदिर पहुंचने वाले श्रद्धालुओं ने भी युवाओं की सराहना की। मंदिर ट्रस्ट ने भी उनके सेवा भाव और समर्पण की प्रशंसा की।

गलत इलाज से नहीं गई महिला की जान, गला दबाकर की गई हत्या

बरेली , एजेंसी। बिथरी चैनपुर थाना क्षेत्र के परतासपुर गांव में महिला की मौत हो गई। पति ने बताया कि पत्नी बीमार थी और झोलाछाप के गलत इलाज से मौत हुई है। पोस्टमॉर्टम में पता चला कि महिला की गला दबाकर हत्या की गई है। इससे पुलिस की जांच की दिशा ही बदल गई है।मनोरमा (26) की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी। बुधवार सुबह किसी ने इसकी जानकारी बिथरी थाना पुलिस को दे दी। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। इधर, मृतका के पति नीरज ने बताया कि मनोरमा काफी समय से बीमार थी। वह झोलाछाप से उसका उपचार करा रहा था। मंगलवार को मनोरमा को दवा दी गई थी, जिसके बाद उसकी तबीयत बिगड़ गई और रात में किसी समय उसकी मौत हो गई।पुलिस को जांच में पता लगा कि नीरज और मनोरमा की शादी एक साल पहले हुई थी। मनोरमा मूल रूप से बिहार की निवासी थी और उसके मायके वाले वहीं मजदूरी करते हैं। गला दबाकर हत्या की जानकारी होने पर ससुराल पक्ष समझौते में जुट गया है। बताते हैं कि मायके पक्ष के कुछ लोगों से कार्रवाई न कराने की बात लिखवा ली गई है। सीओ हाईवे देवेश सिंह ने बताया कि हत्या की पुष्टि हुई है। इसमें कोई कैसे समझौता कर सकता है।

100 टीबी मरीजों को गोद लेगा एमएमएमयूटी, छह माह तक देगा पोषण

गोरखपुर , एजेंसी। मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (एमएमएमयूटी) 17 सितंबर से 100 टीबी मरीजों को गोद लेकर उनके उपचार में सहयोग करेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 76वें जन्मदिवस के अवसर पर शुरू होने वाली इस पहल के तहत मरीजों को छह माह तक 'पोषण पोटली' उपलब्ध कराई जाएगी। साथ ही विश्वविद्यालय के अधिकारी और शिक्षक मरीजों व उनके परिजन को भावनात्मक सहयोग देते हुए नियमित दवा लेने और उपचार का पूरा कोर्स करने के लिए प्रेरित करेंगे। राजभवन से मिले निर्देश के क्रम में आयोजित इस अभियान में विश्वविद्यालय ने 100 मरीजों का चयन किया है। मरीजों के उपचार के दौरान पोषण और भावनात्मक सहयोग उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी कुलपति समेत 20 अधिकारी और शिक्षकों को दी गई है। विश्वविद्यालय प्रशासन का कहना है कि इस पहल का उद्देश्य सरकार के टीबी उन्मूलन अभियान में सहयोग करना और मरीजों को उपचार अवधि में आवश्यक पोषण, प्रोत्साहन और भावनात्मक संबल उपलब्ध कराना है। इससे मरीजों को उपचार के प्रति नियमित बनाए रखने और दवाओं का पूरा कोर्स कराने में मदद मिलने की उम्मीद है। प्रो. अनुपमा कौशिक शर्मा, कुलपति, सीपी प्रियदर्शी, कुलसचिव, विनय कुमार राय, वित्त नियंत्रक, प्रो. शिव प्रकाश, प्रो. आर. चौहान, प्रो. वीके गिरी, प्रो. एसएन सिंह, प्रो. वीके मिश्र, प्रो. जीउत सिंह, प्रो. राकेश कुमार, प्रो. जय प्रकाश, प्रो. एसके सोनी, प्रो. एके मिश्रा, प्रो. एलबी प्रसाद, प्रो. डीएस सिंह, प्रो. संजय मिश्रा, प्रो. प्रभाकर तिवारी, प्रो. वीएल गोले, प्रो. बीके पांडेय, प्रो. आरके यादव।

लाजपत भवन में हुआ कवि सम्मेलन

कानपुर , एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस की पूर्व संध्या पर बुधवार को मोतीझील स्थित लाजपत भवन में कवि सम्मेलन आयोजित हुआ। यहां विभिन्न स्थानों से आए कवियों ने अपनी रचनाओं से सामाजिक, राजनीतिक और पारिवारिक मुद्दों को उठाया। कवि शंभू शिखर ने अपनी पंक्तियों तुम तोड़ों वादा और हम निभाते रहेंगे, नाराजगी ऐसे भी हम जताते रहेंगे, जबतक नहीं आते हैं 15 लाख खाते में, तबतक तुम्हें मोदी जी हम जिताते रहेंगे... से राजनीतिक कटाक्ष किया। पंक्तियां सुनते ही पूरा सभागार तालियों से गूंज उठा। इसके बाद कवयित्री मणिका दुबे ने अपनी रचना तुमको जो भी दुनियादारी लगती है, इन कामों में हिम्मत भारी लगती है, तुमको ये सब गैरजरूरी लगता है, मुझको अपनी जिम्मेदारी लगती है... के माध्यम से जिम्मेदारियों का एहसास कराया। कवि स्वयं श्रीवास्तव ने मुश्किल थी संभलना ही पड़ा घर के वास्ते, फिर घर से निकलना ही पड़ा घर के वास्ते... के जरिये पारिवारिक दायित्वों और जीवन के संघर्ष को स्वर दिया। इटावा के कवि गौरव चौहान, डॉ. आदित्य जैन ने अपनी रचनाओं से सभी का मन मोह लिया।

अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाना लक्ष्य: अमरपाल मौर्य

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर सेवा संकल्प अभियान के तहत गाजियाबाद में विभिन्न सेवा एवं जनकल्याण कार्यक्रम आयोजित किए गए। महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रमों में राज्यसभा सांसद एवं भाजपा अन्य पिछड़ा वर्ग मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमरपाल मौर्य ने सहभागिता की। उन्होंने केंद्र सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों से संवाद कर योजनाओं से मिले लाभ और उनके जीवन में आए बदलावों की जानकारी ली।

लाभार्थी संवाद के दौरान अमरपाल मौर्य ने कहा कि सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास के संकल्प के साथ समाज की अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक विकास और जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना सेवा का वास्तविक उद्देश्य है। अभियान के तहत आयोजित आशीर्वाद का दीया कार्यक्रम में सेवा, समर्पण और जनभागीदारी के संकल्प के साथ दीप प्रज्वलित किए गए। अमरपाल मौर्य ने कहा कि यह दीप जनसेवा, राष्ट्रसेवा और विकसित भारत के संकल्प का प्रतीक है।

महर्षि वाल्मीकि पार्क में आयोजित कार्यक्रम में शहर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाए रखने में योगदान देने वाले स्वच्छता कर्मियों को सम्मानित किया गया और स्वच्छता किट वितरित की गईं। अमरपाल मौर्य ने कहा कि स्वच्छता कर्मियों का सम्मान करना समाज की जिम्मेदारी है और उनके श्रम के प्रति सम्मान एवं कृतज्ञता व्यक्त करना सच्ची सेवा है। कार्यक्रम में सदर विधायक संजीव शर्मा, सांसद अतुल गर्ग, पार्षद राजीव शर्मा, राजेंद्र तितौंरिया, पंकज भारद्वाज, गौरव चोपड़ा, प्रदीप चौहान, डॉ. रिचा भदौरिया, सुमन सिंह, महिम गुप्ता, नीरज शर्मा और राजेंद्र यादव सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सिरका बेचने को लेकर विवाद में बुजुर्ग की मौत, पूर्व विधायक ने पीड़ित परिवार को दिया कार्रवाई का भरोसा

बुढ़ाना/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। फुगाना थाना क्षेत्र के खरड़ गांव में सिरका बेचने को लेकर हुई कहासुनी के बाद लाठी-डंडों से किए गए हमले में बुजुर्ग जय सिंह कश्यप की मौत के मामले में गुरुवार को पूर्व भाजपा विधायक उमेश मलिक ने पीड़ित परिवार से मुलाकात कर सांत्वना दी। उन्होंने परिवार को मामले में शामिल अन्य आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी और कठोर कार्रवाई का भरोसा दिलाया। खरड़ निवासी जय सिंह कश्यप करीब 80 वर्ष के थे और गांव के मुख्य मार्ग पर बैठकर सिरका बेचते थे। बताया गया कि तीन दिन पूर्व सुबह करीब आठ बजे पड़ोस में रहने वाले पप्पू पक्ष के लोगों से सिरका बेचने को लेकर उनकी कहासुनी हो गई। आरोप है कि विवाद बढ़ने पर पप्पू पक्ष के लोगों ने जय सिंह पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल जय सिंह की मौत हो गई। मामले में पीड़ित पक्ष की तहरीर के आधार पर पुलिस ने पप्पू, उसकी पत्नी पुष्पा, पुत्र राजू, तेजवीर उर्फ छोटू और मनोज के खिलाफ हत्या के आरोप में रिपोर्ट दर्ज की है। फुगाना पुलिस आरोपी मनोज मलिक को गिरफ्तार कर चुकी है। पुलिस अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए कार्रवाई कर रही है। गुरुवार को पूर्व भाजपा विधायक उमेश मलिक के साथ पूर्व सैनिक प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष ब्रजपाल सहरावत, भारतीय जनता युवा मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष मोनू मलिक समेत अन्य नेता पीड़ित परिवार से मिलने पहुंचे। उन्होंने परिजनों को ढांढस बंधाते हुए मामले में निष्पक्ष कार्रवाई का भरोसा दिया। इस दौरान पूर्व चेयरमैन परमेश सैनी, विनोद सैनी, सोनू और कुलदीप आदि मौजूद रहे।

कनेक्शन काट दिया... अब हम तुम्हें काट देंगे, खुद को मंत्री का पीआरओ बताकर लाइनमैन को दी धमकी

अलीगढ़, एजेंसी। अलीगढ़ में बिजली बिल का बकाया होने पर कनेक्शन काटने से नाराज एक व्यक्ति ने खुद को मंत्री का पीआरओ बताते हुए लाइनमैन ओमवीर को खुली धमकी दे दी। उसने कहा कि कनेक्शन काट दिया... अब हम तुम्हें काट देंगे।

फोन करने वाले ने लखनऊ पहुंचने के बाद लाइनमैन को नौकरी से भी निकलवाने की धमकी दी। अलीगढ़ के गांधीपार्क क्षेत्र के धनीपुर सिंधौली निवासी कमलेश देवी के नाम पर 19525 रुपये का बिजली बिल बकाया था।

वसूली के लिए गई निगम की टीम ने मंगलवार की दोपहर उनका कनेक्शन काट दिया। इसी बात को लेकर कमलेश के पति रविंद्र सिंह भड़क गए। उन्होंने इसकी जानकारी अपने बेटे सुमित को दी। इसके बाद सुमित ने लाइनमैन को फोन कर धमकी दी।

लाइनमैन को नौकरी से हटाने की धमकी : आरोप है कि सुमित ने खुद को मंत्री का पीआरओ बताते हुए लाइनमैन को नौकरी से हटाने के साथ जेई व एसडीओ के खिलाफ भी कार्रवाई की धमकी दी। जेई रविंद्र सिंह ने बताया कि सुमित पुलिस में हैं और इन दिनों उद्यान मंत्री दिनेश प्रताप सिंह की सुरक्षा में तैनात बताए जा रहे हैं।

कॉल रिकॉर्ड के साथ इसकी शिकायत एसडीओ अंबुजा प्रजापति को दे दी है। अधीक्षण अभियंता अंशुमान यादव के अनुसार इस मामले में विभागीय स्तर पर जांच कराई जा रही है, इसके बाद आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

346 लोगों ने किया रक्तदान, 19 केंद्रों पर जले आशीर्वाद के दीये, सेवा संकल्प अभियान में दिखी जनभागीदारी

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत गुरुवार को जनपद में आशीर्वाद का दीया कार्यक्रम व्यापक स्तर पर आयोजित किया गया। इस दौरान 19 सरकारी एवं गैर सरकारी चिकित्सालयों तथा स्वास्थ्य केंद्रों पर रक्तदान शिविर लगाए गए, जिनमें कुल 346 लोगों ने रक्तदान किया। रक्तदान करने वालों में आम नागरिकों के साथ चिकित्सक और स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी भी शामिल रहे। दोपहर में विभिन्न चिकित्सालयों में जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने सैकड़ों लोगों को फल वितरित किए।

जिला एमएमजी चिकित्सालय में सांसद अतुल गर्ग, राज्यमंत्री नरेन्द्र कश्यप और भाजपा महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल ने रक्तदान शिविर का शुभारंभ किया। इस दौरान मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सचिन चन्द्र वैश्य, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. राकेश कुमार और नोडल अधिकारी डीएमओ जीके मिश्रा मौजूद रहे। लोनी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में विधायक नंदकिशोर गुर्जर, मोदीनगर में विधायक डॉ. मंजू सिवाच, मुरादनगर में विधायक अजीत पाल त्यागी, डूडाहेड़ा स्थित 50 बिस्तरों वाले चिकित्सालय में विधायक संजीव शर्मा, डासना में धौलाना विधायक धर्मेश तोमर और भोजपुर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में ब्लॉक प्रमुख सुचेता सिंह ने शिविर का शुभारंभ किया तथा फल वितरण किया। जनप्रतिनिधियों ने लोगों को रक्तदान के लिए प्रेरित किया।

शाम सात बजे जनपद के विभिन्न निर्धारित स्थलों पर एक साथ दीप प्रज्वलन किया गया। मंदिरों, चौराहों, सरकारी कार्यालयों, घाटों, चिकित्सालयों और योजनाओं से लाभान्वित लोगों के घरों में भी आशीर्वाद का दीया जलाया गया। जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मॉंदड़ के नेतृत्व में कलेक्ट्रेट में आयोजित कार्यक्रम में लखपति दीदियों ने आकर्षक दीप रंगोली बनाई, जबकि कस्तूरबा गांधी विद्यालय के विद्यार्थियों ने सहयोग किया। मुख्य विकास अधिकारी कुमार सौरभ के नेतृत्व में विकास भवन में भी दीप प्रज्वलित किए गए। कार्यक्रम के माध्यम से सेवा, सहयोग, सामाजिक सहभागिता और जनकल्याण का संदेश दिया गया।

ईपीएफ का दायरा बढ़ाने के फैसले का स्वागत, न्यूनतम पेंशन न बढ़ने पर निराशा

लखनऊ (शिखर समाचार)। यूपी वर्किंग जर्नलिस्ट यूनियन ने कर्मचारी भविष्य निधि में योगदान के लिए मासिक वेतन सीमा बढ़ाए जाने के केंद्र सरकार के फैसले का स्वागत किया है, लेकिन न्यूनतम पेंशन में कोई वृद्धि नहीं किए जाने पर निराशा व्यक्त की है। यूनियन ने कहा कि सरकार ने कर्मचारी भविष्य निधि में योगदान के लिए मासिक वेतन सीमा 15 हजार रुपये से बढ़ाकर 25 हजार रुपये कर दी है। इससे देशभर के करीब एक करोड़ कर्मचारियों को लाभ मिलने की संभावना है, लेकिन न्यूनतम पेंशन की मौजूदा राशि एक हजार रुपये प्रतिमाह पर कोई बदलाव नहीं किया गया है।

यूपी वर्किंग जर्नलिस्ट यूनियन ने पिछले वर्ष नवंबर में अयोध्या में आयोजित प्रादेशिक प्रतिनिधि सम्मेलन में प्रस्ताव पारित कर न्यूनतम पेंशन एक हजार रुपये से बढ़ाकर पांच हजार रुपये प्रतिमाह किए जाने की मांग की थी। यह प्रस्ताव उत्तर प्रदेश के श्रम मंत्री अनिल राजभर के माध्यम से केंद्रीय श्रम मंत्री मनसुख मांडविया को भेजा गया था। प्रस्ताव प्राप्त होने के बाद अनिल राजभर ने केंद्रीय श्रम मंत्री से मुलाकात कर इस मांग की सिफारिश करने का आश्वासन दिया था। महोबा सम्मेलन में एक बार फिर न्यूनतम पेंशन बढ़ाने की मांग को प्रमुखता से उठाया गया। यूनियन के प्रादेशिक अध्यक्ष हसीब सिद्दीकी, महामंत्री देवराज सिंह और लखनऊ मंडल अध्यक्ष शिवशरण सिंह ने न्यूनतम पेंशन के संबंध में निर्णय न लिए जाने पर निराशा जताई। उन्होंने घोषणा की कि वे सीधे केंद्रीय श्रम मंत्री से मुलाकात कर न्यूनतम पेंशन बढ़ाने की मांग को मजबूती से रखेंगे। यूनियन का कहना है कि विभिन्न वर्गों को हजारों रुपये की पेंशन दी जा रही है, जबकि लंबे समय तक नौकरी करने वाले कर्मचारी न्यूनतम एक हजार रुपये की पेंशन पर निर्भर हैं। यूनियन ने इसे कर्मचारियों के हितों के अनुरूप नहीं बताते हुए पेंशन में वृद्धि की मांग दोहराई।

नीट यूजी दाखिला, प्रदेश के चार मेडिकल कॉलेजों में 73 प्रतिशत आरक्षण पर हाईकोर्ट की अंतरिम रोक

लखनऊ, एजेंसी। प्रदेश के चार सरकारी मेडिकल कॉलेजों में दाखिले के लिए सीटों पर बढ़ाए गए आरक्षण कोटे पर हाईकोर्ट ने अंतरिम रोक लगा दी है। हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने बुधवार को कहा कि इन कॉलेजों में नीट-यूजी काउंसिलिंग अन्य कॉलेजों में लागू आरक्षण व्यवस्था के अनुसार ही जारी रहेगी। याचियों ने राज्य सरकार के एक सितंबर के आदेश को चुनौती देते हुए बताया था कि इससे करीब 73 प्रतिशत सीटें आरक्षित हो गई हैं।

न्यायमूर्ति आलोक माथुर और न्यायमूर्ति अमिताभ कुमार राय की खंडपीठ ने यह आदेश सचिन सिंह व एक अन्य की याचिका पर दिया। याचियों के अधिवक्ता अमरेंद्र नाथ त्रिपाठी ने बताया कि अंबेडकरनगर, कन्नौज, सहारनपुर और जालौन के मेडिकल कॉलेजों में आरक्षण कोटा बढ़ाकर काउंसिलिंग कराई जा रही है, जो कानून की मंशा के खिलाफ है।

कोर्ट ने इन कालेजों में बढ़े आरक्षण कोटे पर अंतरिम रोक लगाते हुए कहा कि फिलहाल अन्य कालेजों में निर्धारित आरक्षण (एससी के लिए 21 प्रतिशत, एसटी के लिए 2 प्रतिशत और ओबीसी के लिए 27 प्रतिशत) के समान ही इन कालेजों में भी काउंसिलिंग कराएं। इससे पहले 14 सितंबर को कोर्ट ने इस मामले में चिकित्सा शिक्षा एवं प्रशिक्षण विभाग के महानिदेशक व चिकित्सा शिक्षा विभाग के प्रमुख सचिव को रिकॉर्ड के साथ 16 सितंबर को तलब किया था। हालांकि, मामले में विस्तृत आदेश अभी नहीं आया है।

सरस्वती बालिका विद्या मंदिर में श्रद्धा से मनाई विश्वकर्मा जयंती, छात्राओं ने प्रस्तुत की सरस्वती वंदना

शामली (शिखर समाचार)। शहर के सरस्वती बालिका विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में गुरुवार को विश्वकर्मा जयंती श्रद्धा और हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। इस अवसर पर विद्यालय में विशेष प्रार्थना सभा और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिसमें छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ आचार्य विकास ने मां सरस्वती और भगवान विश्वकर्मा के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर तथा पुष्पार्चन के साथ किया। छात्राओं ने सरस्वती वंदना और भगवान विश्वकर्मा की स्तुति प्रस्तुत की, जिससे विद्यालय परिसर भक्तिमय हो गया।

इस अवसर पर आचार्य विकास ने भगवान विश्वकर्मा के महत्व और भारतीय संस्कृति में उनके योगदान पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भगवान विश्वकर्मा को दिव्य शिल्पकार और वास्तुकार के रूप में माना जाता है। उन्होंने कहा कि विश्वकर्मा जयंती हमें अपने औजारों, पुस्तकों, कला और कर्म के प्रति सम्मान व्यक्त करने की प्रेरणा देती है। परिश्रम, सृजन और कौशल के प्रति सम्मान ही समाज और राष्ट्र के विकास का आधार है।

उन्होंने छात्राओं से अनुशासन, लगन और निष्ठा के साथ अपने लक्ष्य की ओर आगे बढ़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी अपनी प्रतिभा और ज्ञान का सदुपयोग कर देश के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं।

कार्यक्रम के दौरान विद्यालय का समस्त शिक्षक स्टाफ, कर्मचारी और बड़ी संख्या में छात्राएं मौजूद रहीं। छात्राओं ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से भारतीय परंपरा और भगवान विश्वकर्मा के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त की।

पोषण की अलख जगाकर मनाया सेवा दिवस, आंगनवाड़ी केंद्रों पर गूंजा जागरूकता का संदेश

ऊन/शामली (शिखर समाचार)। पोषण माह 2026 और सेवा संकल्प अभियान के तहत गुरुवार को ऊन परियोजना के सभी आंगनवाड़ी केंद्रों पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जन्मदिवस सेवा दिवस के रूप में मनाया गया। बाल विकास परियोजना अधिकारी बाबर खान के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रमों में बच्चों, गर्भवती महिलाओं, धात्री माताओं और किशोरी बालिकाओं को पोषण, स्वच्छता और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया गया।

ग्राम पंचायत वेदखेड़ी, पावटी खुर्द सहित सभी आंगनवाड़ी केंद्रों पर मुख्य सेविका राखी, आशु, अर्चना मान और उर्मिला के साथ आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों, सहायिकाओं और आशा कार्यकताओं ने सहभागिता की। इस दौरान बच्चों और अन्य लाभार्थियों को मौसमी फल, गुड़-चना तथा अन्य पौष्टिक खाद्य सामग्री वितरित की गई। बच्चों को हाथ धोने का सही तरीका बताने के साथ व्यक्तिगत स्वच्छता, साफ-सफाई और शुद्ध पेयजल के महत्व की जानकारी दी गई।

बाल विकास परियोजना अधिकारी बाबर खान ने लाभार्थियों को प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, पोषण अभियान 2.0, संभव अभियान 6.0 और मुख्यमंत्री बाल पुष्टाहार योजना सहित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। गर्भवती महिलाओं को संतुलित आहार, हरी सब्जियां, दालें और मोटे अनाज का सेवन करने के साथ नियमित स्वास्थ्य जांच, आयरन-कैल्शियम की गोलियां, संस्थागत प्रसव और बच्चों के संपूर्ण टीकाकरण के महत्व से अवगत कराया गया।

उन्होंने आंगनवाड़ी केंद्रों पर मिलने वाले गर्म पके भोजन, घर ले जाने वाले राशन और पोषण निगरानी व्यवस्था के उपयोग की जानकारी भी दी। लाभार्थियों ने पौष्टिक आहार अपनाने और स्वच्छता बनाए रखने का संकल्प लिया।

शाम छह बजे सभी आंगनवाड़ी केंद्रों पर दीप प्रज्वलित कर सेवा, पोषण और स्वच्छता का संकल्प लेने के निर्देश दिए गए। कार्यकत्रियों से कार्यक्रम के चित्र और वीडियो संबंधित समूह तथा कार्यालय में भेजने को कहा गया।

सेवा संकल्प अभियान में जनभागीदारी का दिखा उत्साह, दीपों से रोशन हुए सरकारी भवन और लाभार्थियों के घर

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस को सेवा दिवस के रूप में मनाते हुए 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चलने वाले सेवा संकल्प अभियान के तहत गुरुवार को जनपद में विभिन्न सेवा, जनकल्याण और जनभागीदारी से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए गए। अभियान के अंतर्गत जिला अस्पताल में मरीजों को फल वितरित किए गए, विभिन्न स्थानों पर रक्तदान शिविर लगाए गए तथा आशीर्वाद का दीया कार्यक्रम के तहत दीप प्रज्वलित किए गए।

जिला अस्पताल नोएडा में सांसद महेश शर्मा और अन्य जनप्रतिनिधियों ने मरीजों से मुलाकात कर उन्हें फल वितरित किए। नोएडा स्थित भारतीय चिकित्सा संघ भवन और ग्राम बिसरख में रक्तदान शिविर आयोजित हुए। जेवर में भी रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें लोगों ने स्वेच्छा से रक्तदान कर मानव सेवा का संदेश दिया।

कृषि विज्ञान केंद्र छौलस, दादरी में कृषि गोष्ठी आयोजित कर किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों और विभागीय योजनाओं की जानकारी दी गई। विधायक तेजपाल नागर, भाजपा जिला अध्यक्ष अभिषेक शर्मा, जिला कृषि अधिकारी विवेक दुबे सहित अधिकारी, कृषि विशेषज्ञ और किसान मौजूद रहे। इसके बाद यहां आशीर्वाद का दीया जलाया गया।

नोएडा के वेदवन पार्क सेक्टर-78, नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण के सेक्टर-96 स्थित नवीन कार्यालय और जिला उद्योग केंद्र सूरजपुर में भी दीप प्रज्वलन कार्यक्रम हुए। विश्वकर्मा जयंती पर जिला उद्योग केंद्र में पात्र लाभार्थियों को औजार किट वितरित की गईं। दनकौर वृद्धाश्रम तथा कस्तूरबा गांधी विद्यालय दादरी और दनकौर में भी दीप प्रज्वलित कर सेवा और जनकल्याण का संकल्प लिया गया। जनपद के सरकारी कार्यालयों, विकासखंड कार्यालयों, नगर निकायों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों, शिक्षण संस्थानों और अन्य सरकारी भवनों को भी दीपों से रोशन किया गया। लाभार्थी परिवारों ने अपने घरों पर दीप जलाकर अभियान में सहभागिता की। ग्राम ततारपुर में विधायक तेजपाल नागर ने प्रेरणा कैंटीन का उद्घाटन किया। विभिन्न कार्यक्रमों में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, किसानों, विद्यार्थियों, लाभार्थियों और आमजन की सहभागिता रही।

12 लाख की ठगी के आरोप में महिला को बड़ी राहत, हाईकोर्ट ने दी जमानत

प्रयागराज/नोएडा (शिखर समाचार)। नौकरी दिलाने के नाम पर 12 लाख रुपये की कथित ठगी और फर्जी नियुक्ति पत्र देने के मामले में जेल में बंद सपना अरोड़ा को इलाहाबाद हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। कोर्ट ने मामले की परिस्थितियों, उपलब्ध साक्ष्यों और दोनों पक्षों की दलीलों पर विचार करने के बाद उसे मुकदमे की सुनवाई लंबित रहने तक जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया। न्यायमूर्ति जय प्रकाश तिवारी ने आपराधिक विविध जमानत प्रार्थना पत्र संख्या 23705/2026 पर सुनवाई करते हुए यह आदेश पारित किया। मामला गौतमबुद्ध नगर के नोएडा सेक्टर-49 थाने में दर्ज मुकदमे से जुड़ा है। प्राथमिकी में चार लोगों को आरोपी बनाया गया था। आरोप है कि आरोपियों ने शिकायतकर्ता और उसकी बहनों को रेलवे तथा नोएडा प्राधिकरण में नौकरी दिलाने का भरोसा देकर 12 लाख रुपये लिए। शिकायतकर्ता को कथित तौर पर फर्जी नियुक्ति पत्र भी दिया गया। बाद में रकम वापस मांगने पर धमकी देने का आरोप लगाया गया और 10 लाख रुपये का चेक दिया गया, जो बैंक में प्रस्तुत करने पर अनादरित हो गया।

सपना अरोड़ा की ओर से अधिवक्ता अपूर्व हजेला ने दमदार पैरवी और प्रभावी दलीलों के माध्यम से कोर्ट के समक्ष पक्ष रखा कि आवेदिका का शिकायतकर्ता से रकम लेने या उसे धनराशि देने के लिए प्रेरित करने से कोई संबंध नहीं है। उसके बैंक खाते में भी कोई रकम जमा होने का आरोप नहीं है। कथित भुगतान के बदले दिया

गया चेक उसके पति सहआरोपी मनोज अरोड़ा ने हस्ताक्षर कर जारी किया था। सपना अरोड़ा न तो चेक की हस्ताक्षरकर्ता है और न ही संबंधित बैंक खाते का संचालन करती है।

बचाव पक्ष ने यह भी दलील दी कि कथित घटना वर्ष 2022 की है, जबकि प्राथमिकी करीब दो वर्ष बाद दर्ज हुई। विवेचना के दौरान भी आवेदिका को कथित अपराध से जोड़ने वाला कोई ठोस आपत्तिजनक साक्ष्य सामने नहीं आया। कोर्ट ने इन परिस्थितियों को देखते हुए जमानत मंजूर कर ली। सपना अरोड़ा 27 मई 2026 से जेल में थी। कोर्ट ने साक्ष्यों से छेड़छाड़ न करने, गवाहों को प्रभावित नहीं करने और निर्धारित तिथियों पर अदालत में उपस्थित रहने समेत विभिन्न शर्तें लगाई हैं।

शशि राय ने मिसेज वर्ल्ड इंटरनेशनल 2026 में जीता ब्यूटीफुल हेयर अवॉर्ड

उपलब्धि से गाजियाबाद का बढ़ाया मान, महिलाओं को सपने पूरे करने का दिया संदेश

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। गाजियाबाद की शशि राय ने मिसेज वर्ल्ड इंटरनेशनल 2026 प्रतियोगिता में प्रतिष्ठित ब्यूटीफुल हेयर अवॉर्ड जीतकर शहर का नाम रोशन किया। प्रतियोगिता का आयोजन ग्लैमर गुड़गांव संस्थान की ओर से 25 जुलाई 2026 को गुरुग्राम स्थित द ललित होटल में किया गया। प्रतियोगिता में देशभर से करीब 800 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया, जिनमें से 100 प्रतिभागी अंतिम चरण तक पहुंचीं। शशि राय एमिटी विश्वविद्यालय, नोएडा में प्रोफेसर और शिक्षाविद डॉ. हर्ष कुमार की पत्नी हैं।

शिक्षिका और मनोवैज्ञानिक के रूप में भी दे रहीं योगदान

शशि राय वर्ष 2003 से दिल्ली नगर निगम के विद्यालयों में प्राथमिक शिक्षिका के रूप में कार्यरत हैं। इसके साथ ही वह मनोवैज्ञानिक के रूप में परिवार और रिश्तों से जुड़े मामलों में परामर्श भी देती हैं। दो बच्चों की मां शशि ने पारिवारिक जिम्मेदारियों और पेशेवर जीवन के बीच संतुलन बनाते हुए अपने सपनों को पूरा करने की दिशा में कदम बढ़ाया। उनका कहना है कि परिवार उनका सबसे बड़ा सहारा है और पति सहित परिवार के निरंतर प्रोत्साहन ने उन्हें आगे बढ़ने का आत्मविश्वास दिया।

महिलाओं से सपनों को पूरा करने का किया आह्वान

शशि राय ने कहा कि महिलाओं को सामाजिक दबावों के बावजूद अपने सपनों को पूरा करने का प्रयास करते रहना चाहिए। सुंदर दिखना और अपनी महत्वाकांक्षाओं को पूरा करना प्रत्येक महिला का अधिकार है। उन्होंने सुश्री बरखा नांगिया और मिसेज वर्ल्ड इंटरनेशनल 2026 की पूरी टीम का आभार जताते हुए कहा कि प्रतियोगिता ने महिलाओं को सुंदरता, प्रतिभा और उद्देश्य को सामने रखने का मंच दिया। उन्होंने इस अनुभव को जीवन बदलने वाला बताते हुए कहा कि इससे उन्हें भविष्य में समाज और विशेष रूप से महिलाओं की बेहतरी के लिए कार्य करने की प्रेरणा मिली है।

मनोदर्पण प्रशिक्षण में हापुड़ के तीन मास्टर ट्रेनरों ने किया प्रतिभाग

हापुड़ (शिखर समाचार)। विद्यार्थियों के मानसिक एवं भावनात्मक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के उद्देश्य से संचालित मनोदर्पण कार्यक्रम के तहत हापुड़ के तीन मास्टर ट्रेनरों ने लखनऊ में आयोजित दो दिवसीय राज्य स्तरीय प्रशिक्षण में प्रतिभाग किया। प्रशिक्षण के दौरान विद्यालयों में विद्यार्थियों की मानसिक और भावनात्मक आवश्यकताओं को समझने तथा उन्हें उचित सहयोग एवं मार्गदर्शन उपलब्ध कराने के विभिन्न पहलुओं पर जानकारी दी गई। प्रशिक्षण में राजकीय इंटर कॉलेज शेखपुर खिचरा के प्रवक्ता पुष्पेंद्र कुमार शुक्ला, राजकीय इंटर कॉलेज अनूपपुर डिबाई के सहायक अध्यापक विज्ञान अमित कुमार शर्मा तथा सहायक अध्यापक आनंद कुमार त्रिपाठी शामिल रहे। प्रशिक्षण के दौरान विद्यार्थियों में तनाव के लक्षणों की पहचान, उनकी भावनात्मक जरूरतों को समझने तथा विद्यालय स्तर पर आवश्यक सहयोग प्रदान करने के तरीकों पर विस्तार से प्रशिक्षण दिया गया। दो दिवसीय प्रशिक्षण के समापन अवसर पर समग्र शिक्षा माध्यमिक, उत्तर प्रदेश के संयुक्त शिक्षा निदेशक विवेक नौटियाल ने प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए। जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ. श्वेता पूठिया के निदेर्शानुसार प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले तीनों मास्टर ट्रेनर अब जनपद के विद्यालयों में मनोदर्पण कार्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन में सहयोग करेंगे। इसके माध्यम से विद्यालयों में विद्यार्थियों के मानसिक एवं भावनात्मक स्वास्थ्य से जुड़े विषयों पर जागरूकता बढ़ाने और जरूरतमंद विद्यार्थियों को उचित मार्गदर्शन उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा।

दाऊ जी मंदिर में महिला कबड्डी लीग का भव्य शुभारंभ, पांच राज्यों की टीमों ने लिया हिस्सा

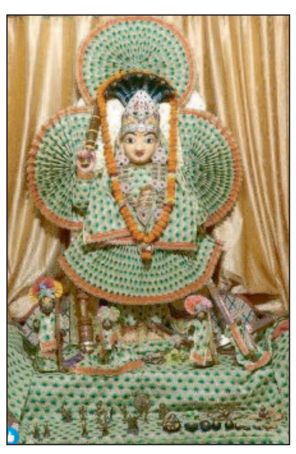

जेवर (शिखर समाचार)। ऐतिहासिक श्री दाऊ जी महाराज मंदिर, जेवर में प्रतिवर्ष आयोजित होने वाली कबड्डी प्रतियोगिता की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए इस वर्ष भी महिला कबड्डी लीग का भव्य शुभारंभ किया गया। प्रज्ञान पब्लिक स्कूल, जेवर के सहयोग से आयोजित इस प्रतियोगिता में उत्तर प्रदेश, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान और दिल्ली की बालिका कबड्डी टीमों ने हिस्सा लिया।

मेले के प्रथम खेल के रूप में आयोजित महिला कबड्डी प्रतियोगिता का शुभारंभ मंदिर परिसर में ध्वजारोहण के साथ हुआ। मंदिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष ओम प्रकाश शर्मा, कार्यकारी अध्यक्ष अनिल कुमार शर्मा और महासचिव बनवारी लाल शर्मा ने ध्वजारोहण किया। इस अवसर पर प्रज्ञान पब्लिक स्कूल के प्रबंधक डॉ. हरीश कुमार शर्मा, कोषाध्यक्ष अमोल कुमार शर्मा, मेला कोतवाली प्रभारी आशीष कुमार सिंह सहित अश्वनी शर्मा, दिव्यांशु शर्मा, ओमदत्त शर्मा और कुलदीप तालान मौजूद रहे।

विद्यालय प्रबंधक डॉ. हरीश कुमार शर्मा और प्रधानाचार्या डॉ. दीप्ति शर्मा के मार्गदर्शन में आयोजित प्रतियोगिता का पहला मुकाबला भारत-तिब्बत सीमा पुलिस और सर्वोदय इंटर कॉलेज, वेना की टीमों के बीच हुआ। मुकाबले के दौरान महिला खिलाड़ियों ने शानदार खेल कौशल, दमखम और रणनीति का प्रदर्शन किया। खिलाड़ियों के उत्साहवर्धन के लिए बड़ी संख्या में दर्शक मौजूद रहे और तालियों की गड़गड़ाहट से खेल मैदान गूंजता रहा।

प्रज्ञान पब्लिक स्कूल प्रबंधन की ओर से सभी प्रतिभागी टीमों के लिए भोजन, विश्राम और अन्य आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था की गई। आयोजन से खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के साथ-साथ खेल भावना और महिला खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहन देने का अवसर मिला।

जेएमएस संस्थान को मिली एनसीसी की 160 सीटें, छात्रों में दिखा उत्साह

हापुड़ (शिखर समाचार)। जेएमएस ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस, हापुड़ को राष्ट्रीय कैडेट कोर की 160 सीटें आवंटित होने से संस्थान के छात्रों में उत्साह का माहौल है। सीटों के आवंटन के साथ संस्थान पश्चिमांचल में राष्ट्रीय कैडेट कोर की गतिविधियों के प्रमुख केंद्रों में शामिल हो गया है। हापुड़ स्थित 38वीं राष्ट्रीय कैडेट कोर बटालियन के कमान अधिकारी कर्नल विजयंत शारदा और मेजर संजय धामा ने संस्थान पहुंचकर सीटों के आवंटन की जानकारी दी।

इस अवसर पर कर्नल विजयंत शारदा ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि राष्ट्रीय कैडेट कोर युवाओं में अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, चरित्र निर्माण और राष्ट्र सेवा की भावना विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय कैडेट कोर से जुड़कर विद्यार्थियों को सेना और प्रशासनिक सेवाओं सहित विभिन्न क्षेत्रों में आगे बढ़ने का अवसर

मिलता है। सीटों के आवंटन की जानकारी मिलने पर छात्रों में विशेष उत्साह दिखाई दिया। संस्थान के संस्थापक अध्यक्ष राकेश सिंघल, उपाध्यक्ष डॉ. हिमांशु सिंघल, सचिव डॉ. रोहन सिंघल, प्रबंध निदेशक डॉ. आयुष सिंघल और महानिदेशक प्रो. डॉ. सुभाष गौतम ने राष्ट्रीय कैडेट कोर की 160 सीटें मिलने को संस्थान के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि इससे विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ अनुशासन, नेतृत्व और राष्ट्र सेवा से जुड़ने का अवसर मिलेगा। संस्थान प्रबंधन के अनुसार राष्ट्रीय कैडेट कोर की गतिविधियों से विद्यार्थियों में आत्मविश्वास और जिम्मेदारी की भावना विकसित होगी। साथ ही कैडेटों को सशस्त्र बलों में भर्ती की प्रक्रिया में मिलने वाले निर्धारित लाभों की जानकारी भी दी जाएगी। सीटों के आवंटन से विद्यार्थियों के लिए सैन्य एवं अन्य सेवा क्षेत्रों में करियर की संभावनाओं के प्रति रुचि बढ़ने की उम्मीद है।

बूथ को मजबूत कर संगठन की जड़ें मजबूत करने का आह्वान, रोहाना टोल पर राम प्रताप चौहान का स्वागत

सहारनपुर (शिखर समाचार)। भाजपा के प्रदेश महामंत्री एवं पश्चिम क्षेत्र प्रभारी राम प्रताप सिंह चौहान के प्रथम सहारनपुर आगमन पर रोहाना टोल प्लाजा पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने जिलाध्यक्ष अजीत सिंह राणा के नेतृत्व में जोरदार स्वागत किया। इस दौरान पश्चिमी उत्तर प्रदेश में बूथ स्तर पर संगठन को और सक्रिय करने, कार्यकर्ताओं की भूमिका मजबूत करने तथा जनता से निरंतर संपर्क बनाए रखने पर जोर दिया गया। जिलाध्यक्ष अजीत सिंह राणा ने कहा कि भाजपा की संगठनात्मक ताकत का आधार बूथ और कार्यकर्ता हैं। बूथ को मजबूत करना संगठन की प्राथमिकता है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से जनता के बीच लगातार संपर्क बनाए रखने और संगठन की गतिविधियों को गांव-गांव तक पहुंचाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता केवल चुनावी गतिविधियों तक सीमित न रहें, बल्कि पूरे समय जनता

के बीच सक्रिय रहकर संगठन की जिम्मेदारियों का निर्वहन करें।

राणा ने कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार की योजनाओं की जानकारी आमजन तक पहुंचाने के साथ उनकी समस्याओं और अपेक्षाओं को संगठन तक पहुंचाना भी कार्यकर्ताओं की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। उन्होंने बूथ स्तर पर नियमित संपर्क और संवाद बनाए रखने पर जोर दिया।

प्रदेश महामंत्री एवं पश्चिम क्षेत्र प्रभारी राम प्रताप सिंह चौहान ने कहा कि संगठन की मजबूती का केंद्र कार्यकर्ता है और कार्यकर्ता की सक्रियता का केंद्र बूथ है। उन्होंने पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से अनुशासन तथा आपसी समन्वय के साथ बूथ स्तर पर संपर्क अभियान को और मजबूत करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक बूथ पर सक्रिय कार्यकर्ता और जनता के साथ निरंतर संवाद संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत बनाने में सहायक है।

इस अवसर पर देवबंद ब्लॉक के पूर्व प्रमुख ठाकुर अनिल सिंह पुंडीर, विधायक मुकेश चौधरी, पूर्व सभासद हरिओम सिंघल सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जिला जज, डीएम और एसएसपी ने जिला कारागार में व्यवस्थाओं का लिया जायजा, बंदियों से संवाद कर जानी समस्याएं

सहारनपुर (शिखर समाचार)। जनपद न्यायाधीश सतेन्द्र कुमार, जिलाधिकारी अरविंद कुमार चौहान और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अभिनंदन ने जिला कारागार का निरीक्षण कर सुरक्षा एवं अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। अधिकारियों ने बैरकों, चिकित्सालय और भोजनालय सहित विभिन्न स्थानों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने बंदियों से संवाद कर उनका हालचाल जाना तथा जेल प्रशासन की ओर से उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की। जनपद न्यायाधीश सतेन्द्र कुमार ने बंदियों से कहा कि यदि उन्हें किसी भी प्रकार की विधिक सहायता की आवश्यकता हो तो वे बिना किसी संकोच के अपनी समस्या बता सकते हैं। शासन की ओर से पात्र बंदियों को नि:शुल्क विधिक सहायता उपलब्ध कराई जाती है। उन्होंने बंदियों से उनकी समस्याओं के संबंध में जानकारी लेते हुए आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने का भरोसा दिलाया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने कारागार के चिकित्सालय का जायजा लिया और बंदियों को उपलब्ध कराई जा रही स्वास्थ्य सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। इसके बाद भोजनालय और बैरकों का निरीक्षण किया गया। अधिकारियों ने कारागार परिसर में साफ-सफाई व्यवस्था पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। साथ ही जेल की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए। अधिकारियों ने जेल प्रशासन को निर्देशित किया कि कारागार परिसर में किसी भी प्रकार की आपत्तिजनक वस्तु प्रवेश न करने पाए। सुरक्षा व्यवस्था में किसी तरह की लापरवाही न बरती जाए और बंदियों को नियमानुसार आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। उन्होंने कारागार की व्यवस्थाओं को निर्धारित मानकों के अनुरूप बनाए रखने के निर्देश भी दिए। निरीक्षण के दौरान संबंधित अधिकारी और कारागार प्रशासन के कर्मचारी मौजूद रहे।

टीईटी-सीटीईटी पास शिक्षामित्रों ने स्थायी नियुक्ति की मांग, मुख्यमंत्री के नाम डीएम को सौंपा ज्ञापन

हापुड़ (शिखर समाचार)। जिले के यूपी टीईटी और सीटीईटी उत्तीर्ण शिक्षामित्रों ने गुरुवार को कलेक्ट्रेट पहुंचकर जिलाधिकारी कविता मीना के माध्यम से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नाम ज्ञापन सौंपा। शिक्षामित्रों ने आरटीई अधिनियम के प्रावधानों और संबंधित पात्रता मानकों का हवाला देते हुए सहायक अध्यापक पद पर स्थायी नियुक्ति की मांग उठाई। शिक्षामित्र एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने जिलाधिकारी को सौंपे ज्ञापन में कहा कि आरटीई अधिनियम-2009 तथा राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद की अधिसूचनाओं के तहत सहायक अध्यापक पद के लिए शिक्षक पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण करना आवश्यक है। उनका दावा है कि जिले के सैकड़ों शिक्षामित्र यूपी टीईटी और सीटीईटी की पात्रता पूरी कर चुके हैं। ऐसे में उनकी शैक्षिक एवं व्यावसायिक पात्रता को ध्यान में रखते हुए सहायक अध्यापक पद पर स्थायी नियुक्ति का अवसर दिया जाना चाहिए। ज्ञापन में उच्चतम न्यायालय के आदेशों का भी हवाला दिया गया। शिक्षामित्रों ने कहा कि पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले शिक्षामित्रों के समायोजन का रास्ता निकाला जा सकता है। उन्होंने उत्तराखंड में अपनाए गए मॉडल का उल्लेख करते हुए उत्तर प्रदेश में भी इसी प्रकार की व्यवस्था लागू करने की मांग की। एसोसिएशन पदाधिकारियों का कहना है कि शिक्षामित्र पिछले 20 से 22 वर्षों से बेसिक शिक्षा विभाग में सेवाएं दे रहे हैं। लंबे समय से सेवा देने और अब टीईटी-सीटीईटी जैसी पात्रता परीक्षाएं उत्तीर्ण करने के बाद वे सहायक अध्यापक पद पर स्थायी नियुक्ति की मांग कर रहे हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री से मामले पर विचार कर उचित निर्णय लेने की मांग की।

गाजियाबाद की सड़कों पर 85 पुराने वाहन पकड़े, एनजीटी के निर्देश पर परिवहन विभाग की कार्रवाई

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) के निदेर्शों के अनुपालन में परिवहन विभाग ने आयु सीमा पूरी कर चुके वाहनों के खिलाफ विशेष प्रवर्तन अभियान चलाया। 17 सितंबर को जनपद में संचालित अभियान के दौरान 10 वर्ष की आयु पूरी कर चुके डीजल वाहनों और 15 वर्ष की आयु पूरी कर चुके पेट्रोल वाहनों की जांच की गई। इस दौरान आयु सीमा पूर्ण कर चुके 85 वाहनों को चिन्हित कर उनके विरुद्ध नियमानुसार प्रभावी कार्रवाई की गई। अभियान के दौरान ऐसे वाहनों के अनधिकृत संचालन पर रोक लगाने के लिए आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की गई। साथ ही संबंधित वाहन स्वामियों को पंजीकृत वाहन स्क्रैपिंग सुविधा केंद्र के माध्यम से वाहनों को स्क्रैप कराने की प्रक्रिया के लिए आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की गई। परिवहन विभाग की कार्रवाई से पुराने और प्रदूषणकारी वाहनों के संचालन पर रोक लगाने का प्रयास किया गया। सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी प्रवर्तन विनीत कुमार मिश्र ने बताया कि अभियान का उद्देश्य एनजीटी के निदेर्शों का प्रभावी अनुपालन सुनिश्चित करने के साथ आयु सीमा पूरी कर चुके वाहनों से होने वाले वायु प्रदूषण पर नियंत्रण, पर्यावरण संरक्षण और ऐसे वाहनों के अनधिकृत संचालन को रोकना है। उन्होंने वाहन स्वामियों से अपील की कि आयु सीमा पूरी कर चुके वाहनों का संचालन न करें और नियमानुसार आवश्यक प्रक्रिया पूरी कराएं। उन्होंने स्पष्ट किया कि जनपद में एनजीटी के निदेर्शों का कड़ाई से अनुपालन कराया जाएगा। आयु सीमा पूर्ण कर चुके डीजल और पेट्रोल वाहनों के विरुद्ध भविष्य में भी निरंतर प्रवर्तन कार्रवाई जारी रहेगी।

तिलपता गांव की समस्याओं को लेकर एसडीएम को ज्ञापन, 20 सितंबर से अनिश्चितकालीन धरने की चेतावनी

दादरी (शिखर समाचार)। तिलपता गांव में लंबे समय से जलभराव, गंदगी, जर्जर सड़कों और कंटेनर डिपो के आसपास लगने वाले जाम की समस्या को लेकर भारतीय किसान यूनियन मंच के पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने उपजिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से ग्रामीणों ने समस्याओं के शीघ्र समाधान की मांग की। संगठन ने समाधान नहीं होने पर 20 सितंबर से तिलपता कंटेनर डिपो के मुख्य द्वार पर अनिश्चितकालीन धरना शुरू करने की चेतावनी दी है। भारतीय किसान यूनियन मंच के राष्ट्रीय महासचिव मास्टर मनिंदर भाटी ने बताया कि तिलपता गांव में पिछले कई वर्षों से जलभराव, गंदगी, खराब सड़क और अव्यवस्थित यातायात की समस्या बनी हुई है। ग्रामीण करीब पांच वर्षों से जनप्रतिनिधियों और ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण को ज्ञापन व शिकायतों के माध्यम से समस्याओं से अवगत करा रहे हैं, लेकिन अपेक्षित समाधान नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि कंटेनर डिपो के कारण प्रतिदिन बड़ी संख्या में भारी वाहनों का आवागमन होता है। सड़क पर जगह-जगह गहरे गड्ढे, जलभराव और यातायात व्यवस्था प्रभावित होने से आसपास के गांवों के हजारों लोगों को आवागमन में परेशानी होती है। दुर्घटनाओं की आशंका भी बनी रहती है। किसान संगठन का कहना है कि यह समस्या केवल तिलपता गांव तक सीमित नहीं है, बल्कि आसपास के क्षेत्र और कंटेनर डिपो से जुड़े यातायात को भी प्रभावित कर रही है।

संपादकीय

जन्मदिन से जनसेवा तक, मोदी के 25 वर्षों का राजनीतिक पड़ाव

17 सितंबर 2026 का दिन भारतीय राजनीति में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 76वें जन्मदिन के कारण विशेष चर्चा में है। देश के अलग-अलग हिस्सों में उनके जन्मदिन को लेकर धार्मिक अनुष्ठान, सेवा कार्यक्रम, स्वच्छता अभियान, रक्तदान शिविर, दीप प्रज्ज्वलन और जनसंपर्क कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। वाराणसी से लेकर वडनगर तक उत्सव का वातावरण दिखाई दे रहा है। लेकिन इस पूरे आयोजन को केवल जन्मदिन के उत्सव के रूप में देखना इस दिन के व्यापक राजनीतिक और सामाजिक संदर्भ को सीमित कर देना होगा। इस वर्ष प्रधानमंत्री के जन्मदिन के साथ उनके सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूरे होने का प्रसंग भी जुड़ा है। यही कारण है कि भारतीय जनता पार्टी ने 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक सेवा संकल्प अभियान के रूप में व्यापक कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की है।

काशी में आज का दृश्य इस पूरे आयोजन की व्यापकता को सामने रखता है। प्रधानमंत्री की संसदीय सीट वाराणसी में काशी विश्वनाथ मंदिर में विशेष पूजा अर्चना हुई। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान सहित कई प्रमुख नेता इस धार्मिक कार्यक्रम में शामिल हुए। प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर काशी में विशेष अनुष्ठानों के साथ सेवा और जनभागीदारी से जुड़े कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। इससे यह स्पष्ट है कि प्रधानमंत्री के राजनीतिक जीवन के इस पड़ाव को केवल एक व्यक्ति के जन्मदिन के बजाय एक लंबे सार्वजनिक सफर से जोड़कर प्रस्तुत किया जा रहा है।

वडनगर, जहां नरेंद्र मोदी का जन्म हुआ था, वहां भी जन्मदिन के अवसर पर बड़े कार्यक्रम आयोजित हुए। गृह मंत्री अमित शाह ने वडनगर में धार्मिक कार्यक्रमों में भाग लिया। इसी क्रम में वडनगर से वाराणसी तक मोटरसाइकिल यात्रा शुरू की गई है, जिसे प्रधानमंत्री के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूरे होने के अवसर से जोड़ा गया है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार यह यात्रा कई राज्यों, जिलों और गांवों से होकर गुजरेगी और 7 अक्टूबर को वाराणसी पहुंचने की योजना है। गुजरात में बड़े पैमाने पर दीप प्रज्ज्वलन के कार्यक्रम भी रखे गए हैं।

प्रधानमंत्री का जन्मदिन पिछले कई वर्षों से राजनीतिक कैलेंडर में एक महत्वपूर्ण अवसर बन चुका है। इस बार इसकी अवधि और स्वरूप अधिक व्यापक दिखाई दे रहा है। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत स्वास्थ्य, स्वच्छता, रक्तदान, जनकल्याण और सामाजिक भागीदारी जैसे विषयों को प्रमुखता दी जा रही है। राजनीतिक दलों के लिए ऐसे अवसर जनसंपर्क का माध्यम भी होते हैं और कार्यकताओं को संगठनात्मक गतिविधियों से जोड़ने का अवसर भी देते हैं। इसलिए इस अभियान को केवल उत्सव मानने के बजाय भारतीय राजनीति में राजनीतिक नेतृत्व और जनभागीदारी के बदलते संबंधों के संदर्भ में देखना अधिक उपयोगी होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सार्वजनिक जीवन अब उस पड़ाव पर पहुंच चुका है जहां व्यक्ति से अधिक महत्वपूर्ण उनके कार्यकाल की निरंतरता, नीतियों का प्रभाव और भविष्य की दिशा पर होने वाली बहस है। 2001 में गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में राजनीतिक प्रशासन की जिम्मेदारी संभालने से लेकर 2014 में देश के प्रधानमंत्री बनने और 2024 में तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की जिम्मेदारी संभालने तक उनकी राजनीतिक यात्रा भारतीय लोकतंत्र के पिछले ढाई दशकों की महत्वपूर्ण कहानी का हिस्सा है।

~ मौलिक चिंतन ~

संत राजनीति को बदलें या न बदलें, राजनीति संतों को जरूर बदल देती है।

~~~~~~~~~

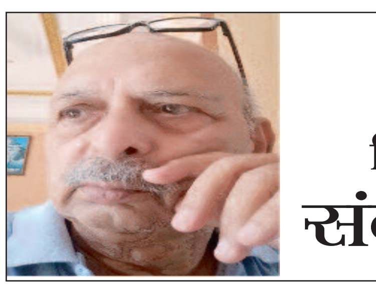

©

विनय संकोची

सेमीकॉन इंडिया 26 सिलिकॉन से सिस्टम तक विकसित भारत 2047 की नई उड़ान

विनोद सिंह 'तकियावाला

युवा इंजीनियरिंग, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सेमीकंडक्टर और विनिर्माण के संगम से बदल रही भारत की अर्थव्यवस्था; प्रधानमंत्री मोदी ने कहा -नीति से आगे बढ़कर अब भारत में बन रहे हैं चिप और वैश्विक बाजार तक पहुँच रही है, भारतीय तकनीक...

वैश्विक मानचित्र पर किसी देश की आर्थिक शक्ति का आकलन केवल उसकी सड़कों,रेल लाइनों, बंदरगाहों,गगनचुंबी इमारतों या डिजिटल नेटवर्क से नहीं होता। बल्कि आज के बदलते परिवेश में उस देश की असली ताकत इस बात से भी तय होती है कि वह नवीन तकनीकों का निर्माण कितना कर सकता है,जो इन सभी व्यवस्थाओं को संचालित करती हैं।आज की डिजिटल अर्थव्यवस्था में सेमीकंडक्टर ऐसी ही बुनियादी तकनीक बन चुका है। मोबाइल फोन से लेकर रेलवे, ऑटोमोबाइल, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, चिकित्सा उपकरण, रक्षा प्रणाली, अंतरिक्ष तकनीक और डेटा सेंटर तक शायद ही कोई आधुनिक क्षेत्र हो,जिसकी कार्यप्रणाली चिप के बिना पूरी हो सके। इसी बदलती वैश्विक तकनीकी व्यवस्था के बीच नई दिल्ली का यशोभूमि इन दिनों केवल एक प्रदर्शनी स्थल नहीं,बल्कि भारत की भावी आर्थिक और तकनीकी दिशा का साक्षी बना हुआ है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 17 सितंबर को सेमीकॉन इंडिया 2026 के पाँचवें संस्करण का उद्घाटन किया। 17 से 19 सितंबर तक चलने वाले इस इ सेमीकॉन इंडिया 2026 का विषय है–'सिलिकॉन से सिस्टम तक : इकोसिस्टम का निर्माण'। 52 देशों की भागीदारी, 600 से अधिक प्रदर्शक,150 से अधिक वक्ता छह देश मंडप और 12 राज्य मंडप इस आयोजन को वैश्विक तकनीकी संवाद का महत्वपूर्ण मंच बना रहे हैं। सर्व विदित रहे कि सेमीकॉन इंडिया 2026 का महत्व केवल इसकी भव्यता और वैश्विक भागीदारी में नहीं है।इसका वास्तविक महत्व उस परिवर्तन में छिपा है,जिसे प्रधानमंत्री मोदी ने अपने उद्घाटन संबोधन में रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि भारत की सेमीकंडक्टर यात्रा अब परियोजनाओं की घोषणा और निर्माण के चरण से आगे बढ़कर वाणिज्यिक उत्पादन तक पहुँच गई है।उनके अनुसार पहले सेमीकॉन आयोजन में नीतियों पर चर्चा हुई,फिर परियोजनाओं और शिलान्यास की बात आई,पिछले वर्ष पायलट लाइन और टेस्ट चिप की चर्चा हुई और अब भारतीय संयंत्रों से तैयार चिप ग्राहकों तक पहुँचने लगी है।यही बदलाव विकसित भारत 2047 की बड़ी तस्वीर को समझने की कुंजी भी है।भारत ने लंबे समय तक इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकंडक्टर के क्षेत्र में मुख्यतः उपभोक्ता बाजार के रूप में अपनी पहचान बनाई। मोबाइल फोन से लेकर इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों तक भारत में खपत तेजी से बढ़ी,लेकिन उसके पीछे लगने वाली चिप तकनीक का बड़ा हिस्सा बाहर से आता रहा।आज तस्वीर बदलने की कोशिश हो रही है।अब लक्ष्य केवल चिप का इस्तेमाल करना नहीं,बल्कि उसके डिजाइन से लेकर निर्माण,पैकेजिंग, परीक्षण, उपकरण,सामग्री और अंततः चिप से तैयार सिस्टम तक पूरी मूल्य श्रृंखला को भारत में मजबूत करना है।इसीलिए इस वर्ष का 'सिलिकॉन से सिस्टम तक' विषय अपने भीतर एक बड़ी आर्थिक कहानी समेटे हुए है। यशोभूमि में प्रदर्शित 'सैंड से सिलिकॉन से सिस्टम' मूल्य श्रृंखला यह दिखाती है कि भारत की महत्वाकांक्षा केवल किसी एक फैब या पैकेजिंग इकाई तक सीमित नहीं है।लक्ष्य एक ऐसा व्यापक पारिस्थितिकी तंत्र तैयार करना है,जिसमें डिजाइनर, इंजीनियर, निमार्ता,उपकरण कंपनियाँ,कच्चे माल के उत्पादक, शोध संस्थान, स्टार्टअप और अंतिम इलेक्ट्रॉनिक प्रणाली बनाने वाली कंपनियाँ एक-दूसरे से जुड़ें। यहीं से विकसित भारत 2047 का सपना सेमीकॉन इंडिया 2026 से जुड़ता है।

2047 में भारत अपनी स्वतंत्रता की शताब्दी मनाएगा। उस समय भारत की अर्थव्यवस्था कैसी होगी, उसकी वैश्विक तकनीकी भूमिका क्या होगी और उसके युवाओं के पास किस प्रकार के रोजगार होंगे,इन प्रश्नों के उत्तर आज की नीतियों और निवेश से तैयार होंगे।सेमीकंडक्टर क्षेत्र इस भविष्य की अर्थव्यवस्था के लिए इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह केवल एक उद्योग नहीं,बल्कि अनेक उद्योगों की आधारभूत तकनीक है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में भारत की इस यात्रा को नई गति मिलने की बात कही और यह भी रेखांकित किया कि भारत ने कुछ ही वर्षों में वह प्रगति की है,जिसमें सामान्यतः अधिक लंबा समय लगता है। उन्होंने भारत की सेमीकंडक्टर यात्रा को दूसरे चरण में प्रवेश करने वाला बताया।साथ ही उन्होंने उद्योग जगत से अनुसंधान एवं विकास में अधिक सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया और भारत तथा विदेशों में शोध कर रहे युवा वैज्ञानिकों और प्रतिभाओं को देश की उन्नत तकनीकी यात्रा से जुड़ने का आग्रह किया।युवा इंजीनियर इस पूरी कहानी का सबसे महत्वपूर्ण अध्याय हैं।सेमीकंडक्टर उद्योग में केवल पूंजी लगाने से कारखाना खड़ा नहीं होता। इसके लिए डिजाइन इंजीनियर, माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स विशेषज्ञ, सामग्री वैज्ञानिक, उपकरण इंजीनियर, सॉफ्टवेयर विशेषज्ञ, पैकेजिंग विशेषज्ञ,परीक्षण विशेषज्ञ और अनुसंधानकर्ता चाहिए। यही कारण है कि सेमीकॉन इंडिया 2026 में वर्कफोर्स डेवलपमेंट पवेलियन और छात्र हैकाथॉन जैसे कार्यक्रमों को भी स्थान दिया गया है।लगभग 40 स्टार्टअप वाला स्टार्टअप पवेलियन भी यह संदेश देता है कि भारत की सेमीकंडक्टर यात्रा केवल बड़ी कंपनियों की कहानी नहीं है।

प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में युवाओं को चिप डिजाइन का प्रशिक्षण दिए जाने और उन्हें स्वयं चिप डिजाइन करने के अवसर मिलने की चर्चा की।यह बदलाव बहुत महत्वपूर्ण है। इंजीनियरिंग की शिक्षा अब केवल डिग्री प्राप्त करने तक सीमित नहीं रह सकती।भारत को ऐसे इंजीनियर चाहिए जो समस्या को समझें,डिजाइन तैयार करें, प्रयोग करें,असफल हों और फिर नया समाधान विकसित करें। प्रयोगशाला से उद्योग और उद्योग से बाजार तक जाने वाली यही संस्कृति विकसित भारत की तकनीकी नींव बनेगी।सेमीकॉन 2.0 इसी दिशा में अगला कदम है।इस कार्यक्रम का जोर केवल बड़े सिलिकॉन फैब पर नहीं, बल्कि डिजाइन,विशेषीकृत फैब, उन्नत पैकेजिंग,उपकरण एवं घटक निर्माण,कच्चे माल, अनुसंधान एवं विकास तथा प्रतिभा निर्माण जैसे क्षेत्रों पर है। यानी सरकार अब पूरे पारिस्थितिकी तंत्र को विकसित करने की दिशा में बढ़ रही है। कार्यक्रम में चिप डिजाइन, उपकरण और सामग्री से लेकर अनुसंधान और कौशल तक अनेक स्तरों को समर्थन देने की व्यवस्था की गई है।इसका सीधा संबंध भारत की अर्थव्यवस्था से है।भारत को यदि 2047 तक विकसित अर्थव्यवस्था बनना है तो उसे उच्च मूल्य वाले विनिर्माण में अपनी हिस्सेदारी बढ़ानी होगी। सेवा क्षेत्र ने भारत को वैश्विक पहचान दी है,लेकिन आने वाले समय में विनिर्माण, इलेक्ट्रॉनिक्स,सेमीकंडक्टर, रक्षा उत्पादन, हरित ऊर्जा,अंतरिक्ष और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसे क्षेत्र आर्थिक विकास के नए इंजन बन सकते हैं।सेमीकंडक्टर इन सभी क्षेत्रों के बीच एक साझा कड़ी है।

एक चिप केवल एक छोटा इलेक्ट्रॉनिक घटक नहीं है। इसके पीछे डिजाइन सॉफ्टवेयर से लेकर अत्यंत शुद्ध सामग्री, विशेष मशीनें,र सायन, गैसें, परीक्षण प्रयोगशालाएँ, पैकेजिंग तकनीक और प्रशिक्षित मानव संसाधन की पूरी श्रृंखला होती है।इसलिए भारत में सेमीकंडक्टर उद्योग का विस्तार होने का अर्थ हजारों प्रत्यक्ष नौकरियों के साथ उससे जुड़े अनेक सहायक उद्योगों, सेवाओं और आपूर्ति श्रृंखलाओं का विकास भी है।इसीलिए सेमीकॉन इंडिया 2026 को रोजगार और युवा उद्यमिता के दृष्टिकोण से भी देखना आवश्यक है।अतीत के आने वाले वर्षों में चिप डिजाइन, एम्बेडेड सिस्टम, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, रोबोटिक्स, ऑटोमेशन, इलेक्ट्रिक वाहन, डेटा सेंटर और स्मार्ट विनिर्माण के क्षेत्र में नई विशेषज्ञता की मांग बढ़ेगी।भारत के इंजीनियरिंग संस्थानों के सामने यह अवसर है कि वे अपने पाठ्यक्रम और प्रयोगशालाओं को भविष्य की इन जरूरतों से जोड़ें।प्रधानमंत्री ने उद्योग से अनुसंधान एवं विकास की जिम्मेदारी अधिक सक्रियता से लेने का आह्वान भी इसी संदर्भ में किया।भारत के सामने सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक यह है कि शोध को प्रयोगशाला से बाजार तक पहुँचाने की गति कैसे बढ़ाई जाए। यदि विश्वविद्यालय में तैयार तकनीक उद्योग तक नहीं पहुँचती और उद्योग की समस्या शोध संस्थानों तक नहीं पहुँचती,तो दोनों की क्षमता का पूरा उपयोग नहीं हो पाता।सेमीकंडक्टर जैसे अत्याधुनिक क्षेत्र में यह दूरी और भी कम करनी होगी।भारत के लिए वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में बदलता परिदृश्य भी एक अवसर लेकर आया है।दुनिया अब ऐसे नए और भरोसेमंद स्थान चाहती है जहाँ महत्वपूर्ण तकनीकों का उत्पादन विविधीकृत रूप में किया जा सके।प्रधानमंत्री ने भी कहा कि दुनिया को चिप निर्माण के लिए नए और भरोसेमंद स्थानों की आवश्यकता है और भारत स्वयं को एक पसंदीदा गंतव्य बनाने के लिए आवश्यक कदम उठा रहा है। इस अवसर का लाभ केवल निवेश आकर्षित करके नहीं उठाया जा सकता।इसके लिए गुणवत्ता,समयबद्ध उत्पादन, विश्वसनीय ऊर्जा,पानी, लॉजिस्टिक्स,कुशल मानव संसाधन और अनुसंधान की मजबूत व्यवस्था चाहिए। .भारत में समर्पित माल गलियारों, औद्योगिक गलियारों, बंदरगाहों और डिजिटल बुनियादी ढाँचे का विस्तार इसी व्यापक औद्योगिक व्यवस्था का हिस्सा है। आधुनिक चिप उद्योग को जिस प्रकार की जटिल आपूर्ति श्रृंखला चाहिए, उसके लिए भौतिक और डिजिटल बुनियादी ढाँचा दोनों समान रूप से महत्वपूर्ण हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता इस पूरी कहानी को और बड़ा बना रही है। एआई के लिए उच्च क्षमता वाली कंप्यूटिंग,डेटा सेंटर और उन्नत चिप की आवश्यकता होगी। दूसरी ओर सेमीकंडक्टर उद्योग स्वयं एआई आधारित डिजाइन, परीक्षण और विनिर्माण तकनीकों से लाभ उठा सकता है।यानी एआई और सेमीकंडक्टर एक-दूसरे को गति देने वाले क्षेत्र बन सकते हैं।भारत यदि दोनों क्षेत्रों में अपनी युवा प्रतिभा को पर्याप्त अवसर देता है तो विकसित भारत की अर्थव्यवस्था में उच्च तकनीकी उद्योगों का महत्व और बढ़ सकता है। स्टार्टअप इस परिवर्तन के तीसरे महत्वपूर्ण स्तंभ हैं। सेमीकॉन इंडिया 2026 में लगभग 40 स्टार्टअप की भागीदारी यह बताती है कि चिप उद्योग का भविष्य केवल कुछ वैश्विक दिग्गज कंपनियों के हाथ में नहीं रहना चाहिए। चिप डिजाइन, सेंसर, इलेक्ट्रॉनिक्स, एम्बेडेड सिस्टम, परीक्षण और विशिष्ट औद्योगिक समाधान के क्षेत्र में छोटे और मध्यम उद्यम भी अपनी जगह बना सकते हैं।सेमीकॉन 2.0 में चिप डिजाइन स्टार्टअप और एमएसएमई के लिए वित्तीय तथा तकनीकी समर्थन की व्यवस्था इसी दिशा में है। यहाँ भारत की युवा शक्ति को एक नया अवसर दिखाई देता है।जिस देश में लाखों युवा इंजीनियर हर वर्ष तकनीकी संस्थानों से निकलते हैं,यदि उनमें से एक हिस्सा भी डीप-टेक और सेमीकंडक्टर स्टार्टअप की ओर जाता है तो आने वाले वर्षों में भारत केवल वैश्विक कंपनियों के लिए प्रतिभा उपलब्ध कराने वाला देश नहीं रहेगा,बल्कि स्वयं वैश्विक तकनीकी कंपनियाँ पैदा कर सकता है।इसी संदर्भ में प्रधानमंत्री का यह आग्रह महत्वपूर्ण है कि विदेशों में शोध कर रहे भारतीय युवा भी भारत की उन्नत तकनीकी यात्रा में योगदान दें। प्रतिभा का वैश्विक अनुभव भारत की घरेलू क्षमता के साथ जुड़े तो शोध,उद्योग और नवाचार के बीच एक नई श्रृंखला तैयार हो सकती है।भारत की आर्थिक यात्रा में यह परिवर्तन इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि विकसित भारत का अर्थ केवल अधिक बड़ा सकल घरेलू उत्पाद नहीं है।विकसित भारत का अर्थ ऐसी अर्थव्यवस्था भी है, जो महत्वपूर्ण तकनीकों के लिए पूरी तरह दूसरों पर निर्भर न हो,जो वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में अपनी भूमिका निभाए, जो उच्च कौशल वाले रोजगार पैदा करे और जो अपने युवाओं को केवल नौकरी खोजने वाला नहीं,बल्कि तकनीक और उद्योग का निमार्ता बनाए।सेमीकॉन इंडिया 2026 इसी बदलाव की एक जीवंत तस्वीर प्रस्तुत कर रहा है। यशोभूमि में एक ओर विश्व की बड़ी सेमीकंडक्टर कंपनियाँ हैं, दूसरी ओर भारतीय स्टार्टअप और युवा प्रतिभाएँ। एक ओर चिप निर्माण की मशीनें और उपकरण हैं, दूसरी ओर डिजाइन और अनुसंधान की नई संभावनाएँ।एक ओर वैश्विक निवेश और साझेदारी है, दूसरी ओर आत्मनिर्भर तकनीकी क्षमता की आकांक्षा।प्रधानमंत्री ने उद्घाटन के दौरान यह भी रेखांकित किया कि भारत की कहानी अब फाइलों और परियोजना घोषणाओं तक सीमित नहीं है।भारतीय संयंत्रों से वाणिज्यिक उत्पादन शुरू होना इस यात्रा के अगले चरण का संकेत है। सेमीकॉन 1.0 के तहत स्वीकृत 12 परियोजनाओं में से तीन इकाइयों के वाणिज्यिक उत्पादन में आने की जानकारी भी सामने आई है। अब चुनौती इस शुरूआती सफलता को व्यापक पारिस्थितिकी तंत्र में बदलने की है।यही वह बिंदु है जहाँ से सेमीकॉन इंडिया 2026 और विकसित भारत 2047 का रिश्ता सबसे स्पष्ट दिखाई देता है। 2047 का भारत यदि दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में अपनी जगह मजबूत करना चाहता है तो उसे केवल बाजार नहीं,बल्कि तकनीकी शक्ति भी बनना होगा। चिप उस तकनीकी शक्ति की बुनियादी इकाई है।भारत की युवा इंजीनियरिंग शक्ति इस परिवर्तन की धुरी बन सकती है। आज का इंजीनियर ही कल का चिप डिजाइनर, शोधकर्ता, उद्यमी, फैब विशेषज्ञ,एआई वैज्ञानिक या वैश्विक तकनीकी कंपनी का संस्थापक बन सकता है।आवश्यकता केवल इतनी है कि उसे गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, आधुनिक प्रयोगशाला,उद्योग से जुड़ने का अवसर,अनुसंधान का वातावरण और असफल होने के बाद फिर प्रयास करने की स्वतंत्रता मिले।सेमीकॉन इंडिया 2026 इसलिए एक आयोजन से कहीं अधिक है।यह भारत की उस यात्रा का प्रतीक है,जिसमें देश डिजिटल उपभोक्ता से डिजिटल निमार्ता,तकनीकी उपयोगकर्ता से तकनीकी नवप्रवर्तक और परियोजना प्रस्ताव से वाणिज्यिक उत्पादन की ओर बढ़ रहा है।

मोदी को 'धमकाना' ट्रंप को पड़ा भारी! रूसी तेल पर अमेरिका के नए दांव का भारत ने दिया करारा जवाब

नीरज कुमार दुबे

हम आपको बता दें कि जिस विधेयक को अमेरिकी कांग्रेस में पहली बार अप्रैल 2025 में पेश किया गया था, वह करीब डेढ़ साल तक अमेरिकी राजनीति और ट्रंप प्रशासन की प्राथमिकताओं के बीच अटका रहा। लेकिन इस महीने यानि सितंबर 2026 में तस्वीर अचानक बदल गई।

कहने को तो अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप नरेंद्र मोदी को अपना अच्छा दोस्त कहते हैं, लेकिन सच्चाई यह है कि शायद वह मोदी को अब तक अच्छे से जान ही नहीं पाए हैं। देखा जाये तो जो लोग नरेंद्र मोदी को जानते नहीं, वह अक्सर धमकियों, प्रतिबंधों और आर्थिक दबाव के सहारे उन्हें झुकाने का सपना देखते हैं। लेकिन मोदी का संकल्प साफ है कि भारत के हितों से समझौता नहीं होगा और देश को किसी विदेशी दबाव के आगे झुकने नहीं देना है। उनके हर फैसले में यही दृढ़ता दिखाई देती है। दूसरी ओर, ट्रंप ने अपने दूसरे कार्यकाल की शुरूआत से ही भारत पर दबाव बनाने के लिए शुल्क, व्यापारिक दबाव और रूस से तेल खरीद बंद कराने जैसी तमाम कोशिशें कीं, लेकिन नई दिल्ली ने हर बार अपने राष्ट्रीय हित को सर्वोच्च रखा। अब अमेरिका एक बार फिर टैरिफ रूपी आर्थिक हथियार लेकर मैदान में उतरा है, लेकिन मोदी सरकार ने भी बिना देर किए वाशिंगटन को साफ संदेश दे दिया है कि भारत की ऊर्जा सुरक्षा और आर्थिक हित किसी विदेशी दबाव की कीमत पर तय नहीं होंगे।

हम आपको बता दें कि जिस विधेयक को अमेरिकी कांग्रेस में पहली बार अप्रैल 2025 में पेश किया गया था, वह करीब डेढ़ साल तक अमेरिकी राजनीति और ट्रंप प्रशासन की प्राथमिकताओं के बीच अटका रहा। लेकिन इस महीने यानि सितंबर 2026 में तस्वीर अचानक बदल गई। भारत में आयोजित ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ सक्रिय कूटनीतिक भागीदारी के कुछ ही दिनों बाद अमेरिकी प्रतिनिधि सभा ने रूस और ईरान पर नए प्रतिबंधों वाला विधेयक पारित कर दिया। घटनाक्रम का समय भले ही संयोग हो, लेकिन संदेश बेहद स्पष्ट है कि वाशिंगटन रूस से जुड़े देशों पर आर्थिक दबाव बढ़ाने के लिए अब शुल्क को हथियार के रूप में इस्तेमाल करने को तैयार है।

लेकिन भारत ने भी अमेरिका को उसी क्षण जवाब दे दिया। भारतीय विदेश मंत्रालय ने दो टूक कहा कि भारत अपने 140 करोड़ नागरिकों की ऊर्जा सुरक्षा से कोई समझौता नहीं करेगा। मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि भारत बदलती बाजार परिस्थितियों के अनुसार अलग-अलग स्रोतों से ऊर्जा खरीदता रहेगा। इतना ही नहीं, नई दिल्ली ने अमेरिका को याद दिलाया कि इस कदम के भारत-अमेरिका संबंधों के साथ-साथ पूरे अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा बाजार पर पड़ने वाले संभावित प्रभावों के बारे में अमेरिकी पक्ष को पहले ही उच्च स्तर पर स्पष्ट रूप से बताया जा चुका है। इसके साथ ही विदेश मंत्रालय ने महत्वपूर्ण संदेश देते हुए कहा कि भारत अपने व्यापार और आर्थिक हितों की रक्षा के लिए सभी आवश्यक कदम उठाएगा। यानी अमेरिका शुल्क की धमकी दे सकता है, लेकिन भारत अपनी ऊर्जा सुरक्षा की कीमत पर किसी विदेशी दबाव के आगे झुकने के लिए तैयार नहीं है।

दरअसल, जिस विधेयक को अब ह्यलिंडसे ओ. ग्राहम रूस और ईरान प्रतिबंध अधिनियम 2026ह्व कहा जा रहा है, उसकी कहानी डेढ़ साल पुरानी है। अप्रैल 2025 में लिंडसे ग्राहम और रिचर्ड ब्लूमेंथल ने रूस के खिलाफ कड़े प्राथमिक और द्वितीयक प्रतिबंधों की पहल की थी। इसके बाद लंबे समय तक इसे कांग्रेस और प्रशासन के बीच समर्थन जुटाने की प्रक्रिया से गुजरना पड़ा। जुलाई 2026 में व्हाइट हाउस से सहमति बनने के बाद इसकी राह खुली। अगस्त में सीनेट ने इसे 86 के मुकाबले 11 मतों से पारित किया और 16 सितंबर को प्रतिनिधि सभा ने 262 के मुकाबले 159 मतों से इसे मंजूरी दे दी।

यह विधेयक अमेरिकी राष्ट्रपति को रूस के तेल और गैस के सबसे बड़े खरीदारों पर सौ प्रतिशत तक शुल्क लगाने का अधिकार देता है। भारत और चीन इसके निशाने पर हैं। इसके पीछे अमेरिकी रणनीति रूस की ऊर्जा आय को चोट पहुंचाने की है, ताकि यूक्रेन युद्ध के लिए मास्को को मिलने वाले आर्थिक संसाधनों पर दबाव बनाया जा सके। विधेयक में रूस के ऊर्जा और रक्षा क्षेत्रों के साथ-साथ प्रतिबंधों से बचने वाले उसके जहाजी बेड़े पर भी शिकंजा कसने का प्रावधान है। लेकिन अमेरिका शायद यह भूल रहा है कि भारत रूस से तेल किसी राजनीतिक एहसान के लिए नहीं खरीद रहा।

भारत की जरूरत है सस्ती, विश्वसनीय और लगातार उपलब्ध ऊर्जा। 2022 में रूस भारत के लिए कोई बड़ा तेल आपूर्तिकर्ता नहीं था। रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद यूरोप द्वारा रूसी तेल पर प्रतिबंध लगाए जाने से रूस का कच्चा तेल भारी छूट पर उपलब्ध हुआ और भारत ने अपने आर्थिक हित में इसे खरीदना शुरू किया। इसके बाद रूस भारत का सबसे बड़ा कच्चा तेल आपूर्तिकर्ता बन गया। वित्त वर्ष 2026 में भारत के कुल कच्चे तेल आयात में रूसी हिस्सेदारी 30.3 प्रतिशत रही और करीब 134.7 अरब डॉलर के कुल आयात में रूस से आने वाले तेल की कीमत 40.8 अरब डॉलर रही। जुलाई 2026 में तो भारत के आयातित तेल में रूसी हिस्सेदारी आधे से भी ज्यादा पहुंच गई।

इसके अलावा, आज वैश्विक परिस्थितियों को देखें तो वह भी सामान्य नहीं हैं। पश्चिम एशिया में युद्ध और आपूर्ति संकट ने तेल बाजार को बुरी तरह प्रभावित किया है। होर्मुज जलडमरूमध्य में बाधाएं हैं और वैकल्पिक आपूर्ति स्रोत भी दबाव में हैं। भारत 40 से अधिक देशों से कच्चा तेल खरीदता है, लेकिन रूस और पश्चिम एशिया उसकी ऊर्जा सुरक्षा के मुख्य आधार बने हुए हैं। ऐसे समय में अचानक रूसी तेल बंद करना केवल रूस के खिलाफ फैसला नहीं होगा, बल्कि भारत की अपनी ऊर्जा सुरक्षा पर सीधा असर डाल सकता है।

यही कारण है कि पिछले साल अमेरिकी दंडात्मक शुल्क भी भारत को रूसी तेल से पूरी तरह दूर नहीं कर सके। भारतीय रिफाइनरियों ने रूसी तेल की खरीद में बड़ी कटौती तब की जब रूस की प्रमुख तेल कंपनियों पर सीधे प्रतिबंध लगाए गए और व्यापार करना कठिन हो गया। लेकिन जैसे ही पश्चिम एशिया में आपूर्ति संकट गहराया, भारत ने फिर रूसी तेल की खरीद बढ़ा दी। जुलाई में रूसी तेल की खरीद अपने उच्चतम स्तर पर पहुंच गई। इससे एक बात साफ होती है कि भारत के लिए ऊर्जा सुरक्षा कोई सौदेबाजी का विषय नहीं है।

यहां इस पूरे घटनाक्रम का सामरिक महत्व सामने आता है। अमेरिका रूस पर आर्थिक दबाव बढ़ाना चाहता है। जबकि रूस भारत की ऊर्जा सुरक्षा का महत्वपूर्ण आधार बना हुआ है। चीन भी रूसी ऊर्जा का बड़ा खरीदार है। साथ ही भारत एक साथ अमेरिका, रूस, चीन, ईरान तथा पश्चिम एशिया के देशों के साथ अपने हितों का संतुलन साध रहा है। ऐसे में नई दिल्ली के सामने चुनौती किसी एक खेमे में जाने की नहीं, बल्कि अपनी रणनीतिक स्वायत्तता बचाए रखने की है।

इसके अलावा, ब्रिक्स सम्मेलन में मोदी की पुतिन और जिनपिंग के साथ बढ़ती कूटनीतिक निकटता ने जिस बदलती विश्व व्यवस्था की तस्वीर अमेरिका के सामने रखी, उसके कुछ ही दिनों बाद अमेरिकी कांग्रेस का रूस से तेल खरीदने वाले देशों पर शिकंजा कसने वाला कदम कई सवाल खड़े करता है। सवाल उठता है कि क्या वाशिंगटन को यह स्वीकार करना मुश्किल हो रहा है कि दुनिया अब उसकी शर्तों पर नहीं चलती? देखा जाये तो भारत, रूस और चीन का एक मंच पर आना और बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था तथा संप्रभु समानता की वकालत करना उस अमेरिकी वर्चस्ववादी सोच के लिए सीधी चुनौती है, जिसमें लंबे समय से आर्थिक ताकत को कूटनीतिक दबाव के हथियार की तरह इस्तेमाल किया जाता रहा है। लेकिन बदलती दुनिया का संदेश साफ है। भारत सहित उभरती शक्तियां अब अपने राष्ट्रीय हितों का फैसला किसी बाहरी राजधानी के इशारे पर नहीं करेंगी।

खैर...अब गेंद ट्रंप के पाले में है। अमेरिकी कांग्रेस ने उन्हें सौ प्रतिशत तक शुल्क लगाने की शक्ति दे दी है, लेकिन इसका अर्थ यह नहीं कि सौ प्रतिशत शुल्क स्वतः लागू हो गया। अंतिम निर्णय ट्रंप को करना है। शुल्क कितना होगा, किन वस्तुओं पर लागू होगा और कब लागू होगा, इन सबका असर भारत-अमेरिका व्यापार पर पड़ेगा। भारत का रुख स्पष्ट है कि ऊर्जा सुरक्षा से समझौता नहीं होगा, विकल्पों का विस्तार जारी रहेगा, अमेरिका से बातचीत जारी रहेगी और राष्ट्रीय हितों पर कोई एकतरफा समझौता नहीं होगा। अमेरिकी शुल्क चाहे जितना बड़ा हो, भारत के लिए असली सवाल किसी एक देश को खुश करना नहीं, बल्कि 140 करोड़ भारतीयों के लिए ऊर्जा, अर्थव्यवस्था और रणनीतिक स्वायत्तता सुरक्षित रखना है। विदेश मंत्रालय पहले ही अपना रुख स्पष्ट कर चुका है। भारत अपने व्यापार और आर्थिक हितों की रक्षा के लिए सभी आवश्यक कदम उठाएगा।
~~~~~~~~~

मधुमेह से बचाव में फायदेमंद होती है खड़े रहने की आदत

अक्सर स्वास्थ्य की बेहतरी के लिए चहलकदमी और व्यायाम का सुझाव दिया जाता है, लेकिन इस मामले में खड़े रहने की आदत भी मददगार साबित हो सकती है। एक हालिया अध्ययन के मुताबिक टाइप 2

फिनलैंड में हुए इस अध्ययन में खड़े रहने की आदत और बेहतर

रोजमर्रा की जिंदगी में खड़े होने का समय बढ़ाने से पुरानी बीमारियों को रोकने में मदद मिल सकती है।

एक हालिया अध्ययन के मुताबिक टाइप 2 मधुमेह से बचाव के मामले में खड़े रहना फायदेमंद होता है। फिनलैंड में हुए इस अध्ययन में खड़े रहने की आदत और बेहतर इंसुलिन संवेदनशीलता के बीच संबंध पाया गया है। इतना ही नहीं रोजमर्रा की जिंदगी में खड़े होने का समय बढ़ाने से पुरानी बीमारियों को रोकने में मदद मिल सकती है।

खराब इंसुलिन प्रणाली मधुमेह की वजह

एनर्जी मेटाबॉलिज्म और रक्त शर्करा के नियमन में इंसुलिन एक प्रमुख हार्मोन है। कई बार वजन अधिक होने से शरीर में इंसुलिन के सामान्य फंक्शन में गड़बड़ी हो सकती है, जिससे इंसुलिन संवेदनशीलता कम हो जाती है और टाइप 2 मधुमेह और हृदयरोगों का खतरा बढ़ जाता है। टाइप 2 मधुमेह दुनियाभर में सबसे आम जीवनशैली की बीमारियों में से एक है। इसकी शुरुआत आमतौर पर बिगड़ी हुई इंसुलिन संवेदनशीलता या इंसुलिन प्रतिरोध से होती है। यह एक ऐसी स्थिति होती है, जिसमें शरीर सामान्य रूप से इंसुलिन पर प्रतिक्रिया नहीं करता है और रक्त शर्करा का स्तर बढ़ जाता है।

गतिहीन व्यवहार से इंसुलिन प्रणाली प्रभावित

जीवनशैली का इंसुलिन में रुकावट और टाइप 2 मधुमेह के विकास पर एक गहरा प्रभाव पड़ता है। इन समस्याओं की रोकथाम में नियमित शारीरिक गतिविधि महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। हालांकि अब तक इंसुलिन की रुकावट पर गतिहीन व्यवहार, लगातार बैठे रहने के बीच ब्रेक और खड़े रहने की आदत के प्रभावों के बारे में बहुत कम जानकारी है। तुर्कू पीईटी सेंटर और यूकेके संस्थान के हालिया अध्ययन में शोधकर्ताओं ने इंसुलिन में बाधा और गतिहीन व्यवहार के बीच संबंध की जांच की। इसके

निष्क्रियता के साथ टाइप 2 मधुमेह और हृदयरोगों के विकास के बढ़ते जोखिमों को भी देखा।

अध्ययन में शोधकर्ताओं ने पाया कि रोजमर्रा की नियमित शारीरिक गतिविधि या बैठने के समय, फिटनेस स्तर से अलग स्वतंत्र रूप से खड़े रनहा बेहतर इंसुलिन संवेदनशीलता से जुड़ा

एवं तुर्कू विश्वविद्यालय के प्रोफेसर तारू गर्थवेट का कहना है कि अध्ययन के निष्कर्ष रोजाना बैठने के समय के एक हिस्से में लोगों को खड़े रहने के लिए प्रेरित करेंगे। खासकर अगर शारीरिक गतिविधि की जरूरतों को पूरा नहीं किया जाता है तो यह तरीका मददगार हो सकता है।

जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों की रोकथाम होगी

भी जोर देता है। अध्ययन परिणाम बताते हैं कि शारीरिक गतिविधि, फिटनेस या बैठने में लगने वाले समय की तुलना में शरीर में वसा के प्रतिशत में इजाफा इंसुलिन संवेदनशीलता के मामले में अधिक महत्वपूर्ण कारक है। दूसरी ओर खड़े होना शरीर की संरचना के बावजूद इंसुलिन संवेदनशीलता से जुड़ा था।

शोधकर्ताओं का कहना है कि नियमित व्यायाम को स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद माना जाता है।

मगर ऐसा लगता है कि शारीरिक गतिविधि, फिटनेस और गतिहीन व्यवहार भी इंसुलिन मेटाबॉलिज्म से जुड़े हुए हैं, लेकिन परोक्ष रूप से यह शरीर की संरचना पर उनके प्रभाव के माध्यम से जुड़े हैं। जर्नल ऑफ साइंस एंड मेडिसिन इन स्पोर्ट में प्रकाशित इस अध्ययन के आधार पर अभी तक कारण प्रभावों का अनुमान नहीं लगाया जा सका है। लेकिन विशेषज्ञों के अनुसार परिणाम बताते हैं कि यदि पर्याप्त शारीरिक गतिविधि नहीं की जा रहीं तो रोजाना खड़े होने का समय बढ़ाने से जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों की रोकथाम में मदद मिल सकती है।

कम नींद लेने से हो सकती हैं गंभीर बीमारियां

कम सोने की वजह से इन लोगों को जो बीमारियां होती हैं, उसकी जानकारी कम ही लोगों को होती है। दरअसल, कई लोगों को तो यह मानना भी मुश्किल-सा लगता है कि कई वर्षों तक कम सोते रहने से कई गंभीर बीमारियां हो सकती हैं। हृदय संबंधी रोग, मधुमेह, स्ट्रोक इत्यादि जैसी अन्य गंभीर बीमरियां घंटों की सही नींद न लेने की वजह से हो सकती हैं।

एक रिपोर्ट के अनुसार 60% से ज्यादा भारतीय सोचते हैं कि नींद लेना कोई प्राथमिकता नहीं है। पिछले कुछ सालों में नींद के महत्व और आवश्यक नींद पूरी न होने से जुड़े खतरों के बारे में बताए जाने के बाद भी लोग नींद को उतनी अहमियत नहीं देते जितना कि व्यायाम को देते हैं। हाल ही में देशभर में हुए सर्वेक्षणों से पता चला है कि देश में नींद की कमी गंभीर चिंता का कारण क्यों है?

यहां तक देखा गया है कि लोगों को यह कहने में फख्र महसूस होता है कि वे 4-5 घंटे ही सोते हैं और अपने बाकी के सभी कामों को प्राथमिकता से करते हैं। यदि इस तरह के कम सोने वाले लोग अपनी नौकरी, व्यवसाय व घर-परिवार में कुशल हों तब तो ऐसे लोगों का उदाहरण दूसरे लोगों के लिए पेश किया जाता है कि 'देखो फलाना व्यक्ति ज्यादा सोने में समय बर्बाद नहीं करता है इसलिए तो उसने जीवन में इतना कुछ पा लिया है।'

यह बात और है कि आगे जाकर कम सोने की वजह से इन लोगों को जो बीमारियां होती हैं, उसकी जानकारी कम ही लोगों को होती है। दरअसल, कई लोगों को तो यह मानना भी मुश्किल-सा लगता है कि कई वर्षों तक कम सोते रहने से कई गंभीर बीमारियां हो सकती हैं। हृदय संबंधी रोग, मधुमेह, स्ट्रोक इत्यादि जैसी अन्य गंभीर बीमरियां घंटों की सही नींद न लेने की वजह से हो सकती हैं। हमारे देश में कई लोग आज भी ऐसे हैं, जो ये मानते हैं कि खर्राटे आना गहरी नींद की निशानी है। उन्हें यह समझाना चुनौतीपूर्ण काम है कि दरअसल खर्राटे आना भी एक गंभीर नींद विकारों के कारणों में से एक है।

एक अन्य हाल ही के सर्वेक्षण में यह भी पता चला है कि 19 फीसदी भारतीय वयस्कों की नींद में बाधा का कारण उनके काम करने की शिफ्ट का बदलते रहना है। 32% युवा वयस्क टेक्नोलॉजी के ज्यादा और देर रात तक प्रयोग की वजह से पूरी नींद नहीं ले पाते हैं।

एक वयस्क के लिए भी 7 से 9 घंटे की नींद बेहद जरूरी है। कई मामलों में जो लोग इतना सोते हैं उन्हें देखकर अन्य लोग ऐसे लोगों के लिए राय बना लेते हैं कि 'फलाना व्यक्ति आलसी व कमजोर है', तो कुछ लोगों को तो खुद ही यह कहने में शर्म महसूस होती है कि 'उन्हें इतना सोने की जरूरत है।' सिर्फ 1 दिन यदि आप 4-5 घंटे से कम सोते हैं, तब आपके शरीर की वे प्राकृतिक कोशिकाएं, जो कैंसर की कोशिकाओं पर हमला करके उन्हें खत्म करने में सक्षम होती हैं, 70% तक कम हो जाती हैं। आपको कैंसर पैदा करने वाली कोशिकाएं आपके शरीर में प्रतिदिन बनती हैं। रिपोर्ट के अनुसार नींद की कमी से आंत, प्रोस्टेट और स्तन कैंसर जैसी समस्याएं भी हो सकती हैं। कोशिश यह होनी चाहिए कि आप प्रतिदिन नियमित समय पर सोएं और नियमित समय पर उठें।

क्यों नहीं आती है आपको मीठी नींद

दिनभर की मेहनत और थकान के बाद एक सुहानी नींद पर आपका पूरा हक है लेकिन कई लोगों को बेवजह नींद न आने की शिकायत होती है। आइए मीठी नींद के लिए क्या करें जतन.

- रोज सुबह उठकर कसरत करनी चाहिए।
- अच्छी नींद लेने के लिए कभी भी दिन में न सोएं और सोने से कुछ देर पहले एल्कोहल या कैफीन का सेवन भूलकर भी न करें।
- धूम्रपान न करने से भी नींद अच्छी आती है क्योंकि सिगरेट में पाए जाने वाला निकोटिन नींद में बाधा उत्पन्न करता है।
- कई प्रकार के ड्रग्स भी आराम की नींद लेने में बाधक सिद्ध होते हैं।
- अगर आप शाम को कसरत करेंगे तो आपको सोने में परेशानी हो सकती है।
- जिन महिलाओं के शरीर में आयरन की कमी होती है उन्हें अक्सर नींद कम आती है। इसलिए शरीर में आयरन की कमी का विशेष ख्याल रखें।
- सुबह जब आप उठें तो सूर्य की तेज रोशनी को कमरे में अंदर आने दें। क्योंकि सही प्रकाश की वजह से शरीर को सही ऊर्जा मिलती है।
- एक बात और ध्यान रखें कि रात को सोते वक्त बेडरूम में रोशनी कम ही रहनी चाहिए, जिससे अच्छी और भरपूर नींद आ सके।

...तो जनाब अच्छी व गहरी नींद लीजिए और फिर जिंदगी को पूरी ऊर्जा के साथ जी लेने के लिए खुद को तैयार पाइए।

सूखा नारियल सेहत के लिए है कुदरत का वरदान

सूखे नारियल का इस्तेमाल घरों में खीर, आइसक्रीम, स्वीट डिश वगैरह में होता है। ज्यादातर लोग इसे स्वाद बढ़ाने के लिए रेसिपीज में इस्तेमाल करते हैं। हालांकि इसकी न्यूट्रीशनल वैल्यू काफी ज्यादा होती है। इस बात पर कम लोगों का ध्यान जाता है। नारियल आपके हार्ट और ब्रेन के लिए अच्छा होता है। साथ ही इसे चबाने से फेशियल एक्सरसाइज भी होती है। इसमें ऐंटी ऑक्सीडेंट्स पाए जाते हैं जो ओवरऑल हेल्थ के लिए बढ़िया होते हैं।

ऐंटीऑक्सिडेंट्स का भंडार

नारियल में फिनॉलिक कंपाउंड होते हैं, जो कि ऐंटीऑक्सीडेंट्स हैं। ये आपकी सेल्स के ऑक्सीडेटिव डैमेज को रोकते हैं। इसमें गैलिक एसिड, कैफिक एसिड, सैलिसिलिक एसिड, पी-कोम्यूरिक एसिड होता है। नारियल आपकी धमनियों में प्लाक बनने से रोकता है जो कि हार्ट ब्लॉकेज की वजह होती हैं।

कनेक्टिव टिश्यूज के लिए फायदेमंद

नारियल में कई ऐसे पोषक तत्व होते हैं जो आपके कनेक्टिव टिश्यूज को मजबूत बनाते हैं। नारियल को डायट में शामिल करने से गठिया और ऑस्टियोपोरोसिस जैसी समस्याएं होने का खतरा कम होता है। इसके अलावा ये स्किन के लिए भी अच्छा होता है।

आयरन की कमी को दूर करता है

महिलाओं में आयरन की कमी बड़ी समस्या है। सूखे नारियल में आयरन काफी मात्रा में पाया जाता है। डेली डायट में नारियल खाने से आयरन की कमी पूरी होती है। बच्चा पैदा होने के बाद महिलाओं को नारियल की कई मिठाइयां इसीलिए बनाकर खिलाई जाती हैं।

पोषकतत्वों का भंडार

सूखे नारियल में प्रोटीन, विटामिन्स, आयरन, कैल्शियम, मैग्नीज और सेलिनियम पाया जाता है। ये पोषक तत्व इम्यूनिटी मजबूत करके शरीर को रोगों से बचाते हैं।

दिमाग रखता है मजबूत

नारियल खाने से किसी का आईक्यू तो नहीं बदलता लेकिन आपके ब्रेन फंक्शन को सपोर्ट करता है। स्टडीज में सामने आ चुका है कि नारियल का तेल अल्जाइमर्स होने से रोकता है।

सेहत का रखना है ख्याल तो अर्जुन फल का करें इस्तेमाल

ऐसे कई लोग होते हैं जो सांसों की बदबू के कारण परेशान रहते हैं और ऐसे में उन्हें किसी से बात करने में भी शर्मिन्दगी महसूस करते हैं। अगर आपका नाम भी ऐसे ही लोगों की लिस्ट में शामिल है तो आप अर्जुन के फल का सेवन करें।

अर्जुन के वृक्ष को भारत में व्यापक रूप से उगाया जाता है। यह स्वास्थ्य के लिए बेहद ही गुणकारी माना गया है। दरअसल, इसमें एंटीऑक्सिडेंट, एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटीमाइक्रोबियल जैसे विभिन्न औषधीय गुण होते हैं। अर्जुन हृदय रोगों के जोखिम को कम करने में मदद करता है। यह हृदय की मांसपेशियों को मजबूत और टोन करता है और हृदय के समुचित कार्य में मदद करता है। इतना ही नहीं, यह उच्च रक्तचाप से लेकर दस्त, अस्थमा और खांसी आदि कई तरह की समस्याओं को दूर करने में सहायक है। अर्जुन के फल से मिलने वाले कुछ बेमिसाल फायदे -

सांसों की दुर्गंध से मिलता है छुटकारा

ऐसे कई लोग होते हैं जो सांसों की बदबू के कारण परेशान रहते हैं और ऐसे में उन्हें किसी से बात करने में भी शर्मिन्दगी महसूस करते हैं। अगर आपका नाम भी ऐसे ही लोगों की लिस्ट में शामिल है तो आप अर्जुन के फल का सेवन करें। इस फल में ऐसे होते हैं जो आपके मसूड़ों की समस्याओं और दांतों से खून बहने में भी मदद कर सकते हैं और आपको ताजा सांसें प्रदान करते हैं।

हड्डियों का रखते हैं ख्याल

अगर आप किसी किसी भी प्रकार की हड्डी की समस्या से पीड़ित हैं, तो आपको अपने आहार में अर्जुन फल को अवश्य शामिल करना चाहिए। आप इसका जूस बनाकर पी सकते हैं या इसे कच्चा खा सकते हैं। यह आपको ऑस्टियोपोरोसिस और गठिया जैसी हड्डियों की परेशानी में भी मदद कर सकता है।

ओरल हेल्थ की समस्याओं को करें दूर

अर्जुन फल खाने से वास्तव में आपकी मसूड़ों की समस्याओं को कम करने और दांतों के स्वास्थ्य में सुधार करने में मदद मिल सकती है। यह दांतों से खून बहने से लेकर दांत दर्द, मसूड़ों में दर्द या मसूड़ों से खून बहना आदि समस्याओं के उपचार में प्रभावी है। आप इस फल को जूस या कच्चा खा सकते हैं। इसके अलावा, अर्जुन के फल के पाउडर का सेवन भी कर सकते हैं और इसे पेस्ट के रूप में उस जगह पर लगा सकते हैं जहां आपको मसूड़े या दांतों की समस्या हो रही है। हालांकि, यह उपाय अपनाने से पहले एक बार डॉक्टर से परामर्श अवश्य लें।

सेंधा नमक को करें डाइट में शामिल, मिलेंगे जबरदस्त फायदे

सेंधा नमक कब्ज, हार्ट बर्न, सूजन, पेट दर्द आदि जैसी पाचन समस्याओं के लिए एक उत्कृष्ट घरेलू उपाय है। सेंधा नमक खनिजों और विटामिनों से भरपूर होता है, जो पाचन में सुधार करता है, मल त्याग को बढ़ावा देता है, और आंत से विषाक्त उत्पादों को साफ करने में मदद करता है।

नमक एक ऐसा इंग्रीडिएंट है, जिसका इस्तेमाल हम सभी नियमित रूप से करते हैं। यह भोजन में एक स्वाद शामिल करता है। नमक के बिना भोजन पकाने या उसे खाने की कल्पना भी हम नहीं कर सकते हैं। हालांकि घरों में लोग टेबल सॉल्ट का इस्तेमाल करते हैं। अगर आप नमक को अपने स्वास्थ्य के लिए लाभकारी बनाना चाहते हैं तो आज ही सेंधा नमक खाना शुरू कर दें। सेंधा नमक में सोडियम, पोटेशियम, आयरन, कैल्शियम, जिंक आदि तत्व पाए जाते हैं, जो सेहत को लाभ पहुंचाते हैं। आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति में सेंधा नमक का अत्यधिक महत्व है क्योंकि यह स्वस्थ त्वचा और बालों से लेकर वजन घटाने तक कई स्वास्थ्य लाभ प्रदान करता है। सेंधा नमक से मिलने वाले कुछ बेमिसाल फायदे -

पाचन तंत्र के लिए लाभदायक

सेंधा नमक कब्ज, हार्ट बर्न, सूजन, पेट दर्द आदि जैसी पाचन समस्याओं के लिए एक उत्कृष्ट घरेलू उपाय है। सेंधा नमक खनिजों और विटामिनों से भरपूर होता है, जो पाचन में सुधार करता है, मल त्याग को बढ़ावा देता है, और आंत से विषाक्त उत्पादों को साफ करने में मदद करता है। यह भूख की कमी की समस्या को सुधारने में भी मदद करता है।

प्रतिरक्षा प्रणाली को बढ़ाता है

सेंधा नमक विटामिन के से भरपूर होता है, जो आपकी हड्डियों को मजबूत बनाने में मदद करता है और आपकी प्रतिरोधक क्षमता को भी बढ़ाता है। यह शरीर की हड्डियों के चयापचय को भी बढ़ाता है, जो कई बीमारियों से बचाता है।

मांसपेशियों में ऐंठन से राहत

सेंधा नमक में सोडियम क्लोराइड का शुद्ध रूप और पोटेशियम जैसे पोषक तत्व होते हैं। इलेक्ट्रोलाइट पोटेशियम और नमक असंतुलन मांसपेशियों में ऐंठन के लिए एक जोखिम कारक हो सकता है। तो, सेंधा नमक पोटेशियम की कमी को संतुलित कर सकता है और मांसपेशियों में ऐंठन को रोक सकता है।

गले की खराश का करता है इलाज

गले में खराश के लिए खारे पानी से गरारे करना एक आम घरेलू उपाय है। सेंधा नमक में डिकॉन्गेस्टेंट गुण होते हैं जो आपकी बंद नाक, खांसी को दूर करने में मदद करते हैं। यह टॉन्सिलिटिस अस्थमा के लिए भी एक प्रसिद्ध उपाय है, और यह आपके फेफड़ों की क्षमता को बढ़ाने में मदद करता है।

रक्तचाप को करे बैलेंस

सेंधा नमक में पोटैशियम की मात्रा अधिक होती है जो रक्तचाप को नियंत्रित करने में मदद करता है। शोध बताते हैं कि सेंधा नमक रक्तचाप को संतुलित रखता है।

टाटा संस की कमान 5 साल और संभालेंगे एन चंद्रशेखरन

बोर्ड ने दूसरे कार्यकाल को मंजूरी दी

नई दिल्ली।

टाटा ग्रुप की कमान संभाल रहे एन चंद्रशेखरन अगले पांच साल भी टाटा संस के एग्जीक्यूटिव चेयरमैन बने रहेंगे। टाटा संस के बोर्ड ने गुरुवार को उनके नए कार्यकाल को मंजूरी दे दी। इसके साथ ही चंद्रशेखरन के नेतृत्व में टाटा ग्रुप की आगे की रणनीति और विस्तार को जारी रखने का रास्ता साफ हो गया है। दिलचस्प बात यह है कि चंद्रशेखरन ने टाटा ग्रुप के शीर्ष पद से अपने सफर की शुरुआत नहीं की थी। उन्होंने 1987 में ञष्टस् में इंटर्न के तौर पर करियर शुरू किया था। करीब तीन दशक बाद वे समूह की होल्डिंग कंपनी टाटा संस के चेयरमैन बने और अब उनके नेतृत्व का एक और पांच साल का दौर शुरू होने जा रहा है। 2017 में संभाली थी टाटा संस की कमान चंद्रशेखरन ने 2017 में टाटा संस के चेयरमैन का पद संभाला था। उनके कार्यकाल में ग्रुप ने पारंपरिक कारोबार के साथ कई नए क्षेत्रों में भी विस्तार किया। एविएशन, सेमीकंडक्टर, इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग, बैटरी और डिजिटल बिजनेस जैसे क्षेत्रों में टाटा ग्रुप की गतिविधियां बढ़ीं। यानी समूह की रणनीति सिर्फ मौजूदा कंपनियों के कारोबार को बढ़ाने तक सीमित नहीं रही, बल्कि भविष्य के उद्योगों में भी हिस्सेदारी बढ़ाने पर जोर रहा।

करमतारा इंजीनियरिंग का शेयर 26 फीसदी बढ़त के साथ सूचीबद्ध

नई दिल्ली ।

नवीकरणीय ऊर्जा एवं बिजली पारेषण क्षेत्रों के लिए इंजीनियरिंग इस्पात उत्पाद बनाने वाली करमतारा इंजीनियरिंग का शेयर अपने 254 रुपये के निर्गम मूल्य के मुकाबले 26 प्रतिशत की बढ़त के साथ गुरुवार को बाजार में सूचीबद्ध हुआ। कंपनी के शेयर ने बीएसई और एनएसई दोनों पर 320 रुपये पर कारोबार शुरू किया, जो निर्गम मूल्य से 25.98 प्रतिशत की बढ़त है। कंपनी का बाजार मूल्यांकन 11,326.55 करोड़ रुपये रहा। करमतारा इंजीनियरिंग के 875 करोड़ रुपये के आईपीओ को पिछले सप्ताह शुक्रवार को शेयर बिक्री के अंतिम दिन 62.63 गुना अभिदान मिला था। आईपीओ का मूल्य दायरा 241-254 रुपये प्रति शेयर था। करमतारा इंजीनियरिंग ने बड़े (एंकर) निवेशकों से 262.50 करोड़ रुपये जुटाए हैं।

करमतारा इंजीनियरिंग घरेलू एवं विदेशी बाजारों के लिए पारेषण लाइन टावर, सौर ढांचे तथा ट्रैकर कलपुर्जों, पवन ऊर्जा ढांचों, संरचनात्मक इस्पात 'प्रोफाइल' और 'फास्टनर' सहित विभिन्न इंजीनियरिंग इस्पात उत्पादों का विनिर्माण करती है।

रूस पर अमेरिकी शिकंजा- तेल खरीदारों पर टैरिफ का अधिकार, भारत-चीन पर पड़ेगा असर

अमेरिकी प्रतिनिधि सभा ने रूस प्रतिबंध बिल को दी मंजूरी

वाशिंगटन।

अमेरिका के हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स ने रूस पर नए प्रतिबंध लगाने वाले एक महत्वपूर्ण विधेयक को मंजूरी दे दी है। इस बिल के कानून बनने पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को रूस से तेल और गैस खरीदने वाले देशों, जिनमें भारत और चीन भी शामिल हैं, पर भारी टैरिफ लगाने का अधिकार मिल सकता है। बुधवार शाम 262-159 वोटों से पारित हुए लिंडसे ओ. ग्राहम सैंक्शनिंग रूस एंड ईरान एक्ट ऑफ 2026 को अब राष्ट्रपति ट्रंप की मंजूरी का इंतजार है।

इस कानून का मुख्य उद्देश्य रूस के राजनीतिक नेतृत्व और उसके ऊर्जा क्षेत्र पर प्रतिबंधों को और कड़ा करना है। इसमें रूस की शैडो फ्लीट पर भी कार्रवाई का प्रावधान है, जिसका इस्तेमाल मॉस्को प्रतिबंधों से बचते हुए तेल बेचने के लिए करता है। विधेयक में राष्ट्रपति को उन देशों पर भारी टैरिफ लगाने का भी प्रस्ताव है, जो रूसी तेल और गैस पर अत्यधिक निर्भर हैं। इसका सीधा असर भारत और चीन जैसे बड़े खरीदारों पर पड़ सकता है, क्योंकि अमेरिकी सांसदों ने इन देशों से रूस के बजाय अन्य स्रोतों से तेल खरीदने का आग्रह किया है।

यह विधेयक पहले ही अमेरिकी सीनेट में 86-11 वोटों के भारी बहुमत से पारित हो चुका था। प्रतिनिधि सभा में इसे रिपब्लिकन और डेमोक्रेट दोनों सांसदों का समर्थन मिला, हालांकि डेमोक्रेट्स के एक वर्ग ने राष्ट्रपति को अतिरिक्त टैरिफ अधिकार देने के प्रावधान पर आपत्ति जताई थी। प्रतिनिधि सभा में यह मतदान ऐसे समय हुआ है जब अमेरिकी संसद का मौजूदा सत्र नवंबर में होने वाले चुनावों से पहले अपने अंतिम चरण में है। ट्रंप की मंजूरी के बाद यह कानून रूस से तेल और गैस खरीदने वाले देशों पर नए अमेरिकी टैरिफ का रास्ता खोल देगा।

शेयर बाजार सपाट बंद

सेंसेक्स 21 अंक गिरा, निफ्टी 53 उछल

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को मिले-जुले रुख के साथ बंद हुआ। आज दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के बीच ही जहां सेंसेक्स 22 अंक गिर, वहीं निफ्टी में हल्की बढ़त दर्ज की गयी। अमेरिकी फेडरल रिजर्व की नीतिगत बैठक के परिणामों के आंकलन से भी घरेलू शेयर बाजार पर विपरीत प्रभाव पड़ा । इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 21.86 अंक नीचे आकर 74,314.59 पर बंद हुआ, जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 53 अंक बढ़कर 23,270.60 पर पहुंच गया। आज कारोबार के दौरान व्यापक बाजारों में निफ्टी मिडकैप और निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स में 0.92 फीसदी और 0.76 फीसदी की तेजी रही। मिड-कैप और स्मॉल-कैप शेयरों का प्रदर्शन बेहतर बना रहा क्योंकि निवेशकों ने मजबूत कमाई की संभावना वाली कंपनियों को प्राथमिकता दी, खासकर कैपिटल गुड्स, इंडस्ट्रियल, डिफेंस, पावर और हेल्थकेयर सेक्टर में।सेक्टरवार देखें तो, निफ्टी रियल्टी, निफ्टी ऑटो और निफ्टी मेटल ने बेहतर प्रदर्शन किया, जबकि निफ्टी बैंक,

निफ्टी पीएसयू बैंक और निफ्टी प्राइवेट बैंक में सबसे ज्यादा गिरावट रही।

निफ्टी50 इंडेक्स में एचडीएफसी लाइफ के शेयरों में सबसे ज्यादा 5.05 फीसदी की तेजी रही। इसके साथ ही टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स (टीएमपीवी), एसबीआई लाइफ, डॉ. रेड्डीज लेबोरेटरीज, बीईएल, इंडिगो और टाटा स्टील के शेयर सबसे अधिक लाभ वाले शेयरों की सूची में शामिल रहे। जबकि इसके विपरीत ओएनजीसी, टाइटन, एचडीएफसी बैंक, एचयूएल, कोल इंडिया औरनेस्ले इंडिया के शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट दर्ज की गयी।

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को भारतीय रुपया 20 पैसे की बढ़त के साथ ही 95.71 पर बंद हुआ। वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच निवेशकों की कमजोर धारणा से रुपया शुरुआती कारोबार में 19 पैसे टूटकर 96 प्रति डॉलर से नीचे पहुंच गया। यह दो महीने से अधिक समय में पहली बार है जब रुपया इस स्तर से नीचे आया है। घरेलू मुद्रा ने हालांकि, बाद में शुरुआती गिरावट की कुछ भरपाई की और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के संभावित हस्तक्षेप के बाद 10 पैसे की बढ़त के साथ कारोबार करने लगा। विदेशी मुद्रा बाजार के विश्लेषकों के अनुसार, कच्चे तेल की कीमतें 105 डॉलर प्रति बैरल के आसपास ऊंची बनी हुई हैं और विदेशी बाजार में अमेरिकी मुद्रा भी मजबूत है। ऐसे में रुपये में काफी उतार-चढ़ाव रहने के आसार हैं।अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.88 प्रति डॉलर पर खुला। शुरुआती कारोबार में टूटकर 96.10 प्रति डॉलर पर आ गया जो पिछले बंद भाव से 19 पैसे की गिरावट है। रुपया 24 जुलाई के बाद पहली बार 96 के स्तर से नीचे आया।

एचआर प्रैक्टिसेज के लिए एलजी इंडिया को दो पुरस्कार

कंपनी को 'टॉप ऑर्गनाइजेशन', सीएचओ ज्वा नाम किम को 'मोस्ट इम्पैक्टफुल एचआर लीडर' सम्मान

नई दिल्ली ।

बेंगलुरु में आयोजित 25वें एशिया पैसिफिक एचआरएम कांग्रेस अवार्ड्स 2026 में एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया को एचआर प्रैक्टिसेज के लिए दो पुरस्कार मिले। कंपनी को 'टॉप ऑर्गनाइजेशन विद इनोवेटिव एचआर प्रैक्टिसेज' और उसके चीफ ह्यूमन रिसोर्सेज ऑफिसर (सीएचओ) ज्वा नाम किम को 'मोस्ट इम्पैक्टफुल एचआर लीडर' अवार्ड से सम्मानित किया गया। कंपनी के अनुसार, नेतृत्व विकास, संगठनात्मक क्षमता, कार्यस्थल संस्कृति, कर्मचारी अनुभव और टैलेंट डेवलपमेंट से जुड़ी पहलों के लिए यह सम्मान मिला। वहीं, ज्वा नाम किम को एचआर ट्रांसफॉर्मेशन और कर्मचारियों को बिजनेस ग्रोथ से जोड़ने में उनके नेतृत्व के लिए सम्मानित किया गया। ज्वा नाम किम ने कहा कि यह सम्मान एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया के कर्मचारियों को समर्पित है। उन्होंने कहा कि कंपनी की एचआर रणनीति बिजनेस ट्रांसफॉर्मेशन से जुड़ी है और आगे नेतृत्व विकास, कर्मचारी क्षमताओं व संगठनात्मक संस्कृति को मजबूत करने पर जोर रहेगा। कंपनी के मुताबिक, एलजी इंडिया को 2024 और 2025 में लगातार 'ग्रेट प्लेस टू वर्क' प्रमाणन मिला है। उसे नेशनल बेस्ट एम्प्लॉयर ब्रांड अवार्ड 2026, मोस्ट इनोवेटिव एलएंडडी प्रोग्राम अवार्ड 2026 और एचआर डिस्टिंक्शन डायमंड सम्मान भी मिल चुके हैं। ज्वा नाम किम को इससे पहले 'टॉप एचआर आइकॉनिक लीडर' अवार्ड से भी सम्मानित किया जा चुका है।

अमेरिकी विधेयक से भारत पर संकट, रूसी तेल खरीद पर 100 फीसदी शुल्क का खतरा

विशेषज्ञ बोले- ऊर्जा सुरक्षा से समझौता न करे भारत

नई दिल्ली ।

अमेरिका की प्रतिनिधि सभा ने एक महत्वपूर्ण विधेयक पारित किया है, जो राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को रूस पर प्रतिबंध लगाने और रूसी तेल एवं गैस खरीदने वाले देशों, विशेषकर भारत, पर 100 प्रतिशत तक का भारी शुल्क लगाने का अधिकार देता है। आर्थिक शोध संस्थान ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) ने इस कदम को भारत के लिए गंभीर आर्थिक चुनौती बताया है और चेताया है कि इसका वास्तविक असर अमेरिकी शुल्क की दरों और उत्पादों के दायरे की घोषणा के बाद ही पता चलेगा। लिंडसे ओ. ग्राहम सैंक्शनिंग रूस एंड ईरान एक्ट ऑफ 2026 नामक यह विधेयक बुधवार को अमेरिकी संसद के निचले सदन प्रतिनिधि सभा से 262-159 मतों से पारित हुआ है। इससे पहले सीनेट इसे पिछले महीने ही मंजूरी दे चुकी थी।

अब यह कानून राष्ट्रपति ट्रंप के हस्ताक्षर के लिए भेजा जाएगा, जिसके बाद उन्हें चीन, भारत और अन्य देशों पर कड़े शुल्क लगाने का अधिकार मिल जाएगा। इसका मुख्य उद्देश्य इन देशों को रूसी तेल एवं गैस पर अपनी निर्भरता कम करने के लिए मजबूर करना है। जीटीआरआई के अनुसार, यह कानून राष्ट्रपति को रूस के कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस के पांच सबसे बड़े खरीदार देशों से आने वाले सामान पर 100 प्रतिशत तक अतिरिक्त शुल्क लगाने की अनुमति देता है, जिसके संभावित निशाने पर भारत और चीन हैं। जीटीआरआई ने आगाह किया कि यह नया अमेरिकी कानून प्रतिबंधों को भारत के खिलाफ एक व्यापार हथियार में बदल देगा। उन्होंने कहा कि अमेरिका 100 प्रतिशत तक

शुल्क लगाने की धमकी देगा और फिर भारत द्वारा रूसी तेल की खरीद कम करने तथा बेहद असमान द्विपक्षीय व्यापार समझौते के तहत रियायतें स्वीकार करने पर कम शुल्क की पेशकश करेगा। भारत को अपनी ऊर्जा सुरक्षा से समझौता न करने की सलाह दी। उन्होंने जोर दिया कि रियायती रूसी कच्चे तेल ने भारत की आयात लागत को कम किया है, ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत किया है और मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने में मदद की है।

जब तक रूसी तेल व्यावसायिक रूप से प्रतिस्पर्धी बना रहता है, भारत को उसकी खरीद जारी रखनी चाहिए और एकतरफा व्यापार रियायतें दिए बिना अमेरिका के साथ मजबूती से बातचीत करनी चाहिए। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि भविष्य में अमेरिकी कार्रवाइयों से बचने के लिए कोई भी व्यापार समझौता या रूसी तेल खरीद रोकना पर्याप्त नहीं होगा।

इंडिगो ने बच्चों के किराए, लगेज व अन्य सेवाओं के शुल्क बढ़ाए

– दो साल से कम उम्र के बच्चों का किराया सीधे 1,000 रुपये बढ़ा

अहमदाबाद।

घरेलू हवाई यात्रा करने वालों के लिए बुरी खबर है। प्रमुख एयरलाइन इंडिगो ने अपने यात्रियों की जेब पर अतिरिक्त बोझ डालते हुए हवाई किराए और विभिन्न सेवाओं के शुल्कों में बढ़ोतरी की घोषणा की है। इंडिगो ने दो साल से कम उम्र के बच्चों के किराए में सीधा 1,000 रुपये का इजाफा किया है। अब माता-पिता को अपनी गोद में बच्चे को ले जाने के लिए 2,000 रुपये के बजाय 3,000 रुपये चुकाने होंगे, भले ही उन्हें अलग सीट आवंटित न की जाए। इस बढ़ोतरी से एयरलाइन को सालाना लगभग 90 करोड़ रुपये का अतिरिक्त राजस्व मिलने का अनुमान है, क्योंकि देशभर में हर साल 10 लाख से अधिक शिशु हवाई यात्रा करते हैं। किराए के अलावा, इंडिगो ने अन्य सेवाओं के शुल्क में भी वृद्धि की है। घरेलू उड़ानों पर अतिरिक्त सामान का शुल्क 700 रुपये प्रति किलो से बढ़ाकर 800 रुपये प्रति किलोग्राम कर दिया गया है। इसके साथ ही, अकेले यात्रा करने वाले बच्चों का शुल्क 5,000 रुपये से बढ़कर 5,999 रुपये और प्राथमिकता चेक-इन व बोर्डिंग का शुल्क 450 रुपये से 650 रुपये हो गया है। ट्रेवल सर्टिफिकेट जैसे अन्य शुल्कों में भी वृद्धि की गई है।

एनएसई का मेगा आईपीओ खुला, पहले दिन 9 फीसदी अभिदान मिला

नई दिल्ली ।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया (एनएसई) का 22,569 करोड़ रुपए का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) गुरुवार को अभिदान के लिए खुल गया है। बोली के पहले दिन इसे कुल नौ प्रतिशत अभिदान मिला, जो इस वर्ष का दूसरा सबसे बड़ा सार्वजनिक निर्गम है। बीएसई आंकड़ों के अनुसार, गैर-संस्थागत श्रेणी में 15 प्रतिशत और खुदरा निवेशकों के लिए आरक्षित हिस्से में 12 प्रतिशत बोली लगी।

इससे पहले एनएसई ने बुधवार को एलआईसी, गोल्डमैन सैक्स और फिडेलिटी जैसे प्रमुख एंकर निवेशकों से 6,746 करोड़ रुपए जुटाए। सॉवरेन वेल्थ फंड जीआईसी सिंगापुर और अबू धाबी इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी भी इनमें शामिल थे। मौजूदा शेयरधारकों द्वारा 12.64 करोड़ शेयरों की बिक्री पेशकश वाला यह निर्गम हुंडई मोटर इंडिया के आईपीओ के बाद दूसरा सबसे बड़ा है। एनएसई ने प्रति शेयर 1,700-1,785 रुपए का मूल्य दायरा रखा है।

एनएसई आईपीओ बाजार में दबदबा,आय पर दबाव का साया

खुदरा निवेशकों के लिए खुला इश्यू; उच्च मूल्यांकन, घटते डेरिवेटिव वॉल्यूम से पैदा हुई चिंताएं

नई दिल्ली।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) गुरुवार से खुदरा निवेशकों के लिए खुल गया है। हालांकि, घटते डेरिवेटिव ट्रेडिंग वॉल्यूम और उच्च मूल्यांकन के कारण निवेशकों में सतर्कता का माहौल है, क्योंकि नियामक परिवर्तनों से इसकी कमाई पर असर पड़ा है। एनएसई आईपीओ का मूल्यांकन वित्त वर्ष 2027-28 की अनुमानित कमाई के 35-38 गुना पर है, जो वैश्विक एक्सचेंजों से कहीं अधिक है। डेरिवेटिव ट्रेडिंग में कमी के चलते मार्च 2026 में समाप्त वित्त वर्ष में परिचालन राजस्व 3.1 फीसदी और मुनाफा 15.5 फीसदी गिर गया। बाजार हिस्सेदारी में एनएसई बेहद मजबूत है, कैश-मार्केट टर्नओवर में 92.99 फीसदी और इक्विटी फ्यूचर्स में 99.79 फीसदी हिस्सेदारी है। जून 2026 तिमाही में 4,560 करोड़ रुपये का परिचालन राजस्व और 3,121 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया। हालांकि, एनएसई राजस्व का 80 फीसदी ट्रेडिंग से (जिसमें 60 फीसदी ऑप्शंस से आता है) प्राप्त करता है। नए नियमों के कारण ऑप्शंस वॉल्यूम 27 फीसदी तक गिरे हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, नियामक उपायों से वित्त वर्ष 27 में वृद्धि लगभग 5

फीसदी तक धीमी रह सकती है। खुदरा निवेशकों को अब यह तय करना है कि वे आईपीओ में दांव लगाएं या लिस्टिंग के बाद सेकेंडरी मार्केट से शेयर खरीदें।

भारत प्रमुख बाजार, चिप क्षेत्र वृद्धि के लिए तैयार-इन्फिनियॉन

नई दिल्ली ।

जर्मनी की सेमीकंडक्टर कंपनी इन्फिनियॉन टेक्नोलॉजीज के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने भारत को एक 'बेहद महत्वपूर्ण' बाजार बताया है। उन्होंने कहा कि देश का चिप परिवेश आर्थिक वृद्धि, उद्योग के विस्तार और बढ़ती तकनीकी क्षमताओं के दम पर एक नए तथा रोमांचक दौर में प्रवेश कर रहा है। 'सेमीकॉन इंडिया 2026' में बोलते हुए हैनेबेक ने कहा कि इन्फिनियॉन का भारत में भरोसा अटूट है, और देश वैश्विक सेमीकंडक्टर मूल्य श्रृंखला में अपनी भूमिका मजबूत कर रहा है। कंपनी 1,200 से अधिक ग्राहकों के साथ काम करती है, और भारत की तेजी से हो रही प्रगति तथा वैश्विक नवाचार में योगदान से प्रभावित है। इन्फिनियॉन 25 साल से अधिक समय से भारत में है। उसने पिछले एक साल में अपने कर्मचारियों की संख्या 28 प्रतिशत बढ़ाकर 2,800 से अधिक कर दी है, जो अहमदाबाद, बेंगलुरु व हैदराबाद में कार्यरत हैं।

एमडीआर लागू होने से डिजिटल भुगतान और बैंकिंग उद्योग की आय में होगी बढ़ोतरी?

वित्त वर्ष 2027-28 में करीब 180 करोड़ रुपए की अतिरिक्त आय होने का अनुमान

नई दिल्ली।

यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) लेनदेन पर छह साल बाद एक बार फिर मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) लागू होने से डिजिटल भुगतान और बैंकिंग उद्योग की आय में 15,000 से 20,600 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी हो सकती है। यह अनुमान ब्रोकरेज कंपनियों ने लगाया है।

एमडीआर वह शुल्क है जो डिजिटल भुगतान स्वीकार करने के लिए दुकानदारों से लिया जाता है। एमडीआर 2,000 रुपए से ज्यादा के पीयर-टु-मर्चेंट (पी2एम) यानी ग्राहक से कारोबारी को किए जाने वाले यूपीआई लेनदेन पर लागू होगा। गोल्डमैन सैक्स के मुताबिक 26 अगस्त के लेनदेन स्तर को आधार मानें तो कुल यूपीआई पी2एम लेनदेन मूल्य का करीब 48 फीसदी हिस्सा एमडीआर के दायरे में आता है।

इससे उद्योग के लिए करीब 20,600 करोड़ रुपए की आय का मौका है। सिटी ने सालाना 16 से 17 हजार करोड़ रुपए की अतिरिक्त आय का अनुमान लगाया है। वहीं, जेफरीज ने उद्योग के लिए 15 से 18 हजार करोड़ रुपए की आय का होने की संभावना जताई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एमडीआर से होने वाली आय यूपीआई व्यवस्था से जुड़े अलग-अलग पक्षों के बीच बांटी जाएगी। इनमें पीएसपी बैंक, यूपीआई ऐप प्रदाता के साथ वे दोनों बैंक शामिल हैं जिनसे रकम निकलेगी और जिनमें रकम पहुंचेगी। गोल्डमैन सैक्स के अनुमान के मुताबिक कुल आय में से 50 फीसदी हिस्सा भुगतान जारी करने वाले बैंकों और पीएसपी को, 20 फीसदी थर्ड पार्टी ऐप प्रदाता को और 30 फीसदी भुगतान लेने वाले बैंकों को मिलेगा।

सिटी के अनुमान के मुताबिक अतिरिक्त आय का करीब 60 फीसदी हिस्सा जारी करने वाले और लेने वाले बैंकों या यूपीआई हैंडल के जरिये बैंकिंग क्षेत्र को मिलेगा। करीब 25 फीसदी आय यूपीआई ऐप प्रदाताओं और बाकी 15 फीसदी गैर-बैंक पेमेंट एग्रीगेटरों को मिलने की संभावना है।

लोन जमा नहीं होने पर बैंक या एनबीएफसी गाड़ी को जबरदस्ती नहीं उठा सकते

सुप्रीम कोर्ट ने कहा-गाड़ी जब्त करने से पहले तय प्रक्रिया का पालन करना होगा

नई दिल्ली।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि लोन डिफॉल्ट होने पर बैंक या एनबीएफसी को गाड़ी वापस लेने का अधिकार हो सकता है, लेकिन वे इसके लिए मनमाना या जबरदस्ती का तरीका नहीं अपना सकते। गाड़ी जब्त करने से पहले तय प्रक्रिया और उचित नोटिस का पालन करना होगा यानी सिर्फ ईएमआई नहीं भरने का मतलब यह नहीं है कि फाइनेंस कंपनी रात में गाड़ी उठाकर ले जाए। बता दें यह मामला यूपी के एक ट्रक मालिक से जुड़ा है। उसने कमर्शियल ट्रक खरीदने के लिए चोलमंडलम इन्वेस्टमेंट एंड फाइनेंस कंपनी से लोन लिया था। कुछ समय बाद वह किस्तें नहीं चुका पाया।

कंपनी ने नोटिस दिया और ट्रक अपने कब्जे में ले लिया। बाद में ग्राहक ने एकमुश्त रकम जमा की तो उसे ट्रक वापस मिल गया। इसके बाद फिर लोन की किस्तें नहीं चुकाई गईं। ग्राहक के मुताबिक 9 अप्रैल 2023 की रात करीब एक बजे अयोध्या में सामान पहुंचाने के बाद खड़े ट्रक का स्टीयरिंग लॉक चार अज्ञात लोगों ने तोड़ा और ट्रक लेकर चले गए। उसका कहना था कि उसे इस कार्रवाई से पहले नोटिस नहीं दिया गया था1 बाद में ट्रक बेच दिया गया। रिपोर्ट के मुताबिक जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस आलोक अराधे की बेंच ने कहा कि फाइनेंसर के पास लोन की शर्तों के तहत गाड़ी वापस लेने का अधिकार हो सकता है, लेकिन इस अधिकार का मतलब यह नहीं है कि बैंक या फाइनेंस कंपनी बल प्रयोग करके या चोरी-छिपे वाहन कब्जे में ले सकती है। कोर्ट ने साफ किया कि वसूली के लिए कानूनी रास्ता अपनाना होगा। रात में ताला तोड़ना, जबरदस्ती गाड़ी ले जाना या लोगों के जरिए दबाव बनाना सही तरीका नहीं है। कोर्ट ने इस मामले में कंपनी को ग्राहक के अधिकारों के उल्लंघन के लिए मुआवजा देने का आदेश दिया। आरबीआई के पुराने दिशानिर्देशों में भी लोन वसूली के दौरान ग्राहक को अनावश्यक रूप से परेशान करने, गलत समय पर संपर्क करने और बल प्रयोग करने से बचने को कहा गया है।

संक्षिप्त समाचार

डब्ल्यूबीबीएल के 12वें सीजन में भी मेलबर्न रेनेगेड्स के लिए खेलेंगी डिएंड्रा डॉटिन

मेलबर्न । आगामी विमेंस बिग बैश लीग (डब्ल्यूबीबीएल) सीजन से पहले मेलबर्न रेनेगेड्स को बड़ी राहत मिली है। वेस्टइंडीज की स्टार ऑलराउंडर डिएंड्रा डॉटिन ने एक और सीजन टीम रेनेगेड्स की तरफ से खेलने की पुष्टि की है। टी20 क्रिकेट की सबसे दमदार ऑलराउंडरों में से एक मानी जाने वाली डॉटिन डब्ल्यूबीबीएल 11 में टीम के सभी मैचों में खेलने के बाद रेनेगेड्स के साथ अपना तीसरा सीजन शुरू करेंगी। उनकी वापसी रेनेगेड्स द्वारा वेस्टइंडीज की ऑलराउंडर हेली मैथ्यूज के साथ फिर से करार करने के बाद हुई है।

इस जोड़ी ने डब्ल्यूबीबीएल 10 में मेलबर्न की पहली डब्ल्यूबीबीएल खिताबी जीत में अहम भूमिका निभाई थी और अब आगामी सीजन के लिए वे फिर से एक साथ (रेड जर्सी में) खेलेंगी। चोट के कारण मैथ्यूज डब्ल्यूबीबीएल के 11वें सीजन नहीं खेल पाई थीं, जबकि डॉटिन रेनेगेड्स के अभियान का अहम हिस्सा बनी रहीं।
मेलबर्न रेनेगेड्स के हाई परफॉर्मेंस मैनेजर विलंट मैके ने डॉटिन की वापसी का स्वागत करते हुए कहा कि वेस्टइंडीज की यह स्टार खिलाड़ी टीम में काफी अनुभव और मैच जिताने की काबिलियत लाएगी। मैके ने कहा, डिएंड्रा दुनिया की सबसे असरदार खिलाड़ियों में से एक हैं और हम मेलबर्न रेनेगेड्स में उनकी वापसी का स्वागत करते हुए बहुत खुश हैं।

चोट से वापसी के बाद आत्मविश्वास की जरूरत होती है: नीतीश रेड्डी

नई दिल्ली । अफगानिस्तान के खिलाफ खेले गए दूसरे टी20 इंटरनेशनल मुकाबले में चोट से वापसी कर रहे नीतीश कुमार रेड्डी को एक बड़ा बूस्ट मिला। नीतीश ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 3 विकेट अपने नाम किए, जिसके लिए उन्हें 'प्लेयर ऑफ द मैच' भी चुना गया। सीरीज के पहले मैच में औसत प्रदर्शन के बाद, नीतीश ने कहा कि दूसरे मैच में मिले अच्छे प्रदर्शन से उन्हें वह आत्मविश्वास

मिला जिसकी उन्हें वापसी के दौरान जरूरत थी। नीतीश ने बुधवार को बीसीसीआई के एक वीडियो में कहा, 'बहुत अच्छा लग रहा है। चोट से वापसी करने वाले हर खिलाड़ी को आत्मविश्वास की जरूरत होती है। सच कहूं तो, पहला मैच मेरे लिए उतना अच्छा नहीं रहा था, लेकिन दूसरे मैच में अपने प्रदर्शन से बहुत खुश हूं, क्योंकि किसी भी खिलाड़ी को ऐसे आत्मविश्वास की जरूरत होती है और मुझे उम्मीद है कि मैं इस आत्मविश्वास को आगे भी बनाए रखूंगा।' नीतीश ने 24 रन देकर 3 विकेट चटकाए। उन्होंने अहम भूमिका निभाते हुए भारत को अफगानिस्तान को 159/8 पर रोकने और फिर 7 विकेट शेष रहते हुए लक्ष्य हासिल करने में मदद की। 22 वर्षीय खिलाड़ी का यह शानदार प्रदर्शन ऐसे समय आया, जब उन्होंने हाल ही में बताया था कि फिटनेस हासिल करने के लिए उन्होंने बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में कड़ी मेहनत की थी।

सिंधु का नाम कोरिया ओपन सुपर सीरीज जीतने वाली पहली भारतीय शटलर के रूप में दर्ज है।

2017 में कोरिया ओपन सुपर सीरीज जीतने वाली

सिंधु बनीं भारत की पहली खिलाड़ी

नई दिल्ली । भारतीय बैडमिंटन की दुनिया में मौजूदा समय का सबसे बड़ा नाम पीवी सिंधु का है। सिंधु ने अपने बेहतरीन खेल की वैश्विक मंचों पर सफलता हासिल करते हुए देश का नाम रोशन किया है। दो ओलंपिक पदक जीत चुकी सिंधु का नाम कोरिया ओपन सुपर सीरीज जीतने वाली पहली भारतीय शटलर के रूप में दर्ज है। 17 सितंबर 2017 को पीवी सिंधु कोरिया ओपन सुपर सीरीज जीतने वाली पहली भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी बनी थीं। सिंधु ने फाइनल में जापान की नोजोमी ओकुहारा को एक घंटे 24 मिनट तक चले मुकाबले में 22-20, 21-11 और 21-18 से हराकर खिताब जीता था। 1991 में शुरू हुए इस टूर्नामेंट के 26 साल के इतिहास में सिंधु भारत की तरफ से पहली विजेता बनी थीं। हालांकि, इस सफलता से पहले ही सिंधु अपना अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक सफल बैडमिंटन खिलाड़ी के रूप में स्थापित कर चुकी थीं।

5 जुलाई 1995 को हैदराबाद में जन्मी सिंधु ने बैडमिंटन की दुनिया में बड़ी सफलता हासिल की है। वह भारत की सबसे सफल बैडमिंटन खिलाड़ी के रूप में प्रतिष्ठित हैं। सिंधु की उपलब्धियों पर गौर करें तो उन्होंने 2016 रियो ओलंपिक में रजत और 2020 टोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीता था। 2019 में वह महिला एकल में विश्व चैंपियन रही थीं। 2018 और 2022 कॉमनवेल्थ गेम्स में स्वर्ण पदक जीत चुकी हैं। सिंधु ने 2018 एशियन गेम्स में रजत और 2014 एशियन गेम्स में कांस्य पदक जीता था। वह बैडमिंटन वर्ल्ड चैंपियन बनने वाली पहली और इकलौती भारतीय हैं और ओलंपिक गेम्स में लगातार दो मेडल जीतने वाली भारत की दूसरी व्यक्तिगत खिलाड़ी हैं। 31 साल की सिंधु का एक बैडमिंटन खिलाड़ी के तौर पर सफर अभी भी जारी है। भारत सरकार पीवी सिंधु को बैडमिंटन के क्षेत्र में उनके योगदान को देखते हुए खेल रत्न, अर्जुन पुरस्कार, पद्मभूषण, और पद्मश्री से सम्मानित कर चुकी है।

6 शतक और 500 से अधिक विकेट लेने वाले इकलौते खिलाड़ी

नई दिल्ली, । भारत के दिग्गज स्पिनर्स का जब जिक्र होता है, तो उस लिस्ट में रविचंद्रन अश्विन का नाम भी शान से लिया जाता है। अश्विन ने अपने इंटरनेशनल करियर में वो तमाम उपलब्धियां हासिल कीं, जिसका सपना एक क्रिकेटर देखता है। अश्विन टेस्ट क्रिकेट में सबसे तेज 250 और 300 विकेट पूरे करने वाले गेंदबाज रहे।

अश्विन का जन्म 17 सितंबर, 1986 को चेन्नई में हुआ। अश्विन के पिता खुद एक मध्यम गति के गेंदबाज थे और पिता को देखकर ही अश्विन क्रिकेट से परिचित हुए। धीरे-धीरे अश्विन का लगाव क्रिकेट के प्रति बढ़ता चला गया। अश्विन अपने करियर की शुरुआत में सलामी बल्लेबाज हुआ करते थे।

हालांकि, 14 वर्ष की उम्र में अश्विन बुरी तरह से चोटिल हो गए थे, जिसके कारण उन्हें काफी समय तक क्रिकेट से दूर रहना पड़ा। इसके बाद अश्विन ने क्रिकेट के मैदान पर वापसी की, तो सलामी बल्लेबाज की

जगह भर चुकी थी। मां के कहने पर अश्विन ने स्पिन गेंदबाजी में हाथ आजमाए और जल्द ही वह इसमें रम गए।

अश्विन ने इसके बाद घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया। साल 2010 में उन्हें भारतीय टीम से बुलावा आया। जिम्बाब्वे के खिलाफ अश्विन ने वनडे फॉर्मेट में अपना इंटरनेशनल डेब्यू किया। इसी साल उन्होंने अपना टी20 इंटरनेशनल डेब्यू किया। वहीं, क्रिकेट के सबसे लंबे फॉर्मेट में अश्विन को डेब्यू करने का मौका 2011 में वेस्टइंडीज के खिलाफ मिला। अश्विन ने अपनी बेहतरीन गेंदबाजी के बूते जल्द ही भारतीय टीम में अपनी जगह पक्की कर ली।

अश्विन विश्व कप 2011 में चैंपियन बनी भारतीय टीम का हिस्सा भी रहे। वहीं, 2013 में उन्होंने एमएस धोनी की कप्तानी में टीम इंडिया को चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब जिताने में भी अहम भूमिका निभाई। अश्विन ने भारत के लिए खेले 106 टेस्ट मैचों में कुल 537 विकेट चटकाए।

एशियन गेम्स 2026

फातिमा सना की कप्तानी पारी

थाईलैंड को हराकर पाकिस्तान ने कटाया सेमीफाइनल का टिकट

निंगिन । पाकिस्तान महिला क्रिकेट टीम ने एशियन गेम्स 2026 के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। कोरोगी स्पोर्ट्स पार्क में खेले गए क्वार्टर फाइनल मुकाबले में पाकिस्तान ने थाईलैंड को 3 विकेट से हराया। झमाझम बारिश के चलते गीली आउटफील्ड के कारण इस मैच को 11-11 ओवर का किया गया। पहले बल्लेबाजी करते हुए थाईलैंड की बल्लेबाजों का प्रदर्शन दमदार रहा। उन्होंने 11 ओवर में 4 विकेट खोकर 91 रन

स्कोरोबोर्ड पर लगाए। टीम की तरफ से नानापत कोंचारोएनकाई ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 38 गेंदों में 49 रनों की दमदार पारी खेली। उन्होंने अपनी इस पारी में 7 चौके लगाए। वहीं, फन्निता माया ने 16 गेंदों में 15 रन बनाए, जबकि कप्तान नारुएमोल चाईवाई ने 3 गेंदों में 10 रन बनाए। पाकिस्तान की ओर से गेंदबाजी में कप्तान फातिमा सना का प्रदर्शन शानदार रहा। उन्होंने 3 ओवर के स्पेल में 22 रन देकर 2 विकेट चटकाए, जबकि नशरा संधू ने एक विकेट अपने नाम किया।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तान टीम को गुल फिरोजा और शवाल जुल्फिकार ने धमाकेदार शुरुआत दी। दोनों ने पहले विकेट के लिए सिर्फ 3.5 ओवर में 36 रन जोड़े। फिरोजा 13 गेंदों में 16 रन बनाकर आउट हुईं। वहीं, जुल्फिकार ने 178 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 14 गेंदों में 3 चौके और एक छक्के की मदद से 25 रन बनाए। आयशा जाफर बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सकीं और एक रन बनाकर आउट हुईं। पाकिस्तान का बल्लेबाजी क्रम अचानक से बुरी तरह से लड़खड़ा गया और टीम ने 11 रन जोड़कर अपने 4 विकेट गंवा दिए।

पाकिस्तान का नया ड्रामा

एशियन चैंपियंस ट्रॉफी के लिए हॉकी टीम को भारत भेजने से किया इनकार, न्यूट्रल वेन्यू की मांग

नई दिल्ली। पाकिस्तान ने भारत के साथ 'संवेदनशील द्विपक्षीय स्थिति' का हवाला देते हुए बुधवार को एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी (एसीटी) के लिए अपनी पुरुष राष्ट्रीय हॉकी टीम को भारत भेजने से इनकार कर दिया। साथ ही पाकिस्तान की तरफ से एशियाई हॉकी महासंघ (एएचएफ) से टूर्नामेंट या उसके सभी मुकाबलों को न्यूट्रल वेन्यू पर स्थानांतरित करने का अनुरोध किया। पाकिस्तान हॉकी महासंघ (पीएचएफ) ने कहा कि वह पुरुष एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में पाकिस्तान की निर्बाध और पूर्ण भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए तटस्थ स्थल चाहता है। बता दें कि यह टूर्नामेंट 27 अक्टूबर से पांच नवंबर तक मोहाली और जालंधर में आयोजित किया जाएगा। पीएचएफ के अंतरिम अध्यक्ष मोहिउद्दीन अहमद वानी ने एक बयान में कहा कि उन्होंने पूरे टूर्नामेंट या पाकिस्तान के सभी मुकाबलों को न्यूट्रल वेन्यू पर स्थानांतरित करने का अनुरोध किया है।

इशान किशन नंबर 1

अभिषेक शर्मा टॉप-5 में, 2026 में इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा 6 लगाने वाले फुल मेंबर्स टीम के शीर्ष-10 बैटर

नई दिल्ली। भारतीय टीम के विकेटकीपर-बल्लेबाज इशान किशन ने अफगानिस्तान के खिलाफ 3 मैचों की टी20 सीरीज के पहले दो मैचों में काफी अच्छी बल्लेबाजी की और साल 2026 में इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले (ये आंकड़े आईसीसी के फुल मेंबर्स टीम के खिलाड़ियों के ही हैं) बल्लेबाजों की लिस्ट में पहले नंबर पर आ गए। इशान किशन ने इस मामले में शिमरोन हेटमायर को पीछे छोड़ दिया जबकि इस लिस्ट में अभिषेक शर्मा टॉप-5 में शामिल हैं। इशान किशन ने साल 2026 में अब तक क्रिकेट के तीनों प्रारूपों (टेस्ट,वनडे,टी20आई) को मिलाकर कुल 30 मैच खेले हैं और इन मैचों में उन्होंने 52 छक्के लगाए हैं और वो खबर लिखे जाने तक इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में पहले नंबर पर आ गए हैं।

ज्यादा छक्के

- इशान किशन- 52 छक्के
- शिमरोन हेटमायर- 50 छक्के
- हैरी ब्रूक- 48 छक्के
- अभिषेक शर्मा- 42 छक्के
- डेवाल्ड ब्रेविस- 37 छक्के
- शिवम दुबे- 34 छक्के
- कॉनर एस्टरहुज़ेन- 32 छक्के
- संजू सैमसन- 32 छक्के
- दासुन शनाका- 30 छक्के
- तंजीद हसन- 30 छक्के
- शेरफेन रदरफोर्ड- 28 छक्के
- फिन एलन- 26 छक्के

क्रिकेटर पृथ्वी शॉ की सगाई टूटी

मंगेतर आकृति अग्रवाल ने अलग होने की घोषणा की

मुंबई । भारतीय क्रिकेट टीम से बाहर चल रहे सलामी बल्लेबाज पृथ्वी शॉ की पेशेवर जिंदगी के साथ-साथ निजी जिंदगी भी मुश्किलों से गुजर रही है। पृथ्वी एक बार फिर से अपनी निजी जिंदगी को लेकर चर्चा में हैं। पृथ्वी की मंगेतर आकृति अग्रवाल ने सोशल मीडिया के माध्यम से उनसे अलग होने की जानकारी साझा की है। आकृति ने इंस्टाग्राम के जरिए पृथ्वी शॉ से अलग होने की जानकारी दी। उन्होंने लिखा, 'भारी मन से, मैं यह बताना चाहती हूं कि मेरे मंगेतर और मैंने अपने भविष्य के लिए अलग-अलग लक्ष्यों और हालात की वजह से अलग होने का फैसला किया है। हम एक-दूसरे से जितना प्यार और परवाह करते हैं, हमने यह मान लिया है कि हमारे रास्ते साथ रहने के लिए नहीं बने हैं। अपनी जिम्मेदारियों और अभी जिन हालात का हम सामना कर रहे हैं, उन्हें देखते हुए हमने आपसी सहमति से अलग होने

का फैसला किया है।' आकृति ने आगे लिखा, 'मैं सच में हम दोनों के लिए आगे बढ़ने के लिए सबसे अच्छी शांति और खुशी की कामना करती हूं। मैं सभी से अनुरोध करती हूं कि इस मुश्किल समय में हमारी निजता का सम्मान करें और हमारे फैसले के पीछे के कारणों के बारे में अंदाजा लगाने से बचें। हमारी जगह को समझने और उसका सम्मान करने के लिए धन्यवाद।'

पृथ्वी शॉ और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर और अभिनेत्री आकृति अग्रवाल ने 8 मार्च, 2026 को सगाई की थी। पिछले कुछ दिनों से दोनों के रिश्तों में खटास की खबरें आ रही थीं। आकृति के सोशल मीडिया पोस्ट ने उस पर मुहर लगा दी है।

26 साल के पृथ्वी शॉ को एक समय भारतीय क्रिकेट का अगला तेंदुलकर माना जा रहा था। 2018 में मात्र 18 साल की उम्र में शॉ ने वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट में डेब्यू किया था और शतक लगाया था। हालांकि, बाद में उनके फॉर्म में गिरावट आई और वे टीम से बाहर हो गए। फिलहाल उन्हें घरेलू क्रिकेट और आईपीएल में भी अपनी जगह के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
व्यर्थ की भाग-दौड़ से बचा जाए तो अच्छा है। दुर्लभ स्वप्न साकार होंगे। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंग। शुभांक-2-4-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। मातृपक्ष के लोगो का सहयोग मिलेगा। शुभांक-5-7-9

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)
आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। उतावलेपन से बचें। मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। कामकाज की अधिकता रहेगी। शुभांक-3-6-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। व्यावसायिक उपक्रम में उलटफेर की शुरूआत हो सकती है। शुभांक-1-5-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
खान-पान में विशेष सावधानी बरतें। मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। वाहन चालन में सावधानी बरतें। बातचीत में संयम बरतें। शुभांक-4-7-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। परिवार के साथ मनोरांजनिक स्थल की यात्रा होगी। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। भविष्य की योजनाओं पर विचार विमर्श होगा। अपने आपको अधिक सक्रिय पायेगें। चिंतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी। शुभांक-5-8-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। शुभांक-4-6-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। शुभांक-1-4-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। शुभांक-2-4-5

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)
परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शुभांक-3-5-6

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताए भी बढ़ेगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। शुभांक-4-6-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। शुभांक-2-5-7

काकुरो पहेली - 4012

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

15 → 1 2 3 4 5; 24 ↓ 7 8 9

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो - 4011 का हल

हंसी के फूव्वारें

एक व्यक्ति ने होटल के मालिक को कहा- 'जनाब ! इस समय आपका बिल चुकाने के लिये मेरे पास पैसे नहीं हैं.'

'फिक्र न करें !' होटल का मालिक बोला- 'हम आपका नाम दीवार पर लिख देंगे. आप जब अगली बार आएं तो दे दीजिएगा.'

'मगर ऐसे तो सबको मालूम हो जायेगा !'

'कैसे मालूम होगा श्रीमान जी !' होटल के मालिक शान्त स्वर में बोला - 'नाम के ऊपर आपका कोट जो टंगा होगा.'

□ □ □

एक अंग्रेज ने, हिन्दुस्तानी आदमी से कहा कि 'तुम्हारी मूंछ तो बहुत अच्छी है, तुम मुझे यह दे दो मैं तुम्हें मुँह मांगा दाम दूँगा.' यह सुनते ही वह आदमी घर के अंदर गया और अपने सिर के बाल काट के लाकर के अंग्रेज के हाथ में दे दिए. बालों को देखकर अंग्रेज बोला कि 'यह क्या मैंने तो तुम्हारी मूंछ मांगी थी, तुम बाल क्यों ले आए?' अंग्रेज की बात सुनते ही उस व्यक्ति ने कहा कि 'माल हमेशा गोदाम से दिया जाता है न कि शोरूम से !'

□ □ □

जज- 'तुमने एक ही दुकान में चार बार चोरी क्यों की ?'

चोर- 'साहब पहली तीन बार मेरी बीवी को कोई साड़ी पसंद नहीं आई थी, इसलिए !'

फिल्म वर्ग पहेली- 4012

बायें से दायें:-

१. 'ये तारा वो तारा' गीत वाली आशुतोष गोवारीकर की फिल्म-३
३. 'तुम्हें अपना बनाने की' गीत वाली संजयदत्त, पूजा भट्ट की फिल्म-३
५. राजकपूर, नर्गिस की 'ये शाम की तन्हाइयाँ' गीत वाली फिल्म-२
७. 'चलती है पुरवाई' गीत वाली जतिन ग्रेवाल, नेहा की फिल्म-३
८. ऋषिकपूर, जयाप्रदा की 'रामजी की निरली सवारी' गीत वाली फिल्म-४
९. 'मैं शायर तो नहीं' गीत वाली ऋषिकपूर, डिम्पल की फिल्म-२
१०. राजेश खन्ना, शर्मिला की 'कन्हैया कन्हैया तुझे' गीत वाली फिल्म-३
११. 'बंदा ये बिंदास है' गीत वाली अमिताभ, रवीना, नंदिता की फिल्म-२
१२. अमिताभ, जीनत की 'ये मेरा दिल यार का दीवाना' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'दिन सारा गुजारा' गीत वाली शम्मी कपूर, सायरा की फिल्म-३
१५. राजेंद्रकुमार, वहीदा की 'ये मौसम भीगा भीगा है' गीत वाली फिल्म-४
१७. 'वो शाम कुछ अजीब थी' गीत वाली राजेश खन्ना, वहीदा की फिल्म-३
१९. आमिर, जूही, ममता की 'धीरे धीरे आप मेरे' गीत वाली फिल्म-२
२२. फिल्म 'रिफ्यूजी' में अभिषेक के साथ नायिका कौन थी-३
२४. अक्षयकुमार, करीना की 'दिल ले गया परदेसी' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'बहारों फूल बरसाओ' गीत वाली राजेंद्रकुमार, वैजयंती की फिल्म-३
२८. किशोरकुमार की 'एक चतुर नार करके सिंगार' गीत वाली फिल्म-४
२९. 'फिर वही चांद वही गम' गीत वाली देवआनंद, नूतन की फिल्म-३
३०. डिनो, बिपाशा की 'जब दिल चुराये कोई' गीत वाली फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'कैसे कटे दिन कैसे' गीत वाली राजेश, गोविंदा, जूही की फिल्म-२
२. अमिताभ, जयाप्रदा की 'मंजिलें अपनी जगह हैं' गीत वाली फिल्म-३
३. फिल्म 'तेरे नाम' में नायक कौन था-४,२
४. ऋषि, चंकी, नीलम की 'देखा जो हुस्न आपका' गीत वाली फिल्म-३
५. काहे कोयल शोर, मचाये' गीत वाली राजकपूर, नर्गिस की फिल्म-२
६. जीतेंद्र, लीना चंदावरकार की 'तूने तूने ओ सनम' गीत वाली फिल्म-४
९. 'है मुबारक आज का' गीत वाली मिथुन चक्रवर्ती, रति की फिल्म-३
११. संजय दत्त, अनिता की 'तुन्ना तुन्ना तक तक तुन्ना' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'हम तुम को निगाहो' गीत वाली सलमान, अरबाज, शिल्पा की फिल्म-२
१६. राजकपूर, वहीदा रहमान की 'सजन रे झूठ मत बोलो' गीत वाली फिल्म-३,३
१८. फिल्म 'मिस ४२०' में नायिका कौन थी-२
२०. सनी देओल, सलमान, करिश्मा, तब्बू की 'तू धरती पे चाहे जहाँ' गीत वाली फिल्म-२
२१. 'फूल ये कहाँ से' गीत वाली जैकी श्रॉफ, डिम्पल कपाड़िया की फिल्म-२
२३. अजय देवगन, अमीषा पटेल की 'प्यार तो होता है प्यार' गीत वाली फिल्म-४
२५. 'मेरे अंगने में तुम्हारा' गीत वाली अमिताभ, जीनत अमान की फिल्म-४
२६. अरविंद स्वामी, प्रभुदेवा, काजोल की 'एक बगिया में रहती है' गीत वाली फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 4011

र	हु	ल		ना		गै	ब	ल	र
जा			घा	य	ल		द		न
औ	ला	द		ब	गा	व	त		
र		स	त्या		न		मी	ना	क्षी
रं	गी	ला		टी		अ	ज	य	
क		ख	ल	ना	य	क		क	था
	दो		की			ल	क्ष्य		ने
खू	ब	सू	र	त		मं		दा	दा
	द			ला		द	स		र
डॉ	न		रे	श	नी		नी	तू	

सूडोकु -4012

8		4	3	9	7	5		6
3					2			
		7	6	5				4
9	6		5			1		7
5		1	4		9	8		2
4		8					5	3
2				6	1	4		
			7					8
7		9	8	3	5	6		1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -4011 का हल

7	8	4	9	5	2	6	1	3
9	6	2	4	3	1	8	5	7
1	3	5	7	8	6	2	4	9
4	2	3	6	1	5	9	7	8
8	5	9	2	4	7	1	3	6
6	7	1	3	9	8	4	2	5
3	1	7	8	6	4	5	9	2
5	9	6	1	2	3	7	8	4
2	4	8	5	7	9	3	6	1

शब्द पहेली - 4012

बाएँ से दाएँ

1.फिल्म 'बॉबी' के निर्माता-निर्देशक -2,3
4.आश्चर्य, विलक्षणता-4
7.जीत, फतेह-2
8.आकाश रेखा, छोर-3
9.तल, पैंदा-2
10.थाती, धरोहर-4
11.मोटा आटा-2
13.सलाह, मशवरा-4
14.अन्य, वो, तिन-2
16.घर,गृह-3
18.धावक (अंग्रेजी-3)
19.नाम रखना-2,3
21.परामर्शदाता-5
24.सुनसान, नीरव-3
26.वन, जंगल-3
28.मिट्‌टी, रेत-2
29.चेतनाहीन-4
30.पराग कण-2
32.भयभीत होना-4
33.छोटी सवारी गाड़ी-2
35.फूलों का हार जो बालों में लगाते हैं,वेणी-3
36.द्वार,किवाड़-2
37.जनता की राय-4
38.नाटक लिखने वाला-5

ऊपर से नीचे

1.मत, सलाह-2
2.करतब-4
3.वह जंगल जो संरक्षित हो-3,2
4.अनश्वर, चिरयुवा-3
5.लीन, मग्न-2
6.जलाऊ लकड़ी-4
7.रनिवास 3,2
10.मूर्ख (उर्दू-4)
12.बांया-2
15.आनंदित होना-4
17.शत्रुघ्न सिन्हा व रीना राय की फिल्म-3
18.योद्धा-4
20.अमिताभ के तिहरे रोल वाली फिल्म-3
22.मुआवजा-4
23.चित्रपट, फिल्मी दुनिया-3,2
25.राज वंश-2,3
26.काम, कार्य-4
27.मादा का विलोम-2
29.उपद्रव फैलाने वाला-4
31.दुनिया, जहान-3
34.क्रिकेट में बनते हैं-2
36.पंख, पराया-2

शब्द पहेली -4011 का हल

अ	रा	ज	क	ता			म	वा	ली	
स	म		ल		चा	ला	न		ख	त
मा			प	ना	ह		न			म
न	ज	रा	ना			म		क	या	स
ता		व		ना	ला	य	क		प	
	प्रा	ण		म		खा		जा	न	
	रु		आ	ज	मा	ना		हि		म
स	प	ना		द			ब	ल	वा	न
र			स		ल	की	र			भा
ल	व		न	सी	ब		सा		दा	व
	ध	म	की			इ	त	मी	ना	न

रेसिपी

दूध की सेवइयां

सामग्री

- सेवई: ½ कप
- चीनी: ½ कप
- घी: 2 बड़े चम्मच
- काजू कतरे हुए: 8-10
- बादाम: 8-10
- इलायची: 4

विधि

सबसे पहले काजू और बादाम छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें। इसके बाद गैस पर एक कड़ाही चढ़ा लें। इसमें घी डालकर गर्म करें। घी गर्म होने पर इसमें सेवइयां डालकर उसे हल्का ब्राउन होने तक फ्राई करें। फिर उसमें कटे हुए बादाम और काजू डालकर सभी चीजों को अच्छे से मिलाकर थोड़ी देर और फ्राई करें। हल्के फ्राई होने पर सेवइयों को एक सूखी प्लेट में निकाल लें। अब सेवइयों को मीठा करने के लिए चाश्नी बना लें। इसके लिए एक गहरी तली वाला एक बर्तन लेकर उसमें पानी डाल दें। पानी के उबालने पर इसमें चीनी डालकर तब तक पानी को पकाएं। जब तक चीनी पानी में पूरी तरह से घुल नहीं जाती। जब चीनी पानी में घुल जाए तो इसमें भुनी हुई सेवइयां डालकर उसे ढक दें। सेवइयों को चाश्नी में 5 मिनट तक मध्यम आंच पर पकने दें। इसके बाद इसमें इलायची पाउडर डालकर एक बार फिर अच्छे से 5 मिनट तक चलाते हुए मिक्स कर लें। 5 मिनट बाद गैस बंद करके सेवइयों को प्लेट से ढक दें। थोड़ी देर बाद सेवइयों को एक सर्विंग बाउल में निकालकर गरमा गरम सर्व करें।

ओट्स की रोटी

सामग्री

- ओट्स : ½ कप
- प्याज : ¼ कप
- होलव्हीट आटा : 1 कप
- धनिया : 1/ कप
- तेल : 1 टेबलस्पून
- चिली पाउडर : ½ टेबलस्पून
- नमक : 1 टेबलस्पून

विधि

एक कटोरे में गेहूं का आटा लें। इसमें ओट्स, कटी हुई प्याज, धनिया, हरी मिर्च, नमक और तेल डालकर अच्छे से मिलाएं। थोड़ा सा पानी डालकर इसका मुलायम आटा अच्छी तरह से गूंथ लें। इसे ढक कर आधे घंटे के लिए रख दें। अब आटे की छोटी-छोटी लोई बना लें और सामान्य रोटी की तरह बेल लें। गर्म तवे पर इसे दोनों तरफ से अच्छे से सेक लें। आप चाहें तो इस पर तेल लगाकर भी सेक सकती हैं। अच्छी तरह सिकी गरमागरम और कुरकुरी ओट्स रोटी लो फैट दही के साथ सर्व करें।

RATE TARIFF

राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RASHTRIYA SHIKHAR
NATIONAL HINDI DAILY

DISPLAY B&W
Rs. 750/-
(Per Sq. cm)

DISPLAY COLOR
Rs. 750/- +
50% Extra
(Per Sq. cm)

CLASSIFIED DISPLAY
Rs. 75/-
(Per Sq. cm)
Note : Court Notice Rs. 2000/- (4x10) Rs. 50/- Per Sq. Cm. Extra for additional space.

CLASSIFIED Run On words
Rs. 15/-
(Per Word)
Note : For Classified run on words-Minimum-40 words Maximum 60 Words

Covering Area
Delhi NCR
&
Western U.P.

Special Page / Position Premium

Front Page (Semi)	50%	Island Position	50%	Strip Advt.	15%
Front Page (Solus)	75%	Right Hand Page	10%	Political Advt.	50%
Back Page	25%	Top of AD Column	15%	Pull Outs	50%
Page Three	20%	Any Other Spl. Position	10%	Discount as per deal	

Mechanical Data : 8 Cols. Per Page, Col. Width 33cm., Col. Length 50cm.

Ghaziabad Office : 64, Navyug Market, 1st Floor, Ghaziabad (UP)
Corporate Office : G-237, HIG, Pratap Vihar, Ghaziabad (U.P.)-201001
Mob.: 9310230557, 9625163807, E-mail : rashtriyashikhar@gmail.com, Website : www.rashtriyashikhar.com

Follow us : @ RashtriyaShikhar/

कभी-कभी मेरे अंदर का लठैत जाग उठता है

कद्दावर अभिनेता मनोज बाजपेयी करीब तीन दशकों से अपनी भूमिकाओं के साथ -नित नए प्रयोग करते जा रहे हैं। मनोरंजन के नए डायनामिक्स के साथ भी उन्होंने कदमताल करना सीखा, यही वजह है कि सिनेमा के साथ -साथ वे ओटीटी का भी बड़ा चेहरा बन गए। इन दिनों वे चर्चा में हैं अपनी नई फिल्म 'लास्ट मैन इन टावर' को लेकर।

तीस सालों से भी ज्यादा का सफर तय कर चुके मनोज बाजपेयी सोशल मीडिया पर अच्छे-खासे एक्टिव हैं, मगर वे यहां होने वाली उठापटक से कितना प्रभावित होते हैं? उनके लिए लाइक्स, कमेंट्स और व्यूज कितना मायने रखते हैं? इस पर वे कहते हैं, 'मैं लाइक्स और कमेंट्स नहीं देखता। अब इतने साल बाद मुझे ये देखना पड़े तो लानत है मेरे काम, मेरी तीस साल की जर्नी पर'।

जिस स्थिति से गुजरा मैं ही जानता हूं

उन जैसे सोबर अभिनेता को क्या कभी ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा? इस पर वे तपाक से कहते हैं, 'बिलकुल, हाल-फिलहाल कुछ ही महीने पहले जब मेरी एक फिल्म के टाइटल (घूसघोर पंडित) को लेकर विवाद हुआ, उस पर जो धमकियां और जान की धमकी मिली और मैं जिस स्थिति से गुजरा मैं ही जानता हूं। क्योंकि उस फिल्म का चेहरा मैं हूं, तो मुझे ये सब सहना पड़ा। खैर अब तो फिल्म का शीर्षक बदल दिया गया है। अब क्या है न कि आप कोई भी फिल्म बना रहे हो, कोई भी क्रिएटिव काम कर रहे हो, तो उसके विरोध के स्वर कहीं से भी आ सकते हैं। आज के दौर में ट्रोलिंग बहुत आसान है। कोई भी कहीं से कुछ भी बोल सकता है। अगर आपको गाली देना हो तो बड़े से बड़े लोग भी अछूते नहीं हैं।'

ट्रोलिंग को हैंडल करने के मसले पर वे कहते हैं, 'या तो आप उसको गंभीरता से लीजिए या ये समझिए कि कुछ लोग हैं, जो आपको अपने स्तर पर लाना चाहते हैं, ताकि आप ऐसे जवाब दें, रिएक्ट करें। जाहिर है आप उनके स्तर पर नहीं जाना चाहेंगे। आप अपने जीवन में कितने ऐसे लोगों से बातचीत करते हैं? जो लोग जहीन लोग हैं, जो पढ़ते-लिखते हैं, जो अच्छा देखते हैं, जिनके साथ ज्ञान मिलता है, हम उनके साथ उठते-बैठते हैं। बाकी समय परिवार को जाता है, तो मैं कभी जवाब नहीं देता। मगर कभी-कभी मेरे अंदर का गांव का जो लठैत है, वो अंदर से बाहर आना चाहता है। फिर मैं कहता हूं, मनोज यार, किस-किस के मुंह लगोगे? जो आदमी अभी उठा होगा, जो अपने पिताजी से पैसे मांगने वाला होगा कि आज जरा फिल्म देखने जाना है या मुझे आइसक्रीम खानी है या अपने पिताजी को बेवकूफ बनाना चाह रहा होगा कि कैसे भी पैसे हड़प कर लूं। वो आपको गाली दे रहा है। एक आदमी जो 18 साल की उम्र में घर से बाहर निकल गया, आप अब उसको गाली दे रहे हो, इतना काम करने के बाद। अगर उसको इतनी भी शर्म नहीं, तो क्या ही कहें? मुझे तो छोड़िए, ये बड़े से बड़े लोगों को गाली देते हैं। ऐसे लोगों के मुंह क्या लगना?'

हर बार विरासत हार रही है

उनकी हालिया फिल्म में 'विरासत वर्सेज डेवलपमेंट' की लड़ाई दिखाई गई है। इस मुद्दे पर वे कहते हैं, 'विकास बनाम विरासत, विकास बनाम यादें, ये लड़ाई बहुत पुरानी है और हर बार जो है, विरासत हार रही है। धरती बदल रही है और आधुनिकता के नाम पर जिस तरह के कंस्ट्रक्शन हो रहे हैं, उसमें हम अपनी मिट्टी और विरासत की पहचान कायम नहीं रख पा रहे हैं। सीधी-सी बात है, हमारे एयरपोर्ट्स और स्टेशन हमारी 700, 600 या 1000 साल पुरानी वास्तुकला से प्रेरणा लेकर क्यों नहीं बन सकते? क्यों हमेशा वो मैनहैटन या न्यूयॉर्क का एयरपोर्ट ही लगें? ये बात मुझे आज तक समझ नहीं आई। हर जगह की अपनी पहचान है। अमेरिका की अपनी और हिंदुस्तान की अपनी। राजस्थान में कुछ बन रहा है तो उसमें राजस्थान क्यों नहीं दिखना चाहिए? विकास बनाम विरासत की ये लड़ाई बहुत पुरानी है और इस फिल्म में भी यही संघर्ष है। एक तरफ मास्टर जी हैं, जो अपनी यादों और विरासत को बचाए रखना चाहते हैं, दूसरी तरफ वे लोग हैं जिनकी जरूरतें बढ़ गई हैं और उनके लिए विकास जरूरी है। ये कहानी 50 साल पुरानी नहीं, आज हमारे आस-पास चल रही लड़ाई है।'

संदीपा धर ने अपनी फीमेल को-स्टार्स के साथ अपनी खास बॉन्डिंग के बारे में बात की

'चुंबक' जहां पर्दे पर हंसी, मनोरंजन और शानदार परफॉर्मेंस का वादा करता है, वहीं संदीपा धर के लिए यह प्रोजेक्ट उनकी जिंदगी में इससे भी खास चीज लेकर आया है, और वो है एक खूबसूरत और हमेशा साथ रहने वाला बहनों जैसा रिश्ता। अभिनेत्री ने हाल ही में शो की अपनी फीमेल को-स्टार्स के साथ अपनी खास बॉन्डिंग के बारे में बात करते हुए बताया कि 'चुंबक' के दौरान बनी दोस्ती अब सिर्फ काम तक सीमित नहीं रही, बल्कि एक मजबूत रिश्ते में बदल चुकी है।

अपनी फीमेल को-स्टार्स के साथ बॉन्डिंग को लेकर संदीपा ने कहा, ''चुंबक' ने मुझे सिर्फ बेहतरीन को-स्टार्स ही नहीं दिए, बल्कि एक ऐसा बहनों जैसा रिश्ता भी दिया है, जिसे मैं हमेशा संजोकर रखूंगी। नीना मैम, डेलनाज, मानसी, हेली, अमायरा और मैं खुद को गर्व से 'गर्ल गैंग' कहते हैं। सच पूछिए तो इंडस्ट्री में शूटिंग और काम के बीच समय निकालना आसान नहीं होता, लेकिन हम सभी एक-दूसरे के लिए समय निकालने की पूरी कोशिश करते हैं। कभी ब्रंच, कभी डिनर, तो कभी बस साथ बैठकर घंटों बातें करना, ये छोटे-छोटे पल हमारे लिए बहुत मायने रखते हैं।

इस ग्रुप में इतना प्यार, सपोर्ट, हंसी-मजाक और अपनापन है कि यह परिवार जैसा महसूस होता है। मैं खुश हूं कि 'चुंबक' मेरे जीवन में इन शानदार महिलाओं को लेकर आया। मुझे पूरा यकीन है कि कैमरे बंद होने के बाद भी ये रिश्ता हमेशा मेरे साथ रहेंगी।'

संदीपा की ये बातें 'चुंबक' की महिला कलाकारों के बीच साझा की जाने वाली सच्ची दोस्ती और बॉन्डिंग की झलक देती हैं, जो अपने व्यस्त शेड्यूल के बावजूद यह गर्ल गैंग एक-दूसरे के लिए समय निकालना नहीं भूलती। संदीपा की ये बाते, ये भी दिखाती हैं कि साथ काम करते हुए बने कुछ रिश्ते जिंदगी भर के लिए खास बन जाते हैं।

काउगर्ल्स एंड इंडियंस में दिखाई देंगी मनीषा

मनीषा कोइराला एक बार फिर अपनी एक्टिंग से दर्शकों का ध्यान खींचने के लिए तैयार हैं। संजय लीला भंसाली की वेब सीरीज 'हीरामंडी: द डायमंड बाजार' में नजर आने के बाद अब मनीषा एक अंतरराष्ट्रीय प्रोजेक्ट का हिस्सा बन गई हैं। वह हॉलीवुड की इंडिपेंडेंट फिल्म 'काउगर्ल्स एंड इंडियंस' में मुख्य भूमिका निभाती नजर आएंगी। फिल्म की शूटिंग इसी साल नवंबर में अमेरिका के टेक्सास राज्य के ऑस्टिन और उसके आसपास के इलाकों में शुरू होने वाली है। इस फिल्म का नाम पहले 'काउबॉयज एंड इंडियंस' रखा गया था। बाद में इसका नाम बदलकर 'काउगर्ल्स एंड इंडियंस' कर दिया गया। फिल्म का लेखन और निर्देशन तेजल देसाई कर रही हैं। वह निकोल फेलो भी रह चुकी हैं। फिल्म का निर्माण किर्तना बंसकोटा कर रही हैं। फिल्म की कहानी अमेरिका के दक्षिण-पश्चिमी हिस्से की पृष्ठभूमि में रखी गई है। यहां एक भारतीय महिला अपनी जिंदगी, अपनी जड़ों और आसपास के लोगों के साथ अपने रिश्तों को समझने की कोशिश करती है। कहानी में सांस्कृतिक बदलाव, अकेलापन, दोस्ती और खुद को स्वीकार करने जैसे पहलुओं को जगह दी गई है।

आशा के किरदार में नजर आएंगी मनीषा

मनीषा फिल्म में 'आशा' नाम की महिला का किरदार निभाएंगी। आशा एक अधेड़ उम्र की भारतीय महिला है, जो अमेरिकी माहौल में अपनी पहचान को लेकर कई तरह के सवालों से गुजरती है। वह अपने जीवन के ऐसे दौर में पहुंच चुकी है, जहां उसे अपने बारे में कई चीजों को नए नजरिए से देखना पड़ता है। कहानी सिर्फ एक भारतीय महिला के अमेरिका पहुंचने या वहां रहने की नहीं है, बल्कि यह उसके अंदर चल रहे बदलावों पर भी ध्यान देती है। अलग संस्कृति और अलग माहौल के बीच वह नए लोगों से मिलती है और कुछ ऐसी दोस्तियां बनती हैं, जिनकी उसने शायद पहले कल्पना भी नहीं की थी।

...अब विलेन वाली भूमिकाओं से दूरी बनाना चाहते हैं सैफ अली खान

पिछले कुछ सालों में ताना जी के उदयभान, आदिपुरुष के लंकेश, देवरा 1 के भैरवा जैसे नकारात्मक किरदारों के लिए सुर्खियां बटोरने वाले ऐक्टर सैफ अली खान अब विलेन वाली भूमिकाओं से थोड़ी दूरी बनाना चाहते हैं। ऐसे में, अपनी अगली फिल्म हैवान में एक अंधे म्यूजिशियन और मार्शल आर्टिस्ट के चुनौतीपूर्ण रोल को लेकर वह उत्साहित हैं। सैफ अली खान ने अपनी इस फिल्म को लेकर बातें करते हुए कहा कि वह अभी कुछ समय के लिए हीरो के रोल ही करना चाहते हैं। अपनी इस फिल्म में अपने रोल को लेकर बातें की जिसमें वो देख नहीं पाते हैं।

सैफ अली खान ने कहा, ' मैं अभी नेगेटिव रोल से थोड़ा ब्रेक लेना चाहता हूं। तब मैं बतौर ऐक्टर ऐसे किरदार एक्सप्लोर करना चाहता था, मगर अभी कुछ समय के लिए हीरो के रोल ही करना चाहूंगा।' सैफ हैवान के अपने किरदार को बहुत ही खास मानते हैं। वह कहते हैं, 'मैंने अब तक ज्यादातर जो रोल किए हैं, उनके प्रति सहानुभूति नहीं होती। वे या तो मजबूत हैं या प्रिविलेज्ड हैं या नेगेटिव, तो उनके लिए दुख महसूस नहीं होता, जबकि इसके लिए आपके मन से आह निकलती है, जो मेरे लिए बहुत अलग और नई बात थी और मैंने इसी इमोशन को निचोड़ा है।' उन्होंने आगे कहा था, 'हांलांकि, अंधे का रोल करना बहुत चुनौतीपूर्ण था। ऊपर से वो बच्चों को म्यूजिक, मार्शल आर्ट, रेसलिंग भी सिखाते हैं, तो मुझे स्ट्रेस था कि वो नकली न लगे लेकिन मेरे दिमाग में जैपनीज समुराई फिल्में थीं। वे काफी ऐसी फिल्में बनाते हैं कि एक अंधा आदमी कैसे सुनकर महसूस करते हैं, फाइट भी कर सकते हैं, तो वे फिल्में देखकर मुझमें कंविक्शन था कि मैं भी ऐसा कर सकता हूं।'

टेलीविजन से बॉलीवुड तक अभिनेत्री प्राची देसाई ने बनाई खास पहचान

हिंदी फिल्म और टेलीविजन इंडस्ट्री की लोकप्रिय अभिनेत्रियों में से एक प्राची देसाई का जन्म गुजरात के सूरत में हुआ था। उनके पिता का नाम निरंजन देसाई है, जो कि पेशे से कॉलेज प्रोफेसर हैं और मां का नाम अमिता देसाई है। वहीं, उनकी एक बहन भी है, जिनका नाम ईशा देसाई है। प्राची ने अपनी स्कूलिंग महाराष्ट्र के पंचगनी के सेंट जोसेफ कॉन्वेंट से पूरी की। इसके बाद उन्होंने पुणे के सिंहगढ़ कॉलेज से ग्रेजुएशन की डिग्री प्राप्त की। प्राची को शुरू से ही एक्टिंग में रुचि थी। इसलिए उन्होंने पढ़ाई पूरी करने के बाद एक्टिंग की ओर रुख किया। प्राची देसाई ने एकता कपूर के लोकप्रिय टीवी शो 'कसम से' अपने अभिनय करियर की शुरुआत की, जिसमें उनके अपोजिट राम कपूर थे। इस सीरियल में उन्होंने बानी दीक्षित वालिया का मुख्य किरदार निभाया था, जिसे लोगों ने काफी पसंद किया और उन्हें घर-घर में जबरदस्त पहचान मिली।

टेलीविजन इंडस्ट्री में जबरदस्त पहचान बनाने के बाद अभिनेत्री ने हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में डेब्यू वर्ष 2008 में अभिषेक कपूर के द्वारा डायरेक्ट की गई फिल्म 'रॉक ऑन' से किया। इस फिल्म में उनके साथ फरहान अख्तर, अर्जुन रामपाल, पूरब कोहली और शहाना गोस्वामी भी मुख्य किरदार में थे। पहली फिल्म में ही उनकी एक्टिंग को खूब सराहा गया और उन्होंने टेलीविजन इंडस्ट्री से बॉलीवुड में सफल पहचान बनाई।

अपनी डेब्यू फिल्म में शानदार परफॉर्मेंस के लिए अभिनेत्री को बेस्ट फीमेल डेब्यू के फिल्मफेयर पुरस्कार के लिए नॉमिनेट किया गया। इसके बाद अभिनेत्री ने अन्य कई फिल्मों में काम किया, जिसमें 'लाइफ पार्टनर', 'वन्स अपॉन ए टाइम इन मुंबई', 'तेरी मेरी कहानी', 'बोल बच्चन', 'आई, मी और हम', 'अजहर', 'फॉरेंसिक' आदि शामिल हैं।

रोहित रॉय पर भड़की देवोलीना

अभिनेता रोहित रॉय ने टीवी को 'कूड़ेदान जैसा माध्यम' कहकर चर्चा छेड़ दी है। रोहित ने कहा कि फिल्म स्टार्स में एक खास तरह का स्टाइल और क्लास होता है जो अक्सर टेलीविजन कलाकारों में नहीं दिखता। इस पर अभिनेत्री देवोलीना भट्टाचार्जी ने रोहित रॉय की आलोचना की है। उन्होंने कहा कि ज्यादातर लोग उन्हें सिर्फ रोनित रॉय के भाई के तौर पर जानते हैं।

देवोलीना ने रोहित रॉय से पूछा सवाल

रोहित रॉय की बातों पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए अभिनेत्री ने कहा कि रोहित उसी माध्यम का अपमान कर रहे थे, जिसने उन्हें काम और पहचान दी। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि अगर वह टेलीविजन के बारे में इतना बुरा सोचते थे, तो इतने वर्षों तक इसका हिस्सा क्यों बने रहे। देवोलीना ने बातचीत में कहा, 'लोगों की एक अजीब आदत होती है कि वे उसी हाथ को काटते हैं जो उन्हें खिलाता है। उसी थाली में छेद करते हैं जिसमें वह खाते हैं। उनकी बातें बिल्कुल वैसी ही लग रही हैं। फिल्मों की तो बात छोड़िए, सच कहूं तो मुझे यह भी याद नहीं कि वह किस टीवी सीरीज में थे। सच कहूं तो, ज्यादातर लोग उन्हें सिर्फ रोनित रॉय के भाई के तौर पर जानते हैं। अगर टीवी इतना ही बुरा था, तो उन्होंने इतने वर्षों तक इसका हिस्सा बने रहने का फैसला क्यों किया? अब वह उसी माध्यम को 'डस्टबिन' कह रहे हैं।'

क्या रोहित कर रहे बॉलीवुड स्टार्स पर तंज

देवोलीना ने यह भी कहा कि रोहित की बातों को उन बॉलीवुड एक्टर्स पर तंज के तौर पर देखा जा सकता है जो अक्सर टेलीविजन पर आते हैं। उन्होंने कहा, 'आज हर बड़ा बॉलीवुड स्टार अपनी फिल्मों को प्रमोट करने, रियलिटी शो होस्ट करने और दर्शकों से जुड़े रहने के लिए टेलीविजन पर आता है। क्या वह यह कहना चाह रहे हैं कि वे सभी 'डस्टबिन मीडियम' में काम कर रहे हैं? यह बस उसी इंडस्ट्री को नीचा दिखाकर ध्यान खींचने की एक हताश कोशिश लगती है जिसने उन्हें बनाया है।'

टीवी को 'कूड़ेदान जैसा माध्यम' बोले थे रोहित रॉय

रोहित रॉय ने बातचीत में कहा था कि मुझसे यह सवाल कई बार पूछा गया है और कभी-कभी मुझे लगता है कि मुझे एहसान-फरामोश नहीं लगना चाहिए। मगर टेलीविजन एक 'डस्टबिन मीडियम' है। आप इसे आज देखते हैं, यह कल के अखबार जैसा होता है। कल आप इसे भूल जाते हैं। इसलिए भारत में दुर्भाग्य से जिस तरह का और जितना कंटेंट बनाया जा रहा है, उसमें शायद ही कोई क्रिएटिविटी होती है।'

संक्षिप्त समाचार

लंदन में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय का कार्यक्रम रद्द

लंदन , एजेंसी। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी जोसेफ विजय ब्रिटेन दौरे पर हैं। मंगलवार को लंदन में उनका एक कार्यक्रम सुरक्षा चिंताओं के कारण रद्द कर दिया गया। मेट्रोपॉलिटन पुलिस के हस्तक्षेप के बाद यह फैसला लिया गया। लंदन की द शार्द इमारत के बाहर सैकड़ों प्रशंसक जमा हुए थे। कार्यक्रम रद्द होने से घंटों से इंतजार कर रहे कई प्रशंसक निराश हुए। मुख्यमंत्री का दल तमिलनाडु में निवेश आकर्षित करने यूके के दौरे पर है। मुख्यमंत्री कार्यालय के अनुसार, प्रतिनिधिमंडल ने यात्रा के दौरान कई समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इन समझौतों में 12,300 करोड़ रुपये का निवेश शामिल है। इस निवेश अभियान का लक्ष्य तमिलनाडु को एशिया का उन्नत विनिर्माण और प्रौद्योगिकी केंद्र बनाना है। इससे राज्य भर में 9,400 से अधिक उच्च-मूल्य वाली नौकरियां पैदा होने की उम्मीद है। विजय बुधवार को अपना यूके दौरा समाप्त कर भारत लौटेंगे।

कांगो में तीसरे कार्यकाल के विरोध में प्रदर्शन, पुलिस ने आंसू गैस छोड़ी

किंशासा , एजेंसी। अफ्रीकी देश कांगो में राष्ट्रपति फेलिक्स त्सेसीकेदी के तीसरे कार्यकाल की संभावना वाले सांविधानिक परिवर्तनों के खिलाफ मंगलवार को सैकड़ों लोगों ने प्रदर्शन किया। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस छोड़ी। विपक्षी गठबंधन सी64 ने किंशासा समेत कई शहरों में ये प्रदर्शन आयोजित किए। प्रदर्शन शांतिपूर्ण शुरू हुए पर सरकार समर्थक समर्थकों से झड़प के बाद पुलिस ने बल प्रयोग किया। विपक्षी नेता मार्टिन फायुलु ने सरकार पर राजनीतिक मिलिशिया के साथ काम करने का आरोप लगाया। कांगो सरकार के प्रवक्ता पैट्रिक मुयाया ने विपक्ष की निंदा की, कहा विरोध का अधिकार सही ढंग से प्रयोग होना चाहिए। कांगो का संविधान राष्ट्रपति के कार्यकाल की सीमा में बदलाव पर रोक लगाता है। नेशनल असेंबली में एक विधेयक विचाराधीन है, जो राष्ट्रपति को इन प्रावधानों को बदलने की अनुमति दे सकता है। त्सेसीकेदी के सत्ता में बने रहने के प्रयास का विरोध करने के लिए विपक्षी दलों ने मई में सी64 का गठन किया था।

2 हेलिकॉप्टर, 21 विमान और 50 घंटे... ईरान में फंसे अमेरिकी पायलट को बचाने के लिए चला खतरनाक मिशन

वाशिंगटन, एजेंसी। सोचिए, आपका फाइटर जेट दुश्मन के इलाके में गिर चुका है, पैराशूट ठीक से नहीं खुला और शरीर में कई जगह फ्रैक्चर है. नीचे जमीन पर दुश्मन की सेना आपको खोज रही है और आपके पास छिपने के अलावा कोई रास्ता नहीं है. ऐसे में अगर मदद का भरोसा हो भी, तो सवाल यही है कि वह मदद आप तक पहुंचेगी कैसे? अप्रैल 2026 में ईरान में अमेरिकी एयरफोर्स के अधिकारी के साथ कुछ ऐसा ही हुआ. स्न-15श्च फाइटर जेट के गिरने के बाद उसके दो क्रू मेंबर अलग-अलग जगह जा गिरे. अप्रैल में अमेरिकी स्न-15श्च स्ट्राइक ईगल ईरान के ऊपर एक मिशन पर था. इसी दौरान विमान को एक मिसाइल से निशाना बनाया गया और वह क्रैश हो गया. विमान में दो अमेरिकी अधिकारी थे, जिन्हें यहां उनके कॉल साइन 'अल्फा' और 'ब्रावो' से जाना गया और विमान ईरान में ही जा गिरा था. दोनों ने विमान से बाहर निकलने की कोशिश की, लेकिन जमीन पर पहुंचने के बाद उनकी लोकेशन अलग हो गई।

ट्रंप ने अपने पसंदीदा सिंगर की पत्नी को बनाया राजदूत उम्मीदवार, बारबाडोस-पूर्वी कैरिबियन की संभालेंगी जिम्मेदारी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने पसंदीदा और मशहूर देशभक्ति गीत 'गॉड ब्लेस द यूएसए' के सिंगर ली ग्रीनवुड की पत्नी किम्बर्ली ग्रीनवुड को बारबाडोस और पूर्वी कैरेबियाई देशों के लिए अमेरिकी राजदूत के पद के लिए नामित किया है. ट्रंप प्रशासन ने किम्बर्ली के अलावा और भी कई अन्य राजदूत पदों के लिए नामित लोगों की लिस्ट अमेरिकी सीनेट के पास भेजी है. किम्बर्ली ग्रीनवुड की नियुक्ति के लिए अब सीनेट की मंजूरी जरूरी होगी. अगर अमेरिकी सीनेट से मंजूरी मिल जाती है, तो किम्बर्ली बारबाडोस के साथ-साथ सेंट किट्स एंड नेविस, सेंट लूसिया, एंटीगुआ और बारबुडा, डोमिनिका, ग्रेनेडा, और सेंट विंसेंट एंड द ग्रेनेडाइंस जैसे कैरेबियाई देशों में एक साथ अमेरिकी राजदूत के रूप में सेवाएं देंगी।

बाइडन ने रोकी थी खेप, ट्रंप ने की जारी: इस्राइल को 40 हजार खतरनाक बम देगा अमेरिका

वाशिंगटन, एजेंसी। ट्रंप प्रशासन 2.8 अरब डॉलर के प्रस्तावित हथियार सौदे के तहत इस्राइल को 40,000 शक्तिशाली 2,000 पाउंड के बम देने की तैयारी कर रहा है। इनमें 20,000 एमके-84 और 20,000 बीएलयू-117 बम शामिल हैं। यह वही श्रेणी के हथियार हैं जिनकी एक खेप बाइडन प्रशासन ने 2024 में गाजा में बड़े पैमाने पर नागरिकों के हताहत होने की आशंका के चलते रोक दी थी। प्रस्तावित सौदा ऐसे समय में सामने आया है जब गाजा में युद्ध को लेकर इस्राइल पर अंतरराष्ट्रीय दबाव बढ़ा हुआ है और युद्धविराम के बावजूद हिंसा जारी है।

40 हजार बमों का प्रस्तावित सौदा : अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार, 2.8 अरब डॉलर के इस पैकेज में कुल 40,000 बम शामिल हैं। इनमें 20,000 एमके-84 और 20,000 बीएलयू-117 बम हैं। दो अमेरिकी अधिकारियों और इस योजना से परिचित एक व्यक्ति ने मंगलवार को इसकी जानकारी दी। इन सभी ने अपनी पहचान सार्वजनिक नहीं करने की शर्त पर बात की, क्योंकि हथियारों का यह पैकेज अभी अंतिम रूप नहीं ले पाया है।

कांग्रेस को दी गई सौदे की जानकारी : अमेरिकी कांग्रेस को प्रस्तावित हथियार सौदे के बारे में अनौपचारिक रूप से जानकारी दे दी गई है। इस सौदे की बड़ी राशि विदेशी सैन्य वित्त पोषण के जरिए चुकाई जाएगी। इस व्यवस्था के तहत अमेरिका इस्राइल को सैन्य सहायता के लिए धन देता है और इस्राइल उसी धन से अमेरिका से हथियार खरीदता है।

इस्राइल की सैन्य क्षमता बढ़ाने की दिशा में एक और कदम : यह प्रस्तावित सौदा ट्रंप प्रशासन की ओर से इस्राइल की सैन्य क्षमता मजबूत करने के लिए उठाए गए कदमों की कड़ी में नया कदम है। गाजा में लंबे समय से जारी संघर्ष में दसियों हजार फलस्तीनियों की मौत हुई है और पूरा इलाका बुरी तरह तबाह हुआ है। अमेरिका की मध्यस्थता से एक नाजुक युद्धविराम हुआ था, लेकिन इसके बावजूद हिंसा जारी रही है।

गाजा युद्ध के बीच बढ़ा अंतरराष्ट्रीय दबाव : यह हथियार सौदा ऐसे समय में सामने आया है जब गाजा में युद्ध को लेकर इस्राइल को बढ़ते अंतरराष्ट्रीय अलगाव का सामना करना पड़ रहा है। 7 अक्टूबर, 2023 को हमास के घातक हमले के जवाब में इस्राइल ने गाजा में सैन्य अभियान शुरू किया था। इसके बाद से इस्राइल के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दबाव बढ़ा है।

ईरान संघर्ष के बावजूद कायम है अमेरिका-इस्राइल गठजोड़ : प्रस्तावित हथियार सौदा यह संकेत देता है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के बीच संबंधों में आए कुछ तनाव के बावजूद दोनों देशों का सैन्य और रणनीतिक गठजोड़ मजबूत बना हुआ है। खास तौर पर फरवरी में दोनों देशों द्वारा ईरान के खिलाफ युद्ध शुरू किए जाने के बाद दोनों नेताओं के बीच कुछ मतभेद सामने आए थे। ट्रंप और नेतन्याहू के संबंधों का इतिहास उतार-चढ़ाव भरा रहा है। ईरान संघर्ष को लेकर ट्रंप ने जुलाई में व्हाइट हाउस में नेतन्याहू से अपनी मुलाकात से पहले उनसे जुड़ी कुछ बातों पर नाराजगी भी जाहिर की थी।

बाइडन ने रोकी थी बमों की एक खेप : 2024 में बाइडन प्रशासन ने इन 2,000 पाउंड के बमों की एक खेप इस्राइल को भेजने से रोक दी थी। हालांकि, ट्रंप के दोबारा राष्ट्रपति पद संभालने के बाद उन्होंने उस रोक को हटा दिया। पिछले साल ट्रंप प्रशासन ने कांग्रेस की सामान्य समीक्षा प्रक्रिया को दरकिनार करते हुए इस्राइल के साथ करीब 3 अरब डॉलर के हथियार सौदे को मंजूरी दी थी। इसमें 35,500 से अधिक बम शामिल थे। इसके बाद जनवरी में ट्रंप प्रशासन ने इस्राइल के लिए हथियारों की नई श्रृंखला को मंजूरी दी, जिसकी कुल कीमत 6.67 अरब डॉलर थी।

2,000 पाउंड के बम कितने शक्तिशाली हैं : 2,000 पाउंड के बमों के कई अलग-अलग संस्करण हैं। इनमें कुछ ऐसे बम हैं जिन्हें जमीन के भीतर मौजूद या भूमिगत लक्ष्यों को भेदने के लिए डिजाइन किया गया है। वहीं, कुछ संस्करण जमीन के ऊपर विस्फोट करते हैं और बड़े इलाके में व्यापक तबाही मचा सकते हैं।

गाजा में अमेरिकी बमों के इस्तेमाल के सबूत : इस्राइली सेना ने गाजा में इस्तेमाल किए गए बमों और तोपों के बारे में बहुत कम जानकारी सार्वजनिक की है। हालांकि, हमले के वीडियो फुटेज और घटनास्थलों से मिले विस्फोटक अवशेषों का विश्लेषण करने वाले विशेषज्ञों का मानना है कि गाजा में अमेरिका निर्मित इन बमों का इस्तेमाल किया गया है।

बढ़ते युद्धों और हिंसक टकरावों के बीच शान्ति में निवेश की पुकार

जिनेवा, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुटेरेश ने दुनिया भर में बढ़ती हिंसा, विभाजन और हिंसक टकरावों के बीच विश्व नेताओं से शान्ति में निवेश बढ़ाने की अपील की है. यूएन महासचिव एंतोनियो गुटेरेश ने न्यूयॉर्क स्थित संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय परिसर में जापानी शान्ति की घंटी बजाने के वार्षिक समारोह को सम्बोधित करते हुए यह सन्देश दिया.उन्होंने कहा, 'हर साल शान्ति घंटी की गूँज हमें हमारी सबसे अहम ज़िम्मेदारी की याद दिलाती है - शान्ति स्थापना की. 'शान्ति पर संकटउन्होंने ज़ोर देकर कहा कि 'शान्ति अपने आप हासिल नहीं होती.' इसके लिए लगातार मेहनत और ठोस कार्रवाई की ज़रूरत होती है. लेकिन मौजूदा दौर में शान्ति के प्रयास कमज़ोर पड़ रहे हैं.उन्होंने कहा, 'हिंसा और विभाजन समुदायों को तोड़ रहे हैं. हिंसक टकराव फैल रहे हैं और गहरे होते जा रहे हैं. लोग पीड़ा झेल रहे हैं, लेकिन समाधान के लिए ज़रूरी संवाद और एकजुटता नदारद हैं. ' महासचिव की यह अपील 21 सितम्बर को मनाए जाने वाले अन्तरराष्ट्रीय शान्ति दिवस से पहले आई है. इस वर्ष इसकी थीम है - 'शान्ति में निवेशः सर्वजन के लिए, हर जगह, हर दिन.'आमजन दिखा रहे हैं राहउन्होंने दुनिया भर के स्वयंसेवकों, पैरोकारों, नागरिक समाज के नेताओं, शान्तिरक्षकों और शान्ति के लिए काम कर रहे लोगों का उल्लेख किया, जो इस थीम को ज़मीनी स्तर पर साकार कर रहे हैं.उन्होंने कहा, 'जहाँ सरकारें शान्ति क़ायम करने में विफल हो रही हैं, वहाँ लोग अपनी आवाज़ उठाकर, दूरियाँ कम करके और समुदायों को फिर से जोड़कर एक अलग रास्ता दिखा रहे हैं. 'महासचिव ने आने वाले हफ़्तों में संयुक्त राष्ट्र में जुटने वाले विश्व नेताओं से इन लोगों से प्रेरणा लेने और स्वास्थ्य, शिक्षा, पोषण व सामाजिक सुरक्षा में निवेश बढ़ाने की अपील की. साथ ही उन्होंने ऐसी संस्थाएँ और व्यवस्थाएँ मज़बूत करने पर ज़ोर दिया, जिन पर लोग भरोसा कर सकें.एकजुटता, कार्रवाई और निवेशउन्होंने कहा कि नेताओं को मानवाधिकारों और मानवीय गरिमा की रक्षा करनी होगी.

साथ ही, कूटनीति, संवाद, वार्ता और शान्तिरक्षा जैसे 'शान्ति के कारगर साधनों' के प्रति फिर से प्रतिबद्ध होकर युद्धों एवं हिंसक टकरावों को समाप्त करना होगा.महासचिव ने कहा, 'आज मैं विश्व नेताओं से हमारे साथ खड़े होने की अपील करता हूँ - कार्रवाई करें, समाधानों में निवेश करें और स्थाई शान्ति स्थापित करने के लिए हर सम्भव प्रयास करें।

जोहान्सबर्ग में 7वीं महिला की लाश मिलने से हड़कंप

जोहान्सबर्ग, एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग के पूर्वी इलाके में मंगलवार को एक और महिला का शव मिलने के बाद लोगों में डर बढ़ गया है। पिछले 2 महीनों में इसी इलाके में कई महिलाओं के शव मिल चुके हैं। मंगलवार को मिले शव के साथ ऐसे मामलों की संख्या 7 हो गई है। लगातार हो रही इन मौतों के बाद किसी संभावित सीरियल किलर के इलाके में सक्रिय होने की आशंका जताई जा रही है। हालांकि, पुलिस ने अभी यह पुष्टि नहीं की है कि इन सभी हत्याओं के पीछे एक ही व्यक्ति है। पुलिस का कहना है कि इन मामलों में कुछ समानताएं जरूर हैं और इसी वजह से जांच तेज करने के साथ महिलाओं के लिए सार्वजनिक चेतावनी जारी की गई है। दक्षिण अफ्रीकी पुलिस सेवा यानी कि स्न्क्र ने महिलाओं से खास तौर पर सावधानी बरतने को कहा है। पुलिस ने इलाके में जॉगिंग जैसी गतिविधियों के दौरान सतर्क रहने की सलाह दी है। पुलिस प्रवक्ता एथलेंडा माठे ने कहा,

'जांच अभी जारी है और एसएपीएस ने इस समय तक यह पुष्टि नहीं की है कि इन मौतों का संबंध किसी सीरियल किलर से है। लेकिन मामलों में समानताएं इतनी चिंताजनक हैं कि पुलिस ने लोगों के लिए सार्वजनिक चेतावनी जारी की है और जांच को तेज कर दिया है।'

मंगलवार को मिला था महिला का शव : मंगलवार को एक महिला का शव क्वा-थेमा इलाके में मिला। यह जगह केंप्टन पार्क से करीब 34 किलोमीटर दूर है। पुलिस के मुताबिक, महिला का शव पूरी तरह नग्न अवस्था में मिला और वह काफी ज्यादा सड़-गल चुका था। इससे पहले सोमवार को ओलिफैंट्सन्टीन इलाके में भी एक महिला का शव बरामद हुआ था। इसके अलावा शनिवार को 38 साल की एलिजाबेथ 'सोंत्सो' मोसेलाकगोमो का शव मिला था। वह पिछले सप्ताह केंप्टन पार्क में जॉगिंग के लिए निकली थीं और उसके बाद लापता हो गई थीं। एलिजाबेथ की तलाश में स्थानीय लोगों और पुलिस ने मिलकर अभियान चलाया था और आखिरकार शनिवार को उनका अर्धनग्न शव बरामद हुआ। लगातार सामने आ रहे इन मामलों को लेकर दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा ने भी चिंता जताई है। उन्होंने मंगलवार को कहा कि उन्होंने पुलिस अधिकारियों को इन हत्याओं की जांच को प्राथमिकता देने का निर्देश दिया है।

एच-1बी वीजा पर सख्ती: वेंस बोले- अमेरिकियों की नौकरियां नहीं छिनेंगी; काम के लिए देने होंगे एक करोड़ रुपये

वाशिंगटन डी.सी, एजेंसी। संयुक्त राज्य अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने एच-1बी वीजा प्रोग्राम में सुधार के लिए किए जा रहे प्रशासनिक प्रयासों पर बात की है। इन प्रयासों का मकसद यह सुनिश्चित करना है कि यह प्रोग्राम घरेलू पेशेवरों की जगह लेने के बजाय बेहतरीन काबिलियत वाले लोगों (टॉप-टियर टैलेंट) पर केंद्रित हो। लोकप्रिय बिजनेस और टेक्नोलॉजी शो 'ऑल-इन पॉडकास्ट' में बोलते हुए, वेंस ने राजनीतिक गतिरोध के कारण विधायी प्रक्रियाओं को दरकिनार करने के पीछे की वजह बताई। उन्होंने कहा, 'देखिए, हमने सिस्टम में हो रही धोखाधड़ी पर गौर किया और सोचा कि एक तो कांग्रेस इसे बदलने वाला कोई कानून पास नहीं करने वाली है। ऐसा करने के लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति ही नहीं है। तो हम प्रशासनिक तौर पर क्या कर सकते हैं ताकि यह पक्का किया जा सके कि अगर कोई टेक कंपनी एच-1बी वीजा हासिल करने की कोशिश करे, तो वह व्यक्ति सच में जीनियस हो।'

इस पहल के मकसद को लेकर क्या बोले : इस पहल के मुख्य मकसद के बारे में विस्तार से बताते हुए उन्होंने कहा, 'यह ऐसा व्यक्ति होगा, जो टेक इकोसिस्टम या अमेरिकी अर्थव्यवस्था को काफी बेहतर बनाएगा। आप जानते हैं, आप सिर्फ 60,000 डॉलर कमाने वाले एक अकाउंटेंट की जगह 45,000 डॉलर सालाना कमाने वाले कम वेतन वाले विदेशी अकाउंटेंट को नहीं रख रहे हैं। यह प्रोग्राम इस मकसद के लिए नहीं है। शुरू किए जा रहे खास वित्तीय और सुरक्षा उपायों पर जोर देते हुए उन्होंने कहा, 'इसलिए हमने 100,000 डॉलर का जुर्माना लगाने का विचार किया है। हम ऐसे तरीकों पर भी विचार कर रहे हैं जिनसे एच-1 बी वीजा का इस्तेमाल करने वाली कंपनियों को बड़ी संख्या में अमेरिकी कर्मचारियों की छंटनी करने से रोका जा सके। तो आप जानते हैं, मुझे इस बारे में एक बात बहुत हैरान करने वाली लगती है कि कोई कंपनी एच-1बी के लिए अप्लाई करती है और कहती है, 'अरे, हमें कर्मचारियों की बहुत जरूरत है।'

कंपनियों की भर्ती प्रक्रियाओं में मौजूद विरोधाभासों को उजागर करते हुए वेंस ने कहा, 'हमें कर्मचारी नहीं मिल रहे हैं। और फिर आप उनके इतिहास पर नजर डालें तो पता चलता है कि उन्होंने 5,000 लोगों को नौकरी से निकाल दिया है। यह तो अजीब बात है।' प्रशासन के कार्यबल विस्थापन पर रुख स्पष्ट करते हुए उन्होंने कहा, 'अगर आप अमेरिकी कर्मचारियों को निकाल रहे हैं, तो आपको उनकी जगह विदेशी कर्मचारियों की तलाश में बाजार नहीं जाना चाहिए। इसलिए हम कानूनी रूप से अनुमत सीमाओं के भीतर ही काम कर रहे हैं। इनमें से कुछ मामलों में हम पर मुकदमे भी हुए हैं, लेकिन मुझे लगता है कि मूल रूप से हम कानून और नीति दोनों के मामले में सही हैं। वीजा ढांचे के मूल उद्देश्य को दोहराते हुए उन्होंने कहा, 'एच-1बी वीजा का उद्देश्य अमेरिकी कामगारों को कम वेतन वाले विदेशी कामगारों से बदलना नहीं होना चाहिए।

मक्का में पहली बार मिसाइल अटैक का इमरजेंसी अलर्ट : हूती विद्रोहियों ने सऊदी पर हमला किया; 2017 में भी मक्का की ओर आई थी मिसाइल

मक्का, एजेंसी। यमन के हूती विद्रोहियों ने मंगलवार को सऊदी अरब पर ड्रोन और मिसाइल हमले किए। इसके बाद सऊदी अरब ने मक्का में पहली बार इमरजेंसी अलर्ट जारी किया। सऊदी सिविल डिफेंस के मुताबिक, नेशनल अर्ली वार्निंग प्लेटफॉर्म ने अलर्ट जारी किया था। लोगों से ऊंची इमारतों से दूर रहने की अपील की गई। कुछ देर बाद सिविल डिफेंस ने बताया कि खतरा टल गया है। हालांकि, लोगों से भीड़ से दूर रहने और किसी घटना की वीडियो या फोटो नहीं बनाने की अपील की गई। मंगलवार सुबह जेद्दा और ताइफ में भी ऐसे ही इमरजेंसी अलर्ट जारी किए गए थे। इन्हें भी कुछ देर बाद वापस ले लिया गया। इससे पहले 27 जुलाई 2017 को हूती विद्रोहियों ने मक्का की तरफ बैलिस्टिक मिसाइल दागी थी। लेकिन मिसाइल को मक्का से करीब 69 किलोमीटर दूर अल-वसिलिया इलाके में नष्ट कर दिया गया था।

लोगों से अपील- खुले इलाकों में जाने से बचें : मक्का, जेद्दा और ताइफ में जारी अलर्ट में लोगों से कहा गया कि वे भीड़ और खुले इलाकों में जाने से बचें। लोगों से शांत रहने और किसी भी खतरे की स्थिति में तुरंत सुरक्षित जगह जाने की अपील की गई। लोगों को घर के अंदर रहने और खिड़कियों, बालकनी, छत, कांच और खुली जगहों से दूर रहने को कहा गया है। अगर कोई व्यक्ति घर से बाहर हो, तो उसे तुरंत पास की किसी बिल्डिंग में जाने या किसी मजबूत चीज की आड़ में छिपने और खतरा टलने तक वहीं रहने की सलाह दी गई है।

हूती हमलों में अब तक 86 लोग घायल : ये इमरजेंसी अलर्ट सऊदी अरब पर हूतियों के लगातार हमलों के बीच जारी किए गए हैं। सोमवार को हूतियों ने सऊदी शहरों खमिस मुशैत, अबहा और ताइफ की ओर कई मिसाइल और ड्रोन दागे थे। सऊदी नेतृत्व वाले सैन्य गठबंधन के प्रवक्ता कर्नल तुर्की अल-मलिकी के मुताबिक, इन हमलों में कम से कम 13 नागरिक घायल हुए थे। मंगलवार को जारी बयान में अल-मलिकी ने सऊदी नागरिकों को निशाना बनाने वाले हूतियों के हमलों को जानबूझकर किया गया हमला बताया। पिछले हफ्ते भी हूतियों ने सऊदी अरब पर मिसाइलों और ड्रोन की बड़ी संख्या में हमले किए थे। इनमें अबहा, खमिस मुशैत, जाजान और नजरान शहरों को निशाना बनाया गया था। इन हमलों में कम से कम 73 लोग घायल हुए थे। हमलों के बाद सऊदी अरब की कुछ ऊर्जा सुविधाओं का काम भी कुछ समय के लिए रोकना पड़ा था। ईरान से जुड़े हूतियों का आरोप है कि सऊदी अरब यमन में हवाई हमले कर रहा है और क्रूज मिसाइलें दाग रहा है। यमन के दक्षिणी और पश्चिमी हिस्सों में हूती लड़ाकों और सऊदी समर्थित सरकारी बलों के बीच भारी लड़ाई चल रही है। इसी बीच हूतियों ने यमन के पश्चिमी लाल सागर तट पर तेजी से अपना कब्जा बढ़ाया है।

एफबीआई की नौकरी के नियम बदले?: सीनेट में उठे सवाल, काश पटेल ने पीड़ितों का दिया हवाला

वाशिंगटन, एजेंसी। संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) निदेशक काश पटेल ने मंगलवार को एफबीआई के नौकरी से जुड़े नियमों में बदलाव का बचाव किया। ये बदलाव वेश्यावृत्ति और पशुओं के साथ यौन संबंध से जुड़े मामलों को लेकर किए गए हैं। पटेल ने कहा कि इन बदलावों का मकसद पीड़ितों की मदद करना है। ऐसे लोग भी एफबीआई में नौकरी के लिए आवेदन कर सकें। उन्हें अपने पुराने अनुभव की वजह से अपने आप नौकरी के लिए अयोग्य न माना जाए। एफबीआई ने इस साल वसंत में चुपचाप अपने नियम बदले थे। पहले वेश्यावृत्ति में शामिल रह चुके लोगों पर नौकरी को लेकर पूरी रोक थी। ऐसे लोग एफबीआई में नौकरी के लिए अयोग्य माने जाते थे। अब यह रोक हटा दी गई है। कुछ मामलों में एफबीआई अब पूरे मामले की परिस्थितियों को देखेगा। ब्यूरो ने पशुओं के साथ यौन संबंध से जुड़े मामलों में भी ऐसा ही बदलाव किया है।

काश पटेल ने नियम बदलने की वजह क्या बताई : सीनेट की न्यायपालिका समिति की सुनवाई में पटेल से इन बदलावों के बारे में सवाल पूछे गए। पटेल ने कहा कि इससे नौकरी के मानक कम नहीं हुए हैं। उन्होंने कहा कि बदलाव का मकसद पीड़ितों की रक्षा करना है। कुछ लोगों को जबरन ऐसे कामों में शामिल किया गया था। कुछ लोग मानव तस्करी के शिकार हुए थे। ऐसे लोगों को सिर्फ उनके साथ हुई घटना की वजह से नौकरी के लिए अपने आप अयोग्य नहीं ठहराया जाना चाहिए। पटेल ने कहा कि एफबीआई पशुओं के साथ यौन संबंध के पीड़ितों को सजा नहीं देना चाहता था। उन्होंने मानव तस्करी के पीड़ितों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि एफबीआई नहीं चाहता था कि ऐसे मामले अपने आप नौकरी से अयोग्य होने की वजह बन जाएं।

जॉन कैनेडी ने क्यों उठाए सवाल : पटेल के जवाब से रिपब्लिकन सीनेटर जॉन कैनेडी संतुष्ट नहीं हुए। कैनेडी लुइसियाना से सीनेटर हैं। उन्होंने पटेल से इस बदलाव के पीछे की वजह पूछी। पटेल ने बताया कि यह सुझाव उनके अधीन काम करने वाले अधिकारियों ने दिया था। कैनेडी ने इस पर सवाल उठाया। उन्होंने पूछा कि पशुओं के साथ यौन संबंध से जुड़े नियम में बदलाव का सुझाव देने वाले व्यक्ति से पटेल ने ऐसा क्यों नहीं कहा कि वह किस ग्रह से आया है। पटेल ने जवाब दिया कि शुरुआत में उनकी प्रतिक्रिया भी कुछ ऐसी ही थी। लेकिन बाद में उन्होंने इसे पीड़ितों की मदद करने का एक तरीका माना। रिपब्लिकन पार्टी के नेतृत्व वाली समिति सुनवाई में पटेल के काम पर ध्यान देना चाहती थी। इसमें हिंसक अपराध से लड़ना शामिल था। ड्रग्स की तस्करी रोकना भी इसमें शामिल था।

पश्चिम एशिया तनाव: यूएस के हमले में ईरानी नावें तबाह; हूती लड़ाकों के हमलों के बीच सऊदी-मिस्र की नजदीकी बढ़ी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सेना ने मंगलवार को कहा कि उसने इस हफ्ते ईरान की दो छोटी नावों पर गोली चलाई। इसके बाद दोनों नावों को नष्ट कर दिया गया। सेना के मुताबिक, ये नावें ईरान के पास समुद्र में एक बिना चालक वाले जहाज को अपने कब्जे में लेने की कोशिश कर रही थीं। यह छह महीने से ज्यादा समय से जारी युद्ध में दोनों पक्षों के बीच हुई ताजा झड़प है। अमेरिकी सेना की मध्य कमान (सेंटकॉम) के प्रवक्ता कैप्टन टिम हॉकिन्स ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि ईरानी नावों ने हाल ही में एक अमेरिकी बिना चालक वाले समुद्री जहाज को अपने कब्जे में लेने की कोशिश की थी। लेकिन वे इसमें सफल नहीं हुईं। अमेरिकी सेना ने इसका कड़ा जवाब दिया।

ईरान के सरकारी मीडिया ने सोमवार को अलग जानकारी दी। उसने बताया कि ईरान के दक्षिणी तट पर होर्मोजगान प्रांत में मछली पकड़ने वाली दो नावों पर हमला हुआ। एक प्रांतीय अधिकारी के हवाले से कई मछुआरे लापता बताए गए। यह छह महीने से ज्यादा पुराने युद्ध में हुई ताजा गोलीबारी है। दोनों पक्ष होर्मुज जलडमरूमध्य पर नियंत्रण चाहते हैं। यह दुनिया के लिए एक बेहद अहम ऊर्जा और तेल परिवहन मार्ग है। अमेरिका ने हाल के हफ्तों में इस मार्ग पर ईरान की पकड़ कुछ हद तक कमजोर की है। लेकिन इस

युद्ध का असर तेल और पेट्रोल की कीमतों पर पड़ा है। कीमतें बढ़ी हैं। यह संघर्ष अमेरिका में भी राजनीतिक समस्या बन रहा है। नवंबर में अमेरिकी कांग्रेस के मध्यावधि चुनाव होने हैं। ऐसे में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनकी रिपब्लिकन पार्टी पर दबाव बढ़ रहा है। ट्रंप ने सोमवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट किया। उन्होंने कहा कि जैसे ही ईरान के साथ सैन्य संघर्ष खत्म होगा, तेल की कीमतें तेजी से गिरेंगी। उन्होंने यह भी कहा कि संघर्ष जल्द खत्म हो जाएगा। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने मंगलवार को ओमान के विदेश मंत्री से फोन पर बात की। अमेरिकी विदेश विभाग ने यह जानकारी दी। दोनों के बीच खाड़ी के अरब देश ओमान की कोशिशों पर चर्चा हुई। ओमान तनाव कम करने और होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने की कोशिश कर रहा है।

हूती और सऊदी अरब के बीच संघर्ष बढ़ा : ईरान के समर्थन वाले यमन के हूती विद्रोहियों ने सऊदी अरब के खिलाफ हमले बढ़ा दिए हैं। इन हमलों का असर तेल की दुनिया पर भी पड़ा है।

हूती विद्रोही सऊदी अरब के जहाजों और बुनियादी ढांचे को निशाना बना रहे हैं। पश्चिम एशिा के संघर्ष में यह एक नया मोर्चा बन गया है। इससे सऊदी अरब के लिए अपना तेल दुनिया तक पहुंचाना मुश्किल हो गया है। कुछ दूसरे रास्ते भी प्रभावित हुए हैं। कुछ मार्ग पूरी तरह बंद हो गए हैं। कुछ दिन पहले सऊदी अरब की सबसे बड़ी तेल पाइपलाइन पर भी हमला हुआ था। इस हमले में पाइपलाइन को नुकसान पहुंचा। हूती विद्रोहियों की ताकत भी बढ़ी है। इससे उनके लिए लाल सागर के रास्ते सऊदी तेल के निर्यात को रोकना आसान हो सकता है। इस युद्ध का असर सिर्फ तेल पर नहीं पड़ा है। इससे दुनिया की अर्थव्यवस्था पर भी असर पड़ा है। वाशिंगटन से आई नई रिपोर्ट्स में युद्ध पर अमेरिका के खर्च की जानकारी दी गई है। इनमें मिसाइलों को रोकने वाली उन्नत मिसाइलों के भंडार में कमी की जानकारी भी है। अमेरिकी विमानों, सैन्य ठिकानों और राजनयिक ठिकानों को हुए नुकसान का भी जिक्र है। गैर-दलीय कांग्रेस बजट कार्यालय यानी सीबीओ ने मंगलवार को एक रिपोर्ट जारी की।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)